जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 4 सितम्बर, 2025

ओसवाल सोप ग्रुप
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
OSWAL SOAP GROUP
SINCE
ओसवाल
1956
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml कच्ची घानी तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml रिफाइंड सोयाबीन तेल
1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच
1kg बासमती चावल
1kg ओसवाल चावल
800g पोहा
1kg चाय पत्ती
250g डस्ट चाय
1kg देसी खांड
1kg धागा मिश्री
500g हल्दी पाउडर
1kg मिर्च पाउडर
500g धनिया पाउडर
1kg जीरा
साँभर मसाला
चना मसाला
चाट मसाला
रायता मसाला
गरम मसाला
पाव भाजी मसाला
1kg सैंधा नमक
1kg काला नमक
1kg मैज स्टार्च पाउडर
1kg मूंग दाल
1kg चना दाल
1kg तूअर दाल
1kg हरी मूंग दाल
1kg काबुली चना
1kg उड़द धुली दाल
50g अगरबत्ती धूपबत्ती
1kg ओसवाल सोप
1kg व्हाइट सोप
1kg मल्टीकलर सोप
1kg वॉशिंग पाउडर
1kg डिटर्जेंट पाउडर डिटर्जेंट केक
75g ग्लिसरिन बाथ सोप
100g नहाने का साबुन
1kg डिशवॉश टब डिशवॉश केक
500ml डिशवॉश लिक्विड
1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड
250ml लिक्विड हैंड वॉश
200ml शॉवर जैल
1Ltr. टॉयलेट क्लीनर
500ml ग्लास क्लीनर
1Ltr. फ्लोर क्लीनर
नीरवी पशु आहार
250gm नेप्थलीन बॉल्स
हैप्पी टच फ्लोर वाइपर
फूल झाड़ू
नकली माल से सावधान
Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप
अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें
विपणन : उत्तम चन्द देसराज
अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 34 प्रभात जयपुर, गुरुवार 4 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Land Is A Major Factor In The Indo-Pacific

India, Thailand, Vietnam and South Korea, with contested borders, have little choice but to prioritise their land forces over building their naval capacity

Lord Krishna on a Greek Coin?

The Roar of Divinity and Discipline

द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार की अस्सीवीं सालगिरह पर, चीन द्वारा अति प्रभावशाली परेड आयोजित

परेड की सलामी लेते वक्त राष्ट्रपति शी के एक तरफ पुतिन व दूसरी ओर नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग थे

- इस भव्य परेड में भारत भी आमंत्रित था या नहीं यह तो दृढ़ता से कहना मुश्किल है, क्योंकि, भारत के विदेश मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि प्र.मंत्री ने स्वयम् यह निर्णय लिया था कि भारत इस विजय समारोह में शामिल नहीं होगा।
- इस प्रभावशाली परेड समारोह ने यह साबित कर दिया कि, कूटनीति की दृष्टि से बीजिंग ने उभरती इकॉनमीज़ व ग्लोबल साऊथ क्षेत्र में अपनी अच्छी व मजबूत पैठ व पकड़ बनाई है।
- तियानमन स्क्वायर पर आयोजित इस परेड को सम्बोधित करते हुए, चीन के राष्ट्रपति शी ने कहा, विश्व आज दोराहे पर खड़ा है, तथा ये ही विकल्प हैः शांति या युद्ध, संवाद या खुला सामना 'विन-विन या ज़ीरो-सम गेम' तथा चीन इतिहास के प्रवाह के साथ है, तथा चीन की विकास की यात्रा अब नहीं रुकेगी।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 सितंबर। अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए, चीन ने आज अपनी अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की। इस अवसर पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की मौजूदगी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि बीजिंग अब पश्चिमी वर्चस्व के खिलाफ खड़ा होने के लिए तैयार है - यह संदेश खास तौर पर अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत को दिया गया है।

यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में जापान की हार की 80वीं वर्षगांठ की स्मृति में आयोजित की गई, जिसे पश्चिमी देशों के नेताओं ने सतर्कता और संदेह की दृष्टि से देखा।

असल में, चीन का यह शक्ति-प्रदर्शन अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी वैश्विक व्यवस्था को तोड़ने की नीति और अंतरराष्ट्रीय समझौतों व संस्थाओं जैसे कि संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन को कमज़ोर करने की पृष्ठभूमि में देखी जानी चाहिए।

अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत द्वारा 2021 में बनाए गए क्वॉड्रिलेटरल सिक्युरिटी डायलॉग्स (क्वाड) को बीजिंग ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन को घेरने की कोशिश के रूप में देखा। अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और जापान के नेता इस कार्यक्रम से अनुपस्थित रहे और दक्षिण कोरिया व सिंगापुर जैसे देशों ने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। हालांकि, शी जिनपिंग की गैस्ट लिस्ट ने ग्लोबल साउथ और उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर चीन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाया। यह स्पष्ट नहीं है कि परेड़ के लिए भारत को आमंत्रित किया गया था या नहीं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोच समझ कर इस कार्यक्रम से दूर रहने का फैसला लिया। भारत आज के सैन्य परेड में शामिल नहीं था।

तियानआनमेन स्क्वायर में लगभग 50,000 दर्शकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति शी ने कहा कि मानवता एक मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे "शांति या युद्ध, संवाद या टकराव, दोनों की जीत कोई एक जीते दूसरा हारे जीत या शून्य-राशि में से चयन करना है।

उन्होंने कहा कि चीनी लोग "इतिहास के सही पक्ष पर खड़े हैं" और चीनी राष्ट्र का पुनरुत्थान रोका नहीं जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्यावर विधायक की पुत्री पर फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र पर नियुक्ति लेने का आरोप

- अतिरिक्त निदेशक विशेष योग्यजन ने राजस्व बोर्ड रजिस्ट्रार को कार्यवाही करने के लिये लिखा।

भीलवाड़ा, 3 सितम्बर (निसं)। भीलवाड़ा जिले के करेड़ा उपखंड मुख्यालय पर तैनात कार्यवाहक तहसीलदार और ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत की बेटी कंचन चौहान पर फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर राजकीय सेवा लेने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

करेड़ा तहसीलदार कंचन चौहान ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत की पुत्री हैं। उन पर राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित आरएएस भर्ती परीक्षा में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर नायब तहसीलदार पद पर नियुक्ति लेने का आरोप है। फिलहाल वे कार्यवाहक तहसीलदार करेड़ा पद नियुक्त है। शिकायत के चलते निदेशालय विशेष योग्यजन के अतिरिक्त निदेशक चन्द्रशेखर चौधरी ने राजस्व बोर्ड अजमेर के रजिस्ट्रार को प्रकरण में कार्रवाई कर निदेशालय को जानकारी भिजवाने को कहा है। आरोप है कि कंचन चौहान ने सितंबर 2024 को कार्यवाहक करेड़ा तहसीलदार के पद पर ज्वाइन किया था। उन्होंने बधिर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दूसरे दिन भी विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस टकराव, कार्यवाही स्थगित हुई

कांग्रेस ने झालावाड़ स्कूल हादसे को मुद्दा बनाया, भाजपा ने "महिला विरोधी राहुल गांधी" नारा लगाया

- विधानसभा के अंदर और बाहर कांग्रेस के प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा की गैर मौजूदगी चर्चा का विषय रही।

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 3 सितम्बर। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान, झालावाड़ स्कूल हादसे और सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर कांग्रेस ने सदन के भीतर और बाहर भारी विरोध प्रदर्शन किया और इस मुद्दे पर विधानसभा में सरकार को घेरने की कोशिश की। विपक्षी विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों ने हाथों में, "शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो," लिखी तख्तियां ले रखी थीं और बाजुओं पर काली पट्टियां बांधी हुई थीं। साथ ही, झालावाड़ स्कूल हादसे में मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा और मोमबत्तियां जलाकर संवेदना प्रकट की।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार ने हादसे के शिकार बच्चों को न केवल नज़रअंदाज किया, बल्कि विधानसभा में उन्हें श्रद्धांजलि तक नहीं दी गई। टीकाराम जूली ने घोषणा की कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है तो इस हादसे में मृत सातों बच्चों के नाम पर 7 संभागों में मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे।

इस विरोध प्रदर्शन में ए.आई.सी.सी. महासचिव, पूर्व डिप्टी सीएम एवं टोंक विधायक सचिन पायलट और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय रही।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि स्कूलों में लगातार हो रहे हादसों में अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं दिख रही। स्कूलों की हालत जर्जर है, फंड की भारी कमी है और स्कॉलरशिप तक रोकी जा रही है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि वीर बालिका कालीबाई भील को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है, राजीव गांधी एक्सलैंस स्कॉलरशिप की संख्या घटा दी गई है और ऐसे नियम लागू कर दिए गए हैं कि छात्रों को इसका लाभ ही न मिल सके।

जूली ने कहा, "बच्चों की मौत पर सरकार का रवैया शर्मनाक है। ये बच्चे राजस्थान के हैं, अमेरिका के नहीं, जिन्हें श्रद्धांजलि देने में भी सरकार को संकोच हो रहा है। कांग्रेस ने आईफा और भारत मंडपम जैसे आयोजनों पर खर्च को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि जब आयोजनों के लिए हजारों करोड़ रुपए हैं, तो आखिर स्कूलों की मरम्मत और बच्चों की सुरक्षा के लिए बजट क्यों नहीं है?

वहीं, सदन के अंदर भी कांग्रेस विधायकों ने झालवाड़ स्कूल हादसे को लेकर शून्यकाल में विरोध जताया। कांग्रेस विधायक सुरेश गुर्जर ने हादसे का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर सवाल खड़े किए। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस के हंगामे के बीच भाजपा विधायकों ने भी पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने "महिला विरोधी राहुल गांधी" का नारा लगाया, जिसे अन्य भाजपा विधायकों ने भी दोहराया। इससे सदन का माहौल और ज्यादा गरमा गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एक राज्य में दोहरी सत्ता (राज्यपाल और राज्य सरकार) नहीं हो सकती'

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति के संदर्भ पर सातवें दिन की सुनवाई के दौरान कर्नाटक सरकार के वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने कहा

- विपक्ष शासित राज्यों ने विधेयकों को रोक लेने के राज्यपाल के अधिकार के विरूद्ध दलीलें दीं और कहा, कानून बनाना विधानसभा का काम है राज्यपाल की इसमें कोई भूमिका नहीं है।
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा बिलों पर एक्शन लेने के लिए राज्यपाल पर समय सीमा लागू करने पर राष्ट्रपति की तरफ से भेजे गए रैफरैंस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। राष्ट्रपति - संदर्भ पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के सातवें दिन बुधवार को तीन विपक्ष-शासित राज्यों ने दलील दी कि राज्यपाल को बिल रोक कर रखने का विवेकाधिकार नहीं है, क्योंकि कानून बनाने का काम विधानमंडल का है और इसमें राज्यपाल की कोई भूमिका नहीं होती।

पांच जजों की संविधान पीठ ने बुधवार (3 सितम्बर 2025) को राष्ट्रपति- संदर्भ पर सुनवाई जारी रखी। इस संदर्भ में सवाल यह है कि क्या अदालतें राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय कर सकती हैं कि वे विधानसभा से पारित विधेयकों पर कितने समय के अन्दर निर्णय ले लें।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने कहा कि राज्यपाल बिलों पर अनिश्चितकाल तक कुंडली मारकर बैठे नहीं रह सकते।

पश्चिम बंगाल की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जो बिल राज्यपाल को भेजा जाता है, उसे उस पर मंजूरी देनी होती है। केन्द्र सरकार चाहे तो किसी राज्य कानून को रद्द कर सकती है या फिर उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है, लेकिन जनता की इच्छा का सम्मान होना ही चाहिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन. डी. ए. का बिहार बंद आज

- प्रधानमंत्री की मां को कहे गए अपशब्दों के विरोध में बंद आहूत किया गया है।

पटना, 03 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के महिला मोर्चा ने चार सितंबर को बिहार बंद का ऐलान किया है।

यह बंद गुरुवार चार सितंबर सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। चार सितंबर को भाजपा समेत राजग के सहयोगी दलों के नेता सड़कों पर उतरेंगे। इस मामले पर भाजपा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से माफी मांगने की मांग कर रही है।

बिहार भाजपा की ओर से बंद का नेतृत्व कर रहे पार्टी के महिला मोर्चा की अध्यक्ष और सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के लिये अभद्र भाषा का इस्तेमाल बिहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैंसर की दवाएं, पनीर ब्रेड, मक्खन, पास्ता के दाम घटने की संभावना

छोटी कारों, बाइक, होटल में ठहरने और फिल्म टिकटों की दरों में भी राहत मिल सकती है

- जीएसटी काउन्सिल दो दिवसीय बैठक में टैक्स स्लैब्स को तर्क संगत बनाने पर गंभीर चर्चा की गई। फिलहाल चार स्लैब हैं, 5 प्रतिशत, 12,18 और 28 प्रतिशत। अब दो ही स्लैब करने की सिफारिशों पर विचार चल रहा है, अगर ऐसा होता है तो जनता व व्यापारी वर्ग को भारी राहत मिलेगी।
- सरकार की योजना है कि 28 प्रतिशत टैक्स की श्रेणी में आने वाले 90 प्रतिशत सामान को 18 प्रतिशत में लाया जाएगा और 12 प्रतिशत टैक्स वाले सामान को 5 प्रतिशत में शामिल किया जाएगा।
- सूत्रों के अनुसार, इस बदलाव से 50,000 करोड़ रु. का नुकसान होगा पर खपत बढ़ने से इस नुकसान की भरपाई हो जाएगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 सितंबर। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ (जीएसटी) काउन्सिल ने बुधवार को यहां अपनी दो दिवसीय बैठक के पहले दिन व्यवसायों पर अनुपालन का बोझ (बर्डन ऑफ कम्प्लायंस) कम करने के लिए कई फैसले किए। जिन उपायों को मंजूरी दी गई उनमें एमएसएमई यानी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा स्टार्ट-अप्स के लिए पंजीकरण का समय 30 दिन से घटाकर केवल तीन दिन करना शामिल है। निर्यातकों के लिए स्वचालित जीएसटी रिफंड (ऑटोमेटेड जी.एस.टी. रीफण्ड) का प्रस्ताव भी पास किया गया।

काउन्सिल ने बुधवार सुबह अपनी बैठक की शुरुआत जीएसटी टैक्स स्लैब्स को तर्कसंगत बनाने के बड़े एजेंडे के साथ की। काउन्सिल मौजूदा टैक्स ब्रैकेट्स को आधा करने की सिफारिशों पर विचार कर रही है। फिलहाल व्यवस्था में चार स्लैब हैं - 5,12,18 और 28 प्रतिशत।

सरकार के फैसले से जिन क्षेत्रों को फायदा हो सकता है उनमें प्रमुख हैं-

ऑटोमोबाइल्सः 1200 सीसी तक की छोटी कारें, 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलें और ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो सकता है।

हॉस्पिटैलिटी और मनोरंजनः होटल में ठहरने और फ़िल्म टिकटों पर दरें 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो सकती हैं।

स्वास्थ्य सेवाएंः कैंसर की दवाओं को जीएसटी से पूरी तरह मुक्त किया जा सकता है। अन्य दवाओं और ज़रूरी मेडिकल सामान को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा को भी कर-मुक्त करने की संभावना है।

दैनिक उपयोग की वस्तुएँः पनीर, पिज़्ज़ा ब्रेड, खाखरा, फलों का रस, नारियल पानी, मक्खन, चीज़, पास्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति चुनाव की "मॉक ड्रिल"

- इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान की किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए मतदान की "मॉक ड्रिल" करवाएगा।

नयी दिल्ली, 03 सितंबर। इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर नए सांसदों को मॉक पोल के जरिए मतदान प्रक्रिया समझाने की योजना बना रहा है, ताकि सांसदों को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सूत्रों के अनुसार, उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक एक दिन पहले आठ सितंबर को इंडिया गठबंधन के सांसद दिल्ली में बैठक करेंगे। इस दौरान उन्हें मतदान प्रक्रिया समझायी जायेगी और एक 'मॉक पोल' भी कराया जाएगा। इसके जरिये विपक्ष के सांसदों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी जायेगी, ताकि वे मतदान में किसी प्रकार की त्रुटि न करें।

गौरतलब, संविधान के अनुच्छेद 66(1) के अनुसार, उपराष्ट्रपति का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विचलित मत हों यह केवल एक परेड है,' पुतिन ने कुढ़ते हुए अमेरिका को सलाह दी

चीन के विशाल व आधुनिक हथियारों को देखकर ट्रंप ने कुढ़ते हुए कहा, जो देश एस.सी.ओ. सम्मेलन में इकट्ठे हुए हैं, उनका ध्येय अमेरिका के खिलाफ साजिश करना है

- पर यह भी सच है कि, चीन द्वारा परेड में प्रदर्शित सभी हथियार, चीन में ही निर्मित थे, और अब चीन के "इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर" की क्षमता अमेरिका के औद्योगिक आधारभूत ढांचे से किसी भी तरह कम नहीं है।
- अस्सी साल पहले द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका की जीत का आधार उसकी आधुनिक फैक्टरियों का जाल था, जो बिना किसी हिचकिचाहट व रुकावट के एलाइड फोर्सेज़ को लगातार हथियार, ट्रक, टैंक आदि सप्लाई करता रहा, जबकि जर्मनी का यह "इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर बेस", एलाइड फोर्सेज़ ने काफी कुछ नष्ट कर दिया था।
- हथियारों के बारे में रिसर्च एण्ड डवलपमैंट" की दृष्टि से चीन अब अमेरिका से आगे नहीं, तो बराबर तो खड़ा ही है।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। यह अपने आप में एक विरोधाभास था। बीजिंग की एक सड़क, जिसे एवेन्यू ऑफ़ एटर्नल पीस कहा जाता है, पर चीन ने हथियारों और गोला-बारूद का विशाल भंडार प्रदर्शित किया। आज हई इस परेड में दिखाई गई बीजिंग की सैन्य शक्ति ने पूरी दुनिया को, यहाँ तक कि सबसे ताक़तवर अमेरिका को भी चिंतित कर दिया है।

गुस्से में आकर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस मौके पर इकट्ठा हुए तीन नेता अमेरिका के खिलाफ़ साज़िश कर रहे हैं। इस पर व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप को जवाब दिया-आराम से रहो, यह सिर्फ़ एक परेड है।

लेकिन यह केवल परेड़ नहीं है। भारत को गंभीरता से नोटिस लेना चाहिए कि बीजिंग में आयोजित इस स्मृति कार्यक्रम में चीन ने क्या दिखाया। वहाँ चीनी राष्ट्रपति के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के प्रमुख किम जोंग उन भी मौजूद थे। चीन द्वारा दिखाए गए सभी सैन्य उपकरण और हथियार सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि चीनी तकनीक और औद्योगिक क्षमता से बने थे पूर्णतया चीन निर्मित थे।

उनकी जबरदस्त मारक क्षमता ने यह साबित कर दिया कि चीन के पास मज़बूत औद्योगिक ढांचा और अनुसंधान-विकास की बुनियाद है। कुछ हथियार प्रणालियाँ इतनी उन्नत थीं कि अधिकांश सैन्य विशेषज्ञों ने माना कि वे अपने प्रतिद्वंदियों यहाँ तक कि अमेरिका से भी कहीं आगे हैं।

सिर्फ़ हथियारों का प्रदर्शन असली सैन्य शक्ति का प्रमाण नहीं होता, असली ताक़त हथियार बनाने की क्षमता से आती है। यह अमेरिका का औद्योगिक ढांचा था जिसने द्वितीय विश्व युद्ध खत्म किया, न कि जर्मनी की विनिर्माण क्षमता के विनाश ने।

यह प्रदर्शन कम से कम यह तो दिखाता है कि चीन सैन्य उपकरणों के उत्पादन में अमेरिका की औद्योगिक और विनिर्माण क्षमता के क़रीब पहुँच रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि नौसैनिक शक्ति के मामले में चीन के पास जहाज़ों और अन्य जलपोतों की संख्या अमेरिका से 48 प्रतिशत अधिक है। थलसेना में भी चीन बड़ी है और कई क्षेत्रों में उसने अपनी सेना की सुरक्षा के लिए बेहतर प्रणालियाँ विकसित कर ली हैं।

मिसाइलों के मामले में चीन ने अपना नवीनतम हथियार पेश किया- एक विशालकाय अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, जिसे आठ पहियों वाले ट्रक पर रखा गया था।

चीन के पास उपलब्ध नई हथियार प्रणालियाँ और तकनीकों ने सैन्य विशेषज्ञों को हैरान कर दिया। उसने लेज़र तकनीक भी विकसित कर ली है, जो दुश्मन पर उच्च शक्ति वाली लेज़र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मुलाकात की

- मुख्यमंत्री ने उन्हें "अभ्युदय की ओर" पुस्तक भेंट की।

जयपुर, 3 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बुधवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों की राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल ने इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा को अपने एक वर्ष के कार्यकाल के आलोक में प्रकाशित पुस्तक "अभ्युदय की ओर" की प्रति भी भेंट की।

विचार बिन्दु

मानव का दानव होना उसकी हार है। मानव का महामानव होना उसका चमत्कार है और मनुष्य का मानव होना उसकी जीत है।

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

घटिया और नकली दवाओं के सेवन से खतरे में है आमजन की सेहत

देश में बनने वाली अंग्रेजी दवाएं पिछले कुछ सालों से अपनी गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में हैं। देश में आये दिन घटिया और नकली दवाओं के जखीरे पकड़े जा रहे है जो साबित करते है आमजन का स्वास्थ्य खतरे में है। आगरा में हाल ही नकली दवाओं के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई में करीब ढाई करोड़ रुपये की 2.97 लाख टैबलेट्स समेत आधा दर्जन नामी कंपनियों की दवाएं जब्त कीं गई। छापेमारी के दौरान एक दवा व्यापारी ने ड्रग विभाग के अफसरों को एक करोड़ रुपये रिश्वत देने की पेशकश की। व्यापारी को तत्काल हिरासत में लिया गया। यह तो एक बानगी है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जुलाई 2025 में खराब गुणवत्ता वाली और नकली दवाओं की सूची जारी की गई है। केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने इस दौरान 46 दवाओं के नमूनों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जबकि राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवा नमूनों को मानक के अनुरूप न पाकर ख़राब गुणवत्ता वाली घोषित किया। इस प्रकार कुल 143 दवा नमूने जुलाई माह में असफल पाए गए। ये दवाएं अलग-अलग राज्यों से बाजार में उपलब्ध थीं और मरीजों तक पहुँच चुकी थीं। सूची में अधिकांश दवाएं मधुमेह, रक्तचाप, पेट की गैस और दर्द निवारक श्रेणी की हैं।

देशभर में आजकल घटिया, नकली और अमानन दवाओं का बाजार धड़ल्ले से पनप रहा है। सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद देश में घटिया और नकली दवाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण देश के लाखों लोगों की सेहत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शीघ्र ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डालर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। आज के इस समय में नकली दवाइयां भी खूब मिलने लग गई हैं। ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाजार में नकली दवाइयों की बिक्री बढ़ गई है। बाजारों-अस्पतालों में घटिया और नकली दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नकली और घटिया दवाएं बनाने की सबसे अधिक कंपनियां हिमाचल प्रदेश में है। इनमें से बहुत सी ऐसी कंपनियां सरकारी अस्पतालों में दवा की सप्लाई का ठेका लेती हैं। नकली दवाओं का सेवन करने से आपके शरीर में कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप मेडिकल स्टोर या ऑनलाइन वेबसाइट से दवाओं को खरीदते हैं तो इस स्थिति में आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। घटिया और नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं हमारी सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।

> **गंभीर बीमारियों की छोड़िये, छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्ट्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटियां दवाओं का धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है।**

गंभीर बीमारियों की छोड़िये, छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्ट्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटियां दवाओं का धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है। जाँच में ये दवाइयां नकली निकल रही है जो जनता के स्वास्थ्य से सरेआम खिलवाड़ है। आम आदमी जीवन रक्षक दवाओं में मिलावट की ख़बरों से खासा परेशान है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी दवाओं में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। ये दवाएं नामी ब्रांडेड कंपनियों की पैकेजिंग में बेची जा रही हैं।

देशभर में हर दूसरे या तीसरे दिन खबरें छपती रहती है कि इतने करोड़ की नकली दवाई पकडी गयी। इतनी दवाओं को नष्ट किया गया या सील किया गया। इसके बावजूद नकली दवाओं का धंधा बजाय कम होने के बढ़ता ही जा रहा है। नक़ली दवाएं या मिलावटी दवाएं वे होती हैं, जिनमें गोलियां, कैप्सूल या टीकों आदि में असली दवा नहीं होती, दवा की जगह चॉक पाउडर, पानी या महंगी दवा की जगह सस्ती दवा का पाउडर मिला दिया जाता है, इसके अलावा एक्सपायर हो चुकी दवाओं को दोबारा पैक करके बेचने का धंधा भी होता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में नकली दवाओं के उत्पादन और प्रसार का बाजार करीब 35 हजार करोड़ रुपए का है। इसी से यह समझा जा सकता है की देश में किस प्रकार नकली दवाओं का व्यापार निर्विघ्न रूप से फल-फूल रहा है। एसोचेम का दावा है कि बाजार में बिकने वाली हर 4 में से 1 दवा नकली है। आम आदमी के लिए इनके असली या नकली होने की पहचान बहुत मुश्किल है। कहा ये भी जा रहा है बीमारियों से इतनी मौतें नहीं हो रही है जितनी नकली दवाओं के सेवन से हो रही है।

- अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 4 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:44 तक, सौभाग्य योग दिन 3:22 तक, बव करण सायं 4:15 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 5:21 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज वामन जयन्ती, हरिवा यश भाव, भुवनेश्वरी जयन्ती है। आज बन बधड़ी (सिन्धी समाज) का अबूझ मुहूर्त है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:45 तक, चर 10:52 से 12:26 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:33 तक, शुभ 5:07 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:41

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन में बना हुआ भय दूर होगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में बाहर जाना हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ

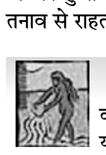

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर सुधार की नई राहः जीएसटी, पेट्रोलियम और शराब नीति पर विमर्श

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कर दायरे में व्यापक सुधार की ओर संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की मौजूदा दरों में बदलाव कर प्रणाली को ज्यादा सरल और सुगम बनाया जाएगा। यह घोषणा निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था, उद्योग जगत, उपभोक्ताओं और राज्यों के लिए दूरगामी प्रभाव डालने वाली है।

भारत में कर व्यवस्था अक्सर जटिल और बहुस्तरीय रही है। जीएसटी लागू होने के बाद भी, इसके स्लैब यानी दरें लोगों के लिए उलझन का विषय बनी रहीं। वर्तमान में 0%, 5%, 12%, 18% और 28% जैसी कई दरों के चलते न सिर्फ आम जनता बल्कि कारोबारियों को भी भारी दिक्कतें आती हैं। यदि केंद्र सरकार वास्तव में 28% और 12% दरों को खत्म कर शेष दरों को व्यवस्थित कर दे, तो यह 'वन नेशन, वन टैक्स' की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

जीएसटी स्लैब का सरलीकरण

प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद इस दिशा में चर्चा होना जरूरी है कि जिन वस्तुओं पर 12% जीएसटी लगता है, उनमें से ज्यादातर आम उपभोग के खाद्य पदार्थ, दवाइयाँ और दैनिक जीवन की अन्य ज़रूरी वस्तुएँ हैं। इन्हें 5% के दायरे में लाने से महंगाई पर नियंत्रण पाया जा सकता है और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

दूसरी ओर, 18% जीएसटी सर्विस सेक्टर पर अपेक्षाकृत भारी पड़ता है। बीमा, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा और डिजिटल सेवाएँ इस श्रेणी में शामिल हैं। सामान्य परिवार के बजट में इन सबकी लागत बढ़ जाती है। कई अर्थशास्त्री यह सुझाव दे चुके हैं कि 12% और 18% की दरों को समेकित कर 15% का एक मध्यम स्लैब बनाया जाए। इससे कर-संरचना सरल होगी और उपभोक्ताओं पर अत्यधिक भार भी नहीं पड़ेगा।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य और जीवन बीमा जैसी अनिवार्य सेवाओं को 5% के दायरे में लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। इन पर शून्य कर लगाना दीर्घकालिक रूप से समझदारी नहीं मानी जा सकती, क्योंकि सरकार को भी राजस्व चाहिए होता है। लेकिन इन सेवाओं की आमजन तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कर दर को न्यूनतम स्तर पर रखना अत्यंत आवश्यक है।

पेट्रोलियम उत्पाद और "वन नेशन, वन प्राइस" की आवश्यकता

भारत की ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है। दुर्भाग्य से, इन पर अब तक जीएसटी लागू नहीं किया गया है और राज्यों की अलग-अलग दरों ने एक असमान कर व्यवस्था पैदा कर दी है। जिन राज्यों में करों की दरें अलग-अलग हैं, वहाँ उनके सीमा क्षेत्रों यानी बॉर्डर पर स्थित पेट्रोल पंपों की बिक्री में स्पष्ट असमानता देखी जा सकती है। राज्यों के बीच दरों में इस भिन्नता के कारण न केवल उपभोक्ता कम दर वाले राज्यों की ओर आकर्षित होते हैं, बल्कि पेट्रोल और डीज़ल की तस्करी जैसी समस्याएँ भी जन्म लेती हैं। ऐसी स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि पूरे देश में पेट्रोलियम उत्पादों की दरें समान हों ताकि न तो तस्करी को बढ़ावा मिले और न ही सीमा क्षेत्र के पेट्रोल पंपों को नुकसान उठाना पड़े।

यदि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए और पूरे देश में एक समान दर तय हो, तो इससे दो बड़े लाभ होंगे-

1. लेवल प्लेइंग फील्डः सभी उद्योगों और व्यवसायों को ऊर्जा एक समान कीमत पर मिलेगी जिससे प्रतिस्पर्धा में समानता आएगी।

2. राजस्व वितरण में पारदर्शिताः केंद्र सरकार अतिरिक्त कर लगाकर राज्यों को समुचित हिस्सा दे सकती है।

हां, यह सच है कि राज्यों को तत्काल राजस्व हानि उठानी पड़ सकती है, पर दीर्घकालिक दृष्टि से यह नुकसान नहीं बल्कि एक सतत समाधान है। केंद्र यदि जीएसटी काउंसिल के माध्यम से राजस्व साझा करने की नीति बनाए, तो राज्यों का भरोसा भी बना रहेगा।

गुणवत्ता और पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार

हां, यह सच है कि राज्यों को तत्काल राजस्व हानि उठानी पड़ सकती है, पर दीर्घकालिक दृष्टि से यह नुकसान नहीं बल्कि एक सतत समाधान है। केंद्र यदि जीएसटी काउंसिल के माध्यम से राजस्व साझा करने की नीति बनाए, तो राज्यों का भरोसा भी बना रहेगा।

गुणवत्ता और पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार

पेट्रोलियम जितना संवेदनशील विषय है, शराब नीति उससे भी अधिक विवादास्पद है। आज भारत में शराब की खपत तीव्र गति से बढ़ रही है। सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं को दरकिनार करते हुए यह उद्योग राजस्व हासिल करने का प्रमुख साधन बना हुआ है।

वास्तविक समस्या यह है कि शराब पर हर राज्य ने अपनी मनमानी दरें तय कर रखी हैं। कहीं-कहीं ऊंचे करों की वजह से तस्करी और अवैध शराब का व्यापार फल-फूल रहा है। कई रिपोर्ट्स इशारा करती हैं कि शराब माफिया और अधिकारियों के गठजोड़ से भ्रष्टाचार और टैक्स की चोरी जमकर होती है।

अगर जीएसटी काउंसिल साहस दिखाकर शराब की निर्माण लागत से लेकर एमआरपी तक एक समान दर तय कर दे, तो यह सिस्टम अधिक पारदर्शी हो जाएगा। सरकार को बड़े स्तर पर राजस्व का नुकसान नहीं होगा, बल्कि उल्टा-जो पैसा भ्रष्टाचार और काले बाजार में जा रहा है, वह सरकारी खजाने में आएगा।

सामाजिक रूप से भी यह सुधार आवश्यक है। शराब की आसानी से उपलब्धता और दरों में असमानता न सिर्फ उपभोक्ताओं को गुमराह करती है बल्कि अवैध व्यापार को भी बढ़ावा देती है। यदि पूरे देश में एक समान दर लागू हो, तो शराब माफिया पर नियंत्रण होगा और समाज पर इसके नकारात्मक असर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

अगर जीएसटी काउंसिल साहस दिखाकर शराब की निर्माण लागत से लेकर एमआरपी तक एक समान दर तय कर दे, तो यह सिस्टम अधिक पारदर्शी हो जाएगा। सरकार को बड़े स्तर पर राजस्व का नुकसान नहीं होगा, बल्कि उल्टा-जो पैसा भ्रष्टाचार और काले बाजार में जा रहा है, वह सरकारी खजाने में आएगा।

सामाजिक रूप से भी यह सुधार आवश्यक है। शराब की आसानी से उपलब्धता और दरों में असमानता न सिर्फ उपभोक्ताओं को गुमराह करती है बल्कि अवैध व्यापार को भी बढ़ावा देती है। यदि पूरे देश में एक समान दर लागू हो, तो शराब माफिया पर नियंत्रण होगा और समाज पर इसके नकारात्मक असर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

भारत को अब सवाल यह नहीं पूछना चाहिए कि "क्या यह संभव है?" बल्कि यह सोचना चाहिए कि "इसे कब लागू करना है।"

धन्यवाद,

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
जयपुर, राजस्थान

प्रकृति संरक्षण की लोक परम्पराओं में पलता समाज

डॉ. अरुणा व्यास

वर्षा से हमारे देश को प्रतिवर्ष करीब चार हजार अरब घन मीटर पानी मिलता है। विडम्बना की बात यह है कि लोक से जुड़ी परम्पराओं से दूर होने के कारण वर्षा जल संग्रहण के इस कार्य में सभी स्तरों पर उदासीनता आ रही है। इसी से वर्षा जल बड़ी मात्रा में सड़कों पर बहता भाप बनकर उड़ जाता है। हमारे यहां पारिस्थितिकी संतुलन के तहत अतीत की जल संचयन परम्परा में तालाबों की संस्कृति रही है। तालाब से गांव और जहां तालाब नहीं वहां गांव नहीं। गांव बसाना है तो तालाब पहले खुदेगा, फिर बसेगा गांव। यही नहीं अधिकांश गांवो का नाम ही तालाबों से जुड़ा रहा है। मसलन करमीसर, लूणकरणसर, किसमीदेसर, केसरदेसर, मलकीसर, रासीसर, बदरासर, भोमासर, जैतसर आदि-आदि। ये सभी गांवों के नाम हैं। यही नहीं सैंकड़ो-हजारों गांवों के साथ इसी तरह 'सर' जुड़ा हुआ है। 'सर' यानी सरोवर।

राजस्थान में जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर सबसे गरम, सूखे इलाके हैं। देश के अन्य भागों में एक दिन में जितना पानी बरसता है, इन क्षेत्रों में वर्ष भर में बस उतना ही पानी बरसता है। आंकड़ों में कहें तो मात्र 3 से 12 इंच पानी ही इन सूखे क्षेत्रों में गिरता है, फिर भी यहां खेती होती रही है, धान उगता है और बहुत से गांवो में तो बगैर सरकारी प्रबंध के पानी की समुचित व्यवस्था भी वर्षों तक रही है। सोचिए! कैसे करते होंगे लोग पानी की यह व्यवस्था। लोक संस्कृति के अंतर्गत वर्षा पानी की एक-एक बूंद को सहेजते यहां के लोग जल को अमृत मानते रहे हैं। गांव के तालाब में आने वाला पानी कहीं बाधित नहीं हो, इसका ध्यान गांव का हर बाशिंदा रखता था। तालाब के चारों ओर ढाल। जब कभी वर्षा होती, सभी स्थानों से बहकर पानी सीधे तालाब में ही जमा होता।...यह जमा पानी दिनों, महिनों तक तालाब में यूं ही जमा रहता और तो और कईं कईं स्थानों पर तो वर्षपर्यन्त तालाब पानी से भरे रहते। सोचिए! भूगर्भ जल के पानी का स्तर भी इससे क्या भरा-पूरा नहीं रहा है! इस प्रकार के और भी बहुत सारे तथ्य गांव की हमारी लोक संस्कृति के संदर्भ में प्रकाश में आए हैं जिनके अंतर्गत यहां की पारिस्थितिकी संतुलन में लोक की भागीदारी सीधे-सीधे रही है।

पारिस्थितिकी संतुलन के अंतर्गत जैव विविधता संरक्षण को प्राथमिकता दी जाती है। इसी के तहत राजस्थान में लोक परम्पराओं, विश्वास और संस्कृति से जुड़े पहलुओ में गोचर, ओरण और आगोर की परम्पराएं रही है। यह वह शब्द है जिनके तहत किसी वृच्छादित भूमि को गायों के चरने के लिए आरक्षित कर दिया जाता है और फिर इस भूमि पर कोई भी व्यक्ति किसी भी स्तर पर वृक्ष नहीं काट सकता। गोचर भूमि पर वृक्ष काटने की मनाही के साथ ही उसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं हो सकता। लोक से जुड़े विश्वास कुछ ऐसे रहे है ंकि यदि कोई व्यक्ति चोरी-छुपे यहां पर वृक्ष कटाई का कार्य करता है तो उस पर कोई विपदा आन पड़ती है। इसी तरह ओरण भूमि की बात है। किसी मंदिर या धर्म स्थल के आस-पास बड़े स्तर पर भूमि का आरक्षण कर दिया जाता है। इस भूमि पर कहीं कोई वृक्ष नहीं काटा जाता, पशु वध नहीं किया जाता। ओरण भूमि का मतलब ही है देवता की भूमि। देवता की भूमि है इसलिए वहां पर पशु-पक्षियों पर अत्याचार नहीं किया जा सकता। पेड़ में भी चूंकि हमारी संस्कृति में जीव का वास बताया गया है, उसकी कटाई पर रोक रहती है। पारिस्थितिकी संतुलन के अंतर्गत राजस्थान में जो इस तरह की सामाजिक परम्पराएं रही हैं, उनकी आवश्यकता आज देशभर के परिप्रेक्ष्य में हैं। लोक से जुड़ी संवेदना के संस्कारों का यदि व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाता है तो उसकी परिणति में जलवायु परिवर्तन के खतरों का प्रभावी रूप में सामना नहीं किया जा सकता बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति से सीधे तौर पर जोड़ा जा सकता है, जो कि आज की आवश्यकता भी है।

लोक संस्कृति के संस्कार कैसे जीवन को प्रभावित करते हैं, इस बात के गवाह है-राजस्थान के विश्नोई समुदाय के प्रकृति सिद्धान्त। विश्नोई समुदाय अपने देवता जाम्भोजी द्वारा प्रदत्त सिद्धान्तों पर चलता है। उनके सिद्धान्तों में पेड़ काटने, जीव-जंतुओं का शिकार करने आदि पर पूरी तरह से वर्जना है। राजस्थान में कहावत भी है, 'सिर साटे रूंख, तो भी सस्तो जाण' यानी सिर के बदले यदि पेड़ कटता है तो वह भी सस्ता ही है। पेड़ नहीं काटने देने की सजा के रूप में कभी यहां सैकड़ों लोगों ने अपनी जान की बाजी लगा दी थी। अमृता देवी विश्नोई का पेड़ काटने जब राजा के सिपाही आगे बढ़े तो वह पेड़ के चिपक गई और अपना बलिदान दे दिया परन्तु पेड़ नहीं काटने दिया। इसी प्रकार विश्नोई समुदाय वन्यजीवों के शिकार का भी विरोध करता है। विश्नोई समुदाय में हिरणों के शिकार को सख्ती से रोका गया है। इसी कारण से हिरणों की कई प्रजातियां अभी भी बची हुई है।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

घग्गर नदी में बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट

■ घग्गर नदी के जलस्तर की चौबीसों घंटे निगरानी, पानी की आवक को लेकर अधिकारी सतर्क

सूरतगढ़, (निसं)। यहां से सटी घग्गर नदी में बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। एक दिन पूर्व एसडीएम की बैठक के बाद विभिन्न विभागों के अधिकारी नाली बेड एरिया के बंधों और बहाव क्षेत्र का जायजा लेते नजर आए। स्वयं एसडीएम भरत जयप्रकाश मीणा ने तहसीलदार विनोद कड़वासरा के साथ रंगमहल गांव में पहुंचकर वर्ष 2023 में टूटे बंधे के स्थान का निरीक्षण कर सरपंच विजय सिंह ताखर से मौजूदा स्थिति की जानकारी ली, वहीं नई और पुरानी बारेकां के बंधों का भी निरीक्षण किया।

सरपंच ताखर ने बताया कि एक दिन पूर्व ही उन्होंने ग्रामीणों की सहायता से बंधे को मजबूत करवाने का काम शुरू किया है। ताकि पिछली बार जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े। वहीं, सब रजिस्ट्रार विनोद गोदारा ने आरसीपी कॉलोनी के बंधे, 45 एसटीजी और फार्म एरिया के बंधों सहित बहाव क्षेत्र का निरीक्षण कर फार्म अधिकारियों और पटवारी से मौका स्थिति की जानकारी ली। नगर पालिका ईओ पूजा शर्मा ने बएयरफोर्स रोड पर स्थित पुल पर 24 घंटे कर्मचारी तैनात करने के साथ ही आरसीपी कॉलोनी और अन्य स्थानों के बंधों पर सफाई कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई है। उधर, एयरफोर्स रोड के पुल की कमजोर हालत को देखते हुए पीडब्लूयूडी विभाग ने पानी के अधिक बहाव होने पर पुल का उपयोग न करने की चेतावनी के बोर्ड लगवा दिए हैं। वहीं, मंगलवार को भी पुलों के बीच और किनारे फंसी केळीयों को निकालने में पोकलेन मशीन जुटी रही, ताकि बहाव में किसी तरह की बाधा उत्पन्न ना हो। गिरदावर नरेंद्र बिश्नोई के मुताबिक पुलों से केळीयां हटाने के बाद बहाव तेज हो जाने से पीछे 45 एसटीजी इलाके में पानी का थोड़ा सा उतार देखा गया है। हालांकि, पिछले करीब एक सप्ताह से नाली बेड एरिया में एक समान 5000 क्यूसेक अपनी ही प्रवाहित हो रहा है। मगर पीछे हिमाचल, पंजाब और हरियाणा में लगातार सक्रिय मानसून और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सिरसा के ओटू हेड से राजस्थान में पानी छोड़े जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लिहाजा, प्रशासन पूरी तरह चौकसी बरत रहा है। यहां तक कि सावधानी के तौर पर एसडीआरएफ की टीम को भी सूरतगढ़ बुला लिया गया है।

गौरतलब है कि मानसून के लगातार सक्रिय रहने से घग्गर नदी में संभावित बाढ़ की आशंका के चलते उपखंड अधिकारी आईएएस भरत जयप्रकाश मीणा ने सोमवार शाम को उपखंड कार्यालय में जल संसाधन विभाग, घग्गर बाढ़ नियंत्रण खण्ड, केंद्रीय राज्य फॉर्म, विद्युत विभाग, पीडब्ल्यूडी, पंचायती राज, चिकित्सा, कृषि विभाग और नगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक कर फीडबैक लेते हुए उन्हें चौबीसों घण्टे सतर्क रहने के निर्देश दिए थे।

जल संसाधन विभाग पीलीबंगा खंड के सहायक अभियंता अजीत पचार ने शाम के समय बताया कि मंगलवार सुबह गुल्लाचिका हेड पर 42,954 क्यूसेक पानी की मात्रा दर्ज की गई। वहीं, ओटू हेड पर 17,500 क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी। इसी तरह नाली बेड एरिया में पहले की तरह ही 5000 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा है। मंगलवार शाम को लिए गए गेज के मुताबिक पीछे गुल्लाचिका हेड पर पानी की आवक बढ़कर 44,484 क्यूसेक हो गई है, ओटू हेड और नाली बेड एरिया में गेज यथावत रहा।

एईएन पचार ने बताया कि गुल्लाचिका हेड पर बढ़ा हुआ पानी करीब 3 दिन बाद ओटू हेड पर नजर आएगा, जहां से यह पानी राजस्थान में ही छोड़ा जाएगा। हालांकि, वर्तमान स्थिति के मुताबिक खतरे जैसी कोई बात नहीं है। फिर भी जिला प्रशासन के निर्देश पर विभागीय अधिकारी अलर्ट मोड पर है। जल संसाधन विभाग और घग्गर फ्लड से जुड़े अधिकारी लगातार पानी के बहाव की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

घटिया सामग्री से हुए सड़क निर्माण कार्य की बरसात में पोल खुली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले मुख्यालय से मांडल के रास्ते आसींद की ओर जाने वाला हाइवे लंबे अरसे के बाद पूर्ण हो पाया, अभी इस हाइवे एनएच 158डी पर वाहनों को आवाजाही को शुरू हुए वक्त भी नहीं बिता कि घटिया साम्रगी से हुए निर्माण की पोल बरसात में खुल गई।

हरिपुरा चौराहे के पास बनी सर्विस लाइन इन दिनों लोगों को जख्म दे रही है, क्योंकि इस पर पहले से गड्ढे हैं और अब बारिश के बाद जमा पानी और कीचड़ से और अधिक हालात खराब हो गए हैं। पहले गड्ढे दिख जाते थे, लेकिन अब कीचड़ और पानी की वजह से देख नहीं पाते हैं और दोपहिया हो या चौपहिया वाहन चालक यह आए दिन हादसे का शिकार होते हैं। ऐसा नहीं है कि आज यहां कोई इकलौता हादसा हुआ हो। यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। इतने वाहन हादसे का शिकार हो चुके है कि पास के मैकेनिकों के पास एलुमीनियन की कई सारी नंबर प्लेट इकट्ठा हो गई है। इन लोगों का कहना है कि टोल नाके पर टोल लेने के लिए सब आगे रहते हैं लेकिन कोई भी सड़क को सही नहीं करता है। सुविधा के नाम पर टोल राशि तो वसूली जा रही है, लेकिन सुविधा के अभाव के चलते ना सिर्फ छोटे-बड़े वाहन चालक बल्कि कीचड़, टूटी सड़क और हादसे के बाद लगने वाले जाम से हरिपुरा के लोग भी काफी परेशान हैं और टोल प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर हैं।

बारिश से सड़कों पर दरिया, कच्ची बस्तियों में घर-वाहन मिट्टी में दबे

जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ, गलताजी में फंसे 15-20 लोगों को रेस्क्यू टीम ने निकाला

- जयपुर परकोटे और आगरा रोड पर करीब 4 फीट तक पानी भरा, पानी के तेज बहाव में फंसी कई गाड़ियां

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। परकोटे समेत जयपुर की अधिकांश सड़कें दरिया में तब्दील होकर बहती नजर आयी। वहीं दिल्ली बायपास स्थित लाल डूंगरी इलाके में कच्ची बस्तियों और निचले इलाकों में पानी के तेज बहाव के साथ मिट्टी भी आई। इससे छोटी-छोटी झुग्गी झोपड़ियां और कुछ मकानों में मिट्टी भर गयी। यहां तक कि ऑटो रिक्शा और कार समेत कई वाहन भी मिट्टी में दब गए। लोग तेज बारिश और बहाव से बचने के लिए छतों पर चढ़ गए। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने स्तर पर ही घरों में घुसी मिट्टी को बाहर निकालने की कवायद शुरू की।

वहीं दूसरी ओर बारिश के दौरान गलता तीर्थ के पीछे करीब 15-20 लोग फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। चारदीवारी में घुटनों तक पानी भर गया, काले हनुमान जी मंदिर में भी पानी घुस गया। जवाहर नगर, राजापार्क जैसे इलाकों में बिजली गुल हो गई और करणी पैलेस रोड तालाब में तब्दील हो गई। जयसिंहपुर खोर के दीपक नगर में एक परिवार गहरे पानी में फंस गया। बारिश का पानी घर में घुस गया था। रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला। मोती डूंगरी रोड से लेकर नायला तक सड़कों पर करीब 4 से 5 फीट तक पानी भर गया। लोग कमर से ऊपर तक पानी में डूबे हुए नजर आए। सांगानेरी गेट पर स्थित काले हनुमानजी मंदिर में बारिश का पानी अंदर तक चला गया। भारी बारिश के बाद जयपुर में घाट की गुणी टनल के पास झरना बहने लगा। तेज बारिश के कारण शहर की अधिकांश सड़कों पर ट्रैफिक जाम लग गया। जहां दिनभर वाहन चालक रैंगते हुए आगे बढ़े। प्रदेश और जयपुर के सबसे बड़े एसएमएस हॉस्पिटल में भी बारिश का पानी घुस गया। तेज बारिश के बाद डीडीसी काउंटर 10, 11 और बिलिंग काउंटर के सामने पानी भरने से दवाइयां लेने और जांचों के बिल बनवाने के लिए आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जवाहर सर्किल पर भारी बरसात के बाद पानी भर गया। कुछ साल पहले जयपुर जेडीए ने यहां 1 किलोमीटर लंबी ड्रेनेज लाइन डालकर पानी निकासी की व्यवस्था की थी, लेकिन तेज बारिश में पानी की मात्रा अधिक होने के कारण यह लाइन भी ओवरफ्लो हो गई, जिसके चलते पानी सड़क पर ही जमा हो गया।

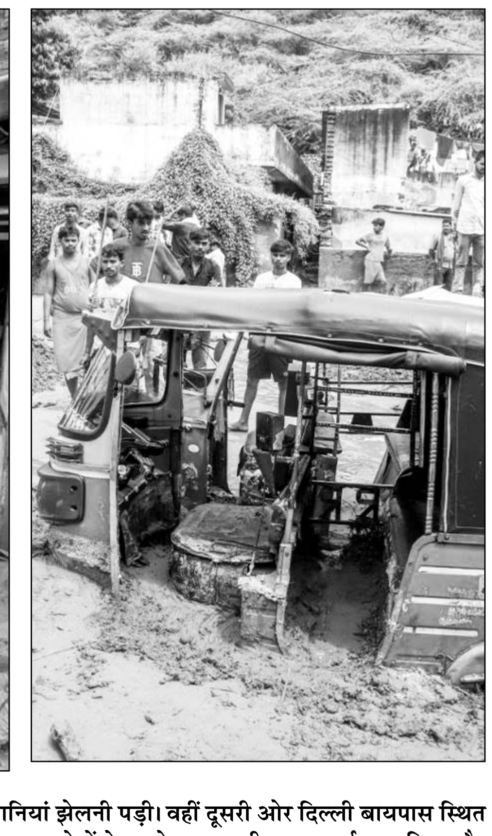

राजधानी जयपुर में बुधवार सुबह तेज बारिश के बाद शहर की सड़कों पर पानी भर गया। इस दौरान यहां से निकलने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। वहीं दूसरी ओर दिल्ली बायपास स्थित लाल डूंगरी इलाके में तेज बारिश के बाद मिट्टी बहकर लोगों के घरों में घुस गयी। यहां तक कि कई वाहन भी मिट्टी के अंदर ही धंस गए। बारिश थमने के बाद लोगों ने अपने स्तर पर ही राहत कार्य शुरू किए और घरों में घुसी मिट्टी बाहर निकालकर एक-दूसरे की मदद की।

फोटो-राष्ट्रदूत

स्मार्ट मीटर योजना पर हंगामा करने के बाद कांग्रेस ने किया वॉकआउट

- सदन के भीतर इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष में हुई तीखी नोकझोंक

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को लेकर बुधवार को विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस ने योजना में गड़बड़ी के आरोप लगाए और प्रश्नकाल के दौरान जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के सवाल के जवाब में ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला कांग्रेस सरकार ने ही किया था और टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ब्लैकलिस्टेड फर्म को टैंडर नहीं दिया गया है।

मंत्री नागर ने कहा, "स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत राज्यों की स्वेच्छा पर था। कांग्रेस सरकार ने 2023 में कैबिनेट सर्कुलर के जरिए इसे मंजूरी दी थी, लेकिन कैबिनेट की बैठक तक नहीं बुलाई गई थी।" इस पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर दिया।

वॉकआउट के बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने टिप्पणी करते हुए कहा, "स्मार्ट मीटर की योजना कांग्रेस सरकार के समय लागू हुई थी, तब तो ये कुछ नहीं बोले। अब सदन से भाग रहे हैं।" पटेल की टिप्पणी के बाद कांग्रेस विधायक दोबारा सदन में लौट आए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि "हम बहिर्गमन करके गए तो पीछे से चोरों की तरह बात करते हो। अगर हिम्मत है तो सामने कहो।"

जवाब में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, "हिम्मत नहीं है विधानसभा में फेस करने की।" इस पर जूली ने पलटवार करते हुए कहा, "विधानसभा का मजाक बना रखा है। सामने जवाब दो, दो साल से सरकार कैसे चल रही है, सब पता चल जाएगा।"

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत भी बहस में शामिल हुए और कहा, "कांग्रेस सरकार ने ही योजना लागू की थी, उस वक्त आप क्यों चुप थे?" इस पर जूली ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, "यह बेशर्मों की सरकार है।" स्मार्ट मीटर योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच हुई यह तीखी बहस अब राजनीतिक सरगर्मियों को और बढ़ा सकती है।

जेडीए ने 18 अवैध डुप्लेक्स सील किए

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम में 18 अवैध डुप्लेक्स मकानों की पुनः पुख्ता सीलिंग सील की।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन 6 स्थित नांगल जैसा बौहरा शंकर विहार प्रथम के भूखण्ड संख्या 05, 5ए, 06, 6ए, 07, 08, 09, 9ए, 10, 10ए, 11, 12, 17, 17ए, 18, 18ए, 19 व 20 में डूप्लेक्सों के अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को पूर्व में धारा 32-33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर सीलिंग की कार्यवाही की गई थी। इसके बावजूद बिल्डर ने भूखण्डों की सील तोडकर भू-स्वामी द्वारा पुनः अवैध निर्माण शुरू कर दिया। जैसे ही इसकी सूचना हमें मिली तो बुधवार को इन सभी 18 अवैध डुप्लेक्स मकानों के प्रवेश द्वार, खिडकियों में ईटों की दीवार चुनवाकर पुनः नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की।

प्रदेश की गली-सड़कों पर सरकार लगाएगी 2 लाख स्ट्रीट लाइट्स

जयपुर । प्रदेशवासियों को त्योहारी सीज़न से पहले बड़ी सौगात देते हुए राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों की रात्रिकालीन सुरक्षा, ऊर्जा बचत और बेहतर यातायात व्यवस्था के उद्देश्य से एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या दोगुनी कर दी है। रविवार को हुई मंत्रिपरिषद बैठक में बजट 2025-26 में प्रस्तावित 1 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या बढ़ाकर 2 लाख करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश की हर सड़क, हर मोहल्ला और हर बाजार रोशनी से जगमगाए। यह केवल रोशनी की व्यवस्था नहीं, बल्कि सुरक्षित और आधुनिक राजस्थान की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य की शुरुआत दीपावली से पूर्व की जाए, ताकि त्योहारी मौसम में प्रदेश की सड़कें उज्जवल और सुरक्षित दिखाई दें। राज्य की 312 नगरीय निकायों में लगातार बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय विस्तार को देखते हुए आधुनिक प्रकाश व्यवस्था को आवश्यक बताया गया है। इसी क्रम में पुरानी और कमजोर स्ट्रीट लाइटों को हटाकर नई एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। यह निर्णय नगरीय क्षेत्रों की सूरत बदलने के साथ ही नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और ऊर्जा-संवेदनशील वातावरण भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वायत्त शासन विभाग जल्द ही प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर इस कार्य को अमल में लाएगा। उल्लेखनीय है कि शहर चलो अभियान के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य की सभी नगरीय निकायों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने और बंद पड़ी लाइटों को चालू करने का कार्य किया जाएगा। नागरिकों की स्ट्रीट लाइट, पेयजल और सड़क से जुड़ी शिकायतों व सुझाव समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 भी जारी किया गया है।

सार-समाचार

'एमएसएमई सशक्त बना रही सरकार'

जयपुर (कासं)। राजस्थान सरकार एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए नीति सुधार, निवेश प्रोत्साहन और व्यापार करने में आसानी जैसे ठोस कदम उठा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य राज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को गति देना है। इस प्रकार के कॉन्फ्रेंस के आयोजनों से उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों, नीति निर्माताओं और उद्यिमयों को एक मंच पर लाकर सकारात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है। यह बात राजस्थान सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के जनरल मैनेजर, रेनो राज ने इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), राजस्थान स्टेट काउंसिल द्वारा जयपुर स्थित नोवोटेल में आयोजित कॉन्फ्रेंस राजस्थान एमएसएमई संवाद 2025 में कीनोट संबोधन के दौरान कही। यह कॉन्फ्रेंस रीइन्वेंटिंग एंड स्केलिंग अप एमएसएमईज़ इन राजस्थानः नैविगेटिंग टुवर्ड्स विकसित भारत थीम पर आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीसी राजस्थान स्टेट काउंसिल की चेयरपर्सन एवं जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल्स की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल द्वारा स्वागत संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने राजस्थान की अर्थव्यवस्था के भविष्य के निर्माण में एमएसएमई के लिए इनोवेशन और रेजिलिएंस की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस बस और ट्रक में जोरदार भिड़ंत

जयपुर । दौसा जिले में स्थित सदर थाना इलाके के कालाखों गांव के समीप बुधवार को पुलिस बस को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी बस की केबिन पूरी तरह से क्षितग्रस्त हो गई। हादसे में बस में बैठे हार्डकोर बदमाश सहित सात पुलिस कर्मी बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर लम्बा जाम लग गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से पुलिसकर्मी और हार्डकोर बदमाश को बस से बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से सिकंदरा के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस बस बीकानेर से धौलपुर की ओर जा रहीं थी। पुलिस बस में कुख्यात हार्डकोर बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का भी सवार था। बताया जा रहा है कि पुलिस बस में हादसे के दौरान सात पुलिकर्मी और हार्डकोर बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का भी मौजूद था । जिसे पुलिस बीकानेर से गिरफ्तार कर धौलपुर लेकर जा रहीं थी। इस हादसे में एएसआई ,एक कमांडो और बस ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हो गए। खबर लिखे जाने तक तीनों की हालत गंभीर बताई जा रहीं है। जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इस हादसे में कुख्यात बदमाश धर्मेंद उर्फ लुक्का को मामूली चोट आई है। पुलिस बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत की सूचना मिलते ही सदर थाना एएसआई भीखाराम जाब्ता लेकर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरु कर ग्रामीणों की मदद से सभी घायल पुलिसकर्मियों ओर कुख्यात बदमाश को सिकंदरा स्थित अस्पताल भिजवाया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। जायजा लेने के बाद रवि प्रकाश ने बताया कि घटना के सहीं कारणों की उचित जांच की जाएगी।

प्रिंसिपल-टीचर्स अवार्ड समारोह 6 को

जयपुर । थार सर्वोदय संस्थान , सिम्पली जयपुर और रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के तत्वाधान में शिक्षकों के सम्मान में प्रिंसीपल्स एंड टीचर्स अवार्ड 2025 के चौदहवां संस्करण का आयोजन शनिवार 6 सितम्बर को शाम 5 बजे से रंगायन जवाहर कला केंद्र में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक थार सर्वोदय संस्थान की ट्रस्टी अंशु हर्ष एवं रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी सुधीर माथुर ने बताया कि " इस वर्ष कुछ ऐसे शिक्षकों का सम्मान भी करा जायेगा, जिन्होंने अपना जीवन नयी पीढ़ी को ज्ञान देने मे समर्पित किया। माला माथुर मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन एजुकेशन" शिक्षा के क्षेत्र में कड़ी मेहनत और उपलब्धि का सम्मान है।इस वर्ग में 6 लोगो को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन एजुकेशन से सम्मान किया जायेगा। इस केटेगरी में प्रोफेसर एन. डी. माथुर , डॉ. कान्ता आहूजा, प्रोफेसर सुधा राय, प्रो. मिनी नंदा, पिंकी सिंह, डॉ. अजीत कुमार जैन का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मान किया जाएगा। आयोजक सोमेंद्र हर्ष ने बताया कि इस वर्ष के सम्मान समारोह में राजस्थान के जयपुर के अलावा जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर, सिरोही, पाली और जालोर से लगभग 43 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली, लखनऊ, गुजरात और जम्मू-कश्मीर से लगभग 37 शिक्षकों को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार प्री-स्कूल, सरकारी एवं निजी विद्यालय, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षिणक संस्थानों की विभिन्न श्रेणियों से 164 शिक्षकों को प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवार्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा।"

छात्रसंघ चुनाव पर सुनवाई 15 को

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में शैक्षिणक सत्र 2025-26 के चुनाव कराने के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई 15 सितंबर तक टाल दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व दो अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि जय राव की याचिका में राज्य सरकार ने अपना जवाब पेश कर दिया है। जिसमें कहा गया कि इस सत्र में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं वहीं विवि प्रशासन का भी जवाब आ गया है। वहीं इस याचिका के साथ दो अन्य याचिकाएं भी सूचीबद्ध हैं। इन दोनों याचिकाओं में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जवाब के लिए 15 सितंबर तक का समय दिया है। गौरतलब है कि गत दिनों राज्य सरकार और विवि प्रशासन ने जवाब पेश कर छात्र हित में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के निर्णय के आधारों को लेकर अदालत में विस्तृत जवाब पेश किया है।

डॉ. सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन समिति की रिपोर्ट अब बजट सत्र में पेश होगी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । आरएलडी विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन समिति की रिपोर्ट अब आगामी बजट सत्र में पेश की जाएगी।

समिति के सभापति केशाराम चौधरी ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट सत्र के पहले सप्ताह तक का समय मांगा, जिसे सदन ने स्वीकृति दे दी है। गौरतलब है कि 4 फरवरी को भरतपुर में लोहागढ़ फोर्ट के निवासियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा नोटिस और धमकी देने का मुद्दा डॉ. सुभाष गर्ग ने विधानसभा में उठाया था। इस पर सत्ता पक्ष ने आरोप लगाया था कि गर्ग ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया, जिससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंची। इसके चलते उन्हें विशेषाधिकार हनन समिति के समक्ष पेश किया गया। अब समिति की रिपोर्ट बजट सत्र के पहले सप्ताह में सदन के पटल पर रखी जाएगी। इस रिपोर्ट को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि यह मामला सत्ता और विपक्ष के बीच तीखे टकराव का कारण बन चुका है। विशेषाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोपों में आगे क्या रुख लिया जाएगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

मंटो की कहानी पर नाटक प्रस्तुति आज

जयपुर । अर्जुन नाट्य संस्था द्वारा प्रस्तुत, महान लेखक सआदत हसन मंटो की प्रसिद्ध कहानी पर आधारित नाटक"काली सलवार" पवन सोनी के निर्देशन में रविंद्र मंच के मिनी सभागार में 4 सितंबर को शाम 6:30 बजे खेला जाएगा। यह नाटक सुल्ताना नामक एक यौनकर्मी की कहानी को बयाँ करता है, जो उसकी एक काली सलवार पहनने की गहरी इच्छा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे वह अपनी आर्थिक तंगी के कारण ख़ुद नहीं ख़रीद पाती। नाटक यौनकर्मियों की उन आकांक्षाओं, सपनों और इच्छाओं को भी दर्शाता है जो हर आम महिला की तरह उनके भीतर भी जन्म लेती है पर उनकी इन बातों को समाज तवज्जोह नहीं देता।

कोचिंग इंडस्ट्री की चिंता तो कर रहे हो, बच्चों की चिंता कौन करेगा?

जयपुर (विसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी ने कहा कि हजारों करोड़ की कोटा कोचिंग इंडस्ट्री की हर कोई चिंता रहा है। कोई बच्चों को ईमानदारी से नहीं बता रहा कि तुम कोचिंग से जीवन खराब कर रहे हो, वहां सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने सदन में सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि, कोचिंग इंडस्ट्री का संरक्षण तो आप कर रहे हो, लोकसभा में कुर्सी पर बैठने वाले कर रहे हैं, लेकिन बच्चों का कौन ध्यान रखेगा? हमें आमूलचूल बदलाव करना होगा। इस बिल से राजस्थान को न्याय नहीं मिलेगा। बड़े लोगों को न्याय मिलेगा। साढ़े 12 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़ की कोचिंग इंडस्ट्री का संरक्षण तो हर कोई कर रहा है, इस राजस्थान को बचा लो। इतिहास लिखा जाएगा तो हम सबकी गिनती राजस्थान को खत्म करने वालों में आएगी, इस राजस्थान के बचा लो।

पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि, कोचिंग रेगुलेशन बिल अफसरशाही को बढ़ाने वाला है। है। कोचिंग पर रेगुलेशन के लिए जिला और राज्य स्तर पर समिति बनाने का प्रावधान है। इस समिति में अफसरों को मेंबर बनाया है। इससे अफसरशाही बढ़ेगी, इस बिल से बच्चों की आत्महत्याएं कैसे रुकेंगी, इसका ठोस प्रावधान नहीं है। बच्चों की आत्महत्याएं रोकने का मकसद इस बिल से पूरा नहीं हो रहा है।

निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा- कोचिंग पर जुर्माना कम करके अप्रत्यक्ष लाभ दे रहे हो। आपने फीस स्ट्रक्चर पर कोई बात नहीं की। फीस पर बैरियर होना चाहिए। फीस के नाम पर चारों तरफ लूट मची हुई है। फीस पर कोई कंट्रोल नहीं है। फीस कंट्रोल करने के लिए इस बिल में कोई प्रावधान नहीं है। इस बिल का मकसद ही पूरा नहीं हो रहा। बिल का उद्देश्य खत्म हो चुका है। पिछले दिनों एक वीडियो चला, जब एक कोचिंग से एक बच्ची कूदने वाली थी, टीचर्स ने उसे बचाया।

रस्सी से गला घोंटकर युवक को मौत के घाट उतारने वाला हत्यारा गिरफ्तार

- हत्या कर शव को झाडियों में फेंककर आरोपी हुआ था फरार
- पैसे के लेन-देन को लेकर किया था मर्डर

जयपुर (कासं)। खोह-नागोरियान थाना पुलिस ने गत 28 अगस्त को हुई युवक की हत्या का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी और उसके अन्य साथियों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि परिवादी जगदीश प्रसाद मीणा ने मामला दर्ज कराया था कि मेरा दामाद जगदीश नारायण पुत्र किशन सहाय 27 अगस्त को विजेंद्र बसवाल पुत्र लाल चंद घाटी करोलन ,बालाजी मंदिर के पास आया था। मेरा दामाद विजेंद्र के साथ बैक से नीलामी की पुरानी गाड़ी खरीदने - बेचने का काम करता था। विजेंद्र ने जगदीश नारायण के कई गाड़ियों के एडवांस पैसे भी ले रखे थे। दोनो के बीच करीब 25- 30 लाख रुपए का हिसाब था। विजेंद्र ना तो पैसे वापस लौटा रहा था। नहीं ही गाड़ियां दे रहा था।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी सहायत व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए हत्या के मुख्य आरोपी विजेंद्र बसवाल (35) पुत्र

आरोपी विजेंद्र बसवाल

लालचंद बसवाल,घाटी करोलान ,बालाजी मंदिर, जगतपुरा ,खोह नागोरियान को गिरफ्तार कर लिया

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मुख्य आरोपी विजेंद्र बसवाल ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर जगदीश नारायण मीणा को मौत के घाट उतारने की प्लानिंग बनाई ओर 27 अगस्त को जगदीश नारायण को मिलने के लिए बुलाया।

जिसके बाद आरोपी ने अपनी बलेना गाडी में जगदीश नारायण को कंडेक्टर साईड में बैठाया और कार अपने साथी को चलाने के लिए दे दी। विजेंद्र गाडी की पीछे वाली सीट पर बैठ गया ।

जैसे ही गाडी थोड़ा से आगे गई वैसे ही रस्सी से विजेंद्र ने जगदीश नारायण का गला घोट दिया और उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपी जगदीश की लाश को आगरा रोड़ स्थित जेडीए पार्क में झाड़ियों में डाल दिया। जिसके बाद शातिर बदमाशों ने मृतक की मोटरसाईकिल,मोबाइल फोन,रस्सी को ठिकाने लगाया।

12 मंडी समितियों में 43.87 करोड़ रु.के विकास कार्य होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । किसानों के हित में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने कृषि उपज मंडी समितियों में सुविधाओं के विस्तार के लिए लगभग 43 करोड़ 87 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। इस राशि से प्रदेश की 12 मंडी समितियों में विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वीकृति के बाद सोजत सिटी, चौहटन, डीडवाना, जैतारण, बडी सादड़ी, डग, अजमेर (फल-सब्जी), बालोतरा, केशोरायपाटन, हिण्डौन सिटी, भगत की कोठी और अजमेर (अनाज) कृषि उपज मंडी समितियों में यह राशि व्यय की जाएगी।

लगभग 43.87 करोड़ रुपये की यह राशि मंडी विकास निधि से आगामी तीन वर्षों में खर्च की जाएगी। सरकार ने मंडी परिसरों के अधोसंरचना विकास के तहत झालरापाटन, जालोर, सीकर, बीकानेर (अनाज), जयपुर (अनाज), मुहाना, जयपुर (फल-सब्जी), पूगल रोड (अनाज), बीकानेर और मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) की मंडी समितियों के लिए लगभग 25 करोड़ 95 लाख रुपये भी स्वीकृत किए हैं। इस राशि से विद्युत संबंधी कार्यों के साथ-साथ मंडी यार्ड और संपर्क सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

पूर्ववर्ती सरकार ने स्वीकार किया, इसलिए प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर : ऊर्जा मंत्री

जयपुर (विसं)। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने विधानसभा में बुधवार को कहा कि प्रदेश में फिलहाल आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इस योजना की क्रियान्विति की प्रक्रिया 21 मार्च 2022 को पूर्ववर्ती सरकार के समय कैबिनेट के अनुमोदन के साथ शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के टेंडर आमंत्रित करने का काम भी पूर्ववर्ती सरकार के समय ही प्रारंभ हुआ। हमारी सरकार ने तो इस योजना को आगे बढ़ाने का काम किया है। नागर प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों पर जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय ही स्मार्ट मीटर के 10 पैकेजों के टेंडर 16 जनवरी, 2023 को आमंत्रित किए गए थे। स्मार्ट मीटर कोई थोपी हुई योजना नहीं है। देश में जिन राज्यों ने इसे स्वीकार नहीं किया वहां स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा रहे। यदि पूर्ववर्ती सरकार नहीं चाहती तो इसे कैबिनेट से स्वीकार नही करती और प्रदेश में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा सकते थे। नागर ने कहा कि आरडीएसएस योजना के तहत राज्य को मिलने वाली अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने के काम को गति दी गई। उन्होंने कहा योजना की गाइडलाइन में स्पष्ट है कि जब तक 25 प्रतिशत सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर नहीं लगेंगे तब तक अनुदान राशि प्राप्त नहीं होगी। यह अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए हमने इस गाइडलाइन का पालन करते हुए तेजी से काम किया और प्रदेश के 25 प्रतिशत सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने में सफलता हासिल की। नागर ने कहा कि नए कनेक्शन पर पुराने इलेक्ट्रॉनिक मीटर भी लगाने की संशोधित गाइडलाइन इसलिए जारी की गई क्योंकि जले हुए खराब मीटरों तथा नए कनेक्शन के लिए मीटर की पेंडेंसी बढ़ गई थी। संवेदक द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का काम धीमी गति से किया जा रहा था। इसलिए हमने जनहित में संशोधित गाइडलाइन जारी की। जिसके जरिए निर्णय किया कि स्मार्ट मीटर की बजाय सामान्य मीटर से भी नए कनेक्शन करेंगे ताकि जनता को नए कनेक्शन में देरी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए कनेक्शनों तथा जले हुए मीटर के स्थान पर सामान्य मीटर लगाने का काम तात्कालिक है। जैसे ही पर्याप्त उपलब्धता होगी इन कनेक्शनों पर भी स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

National Wildlife Day - Celebrating Nature's Rich Heritage

Observed on September 4, National Wildlife Day is a reminder of the planet's incredible biodiversity and the urgent need to protect it. The day honours conservationists and organisations working to safeguard endangered species, preserve habitats, and restore ecological balance. It also encourages individuals to reconnect with nature, whether by visiting sanctuaries, supporting wildlife charities, or learning about species at risk. In a world facing deforestation, climate change, and habitat loss, National Wildlife Day is both a celebration and a call to action. By valuing and protecting wildlife, we ensure that future generations inherit a planet as rich, diverse, and alive as the one we enjoy today.

#HISTORY

Lord Krishna on a Greek Coin?

"The oldest image of Krishna? Not from a temple, but from a Greek king's coin in Afghanistan."

Balarama-Sankarshana with attributes consisting of the Gada mace and the plow, and Vasudeva-Krishna with the Vishnu attributes of the Shankha and the Sudarshana Chakra wheel.

It sounds almost unbelievable, but it's true. Long before Indian artists chiseled Krishna's form into temple walls or painted his stories in miniature art, a Greek king, ruling parts of present-day Afghanistan and Pakistan, minted coins bearing the image of Lord Krishna. This isn't mythology. It's history, and it proves something incredible: our gods were going global before the world even knew who they were.

180 BCE: When Cultures Collided

During the 2nd century BCE, the region of Gandhara (modern-day Afghanistan and northern Pakistan) was a melting pot of cultures, Greek, Persian, Indian, Central Asian, fused through centuries of migration and conquest.

After Alexander the Great's campaigns into the Indian subcontinent, many Greek settlers remained and formed what historians now call the Indo-Greek kingdoms. One of the most famous rulers of this era was King Agathocles of Bactria, who reigned around 180 BCE.

And it was this king, a foreigner by blood but immersed in the cultures of the land he ruled, who struck the world's oldest known images of Krishna and Balarama onto silver coins.

Krishna and Balarama on Ancient Coins

These rare coins feature two distinctive figures:

- Balarama (Baladeva), holding his classic attributes: a plough and a mace.
- Krishna (Vasudeva), holding a chakra (discus) and a shankha (conch shell), symbols still central to his worship today.

The coins are inscribed in Brahmi script, identifying the deities, and also feature Greek inscriptions, merging East and West in the most tangible way.

This was not just political savvy, it was spiritual synthesis. Greek kings were adopting and honouring Indian deities, not just as foreign gods, but as part of their ruling identity.

Before the Temples, There Were Coins

What's astonishing is that these coins predate the earliest known Krishna temples by centuries. While textual worship of Krishna as Vasudeva appears in the Mahabharata and Bhagavad Gita, visual depictions of Krishna are surprisingly rare in ancient Indian art until the Gupta period (circa 4th century CE). This means the oldest surviving image of Krishna isn't carved in stone at Mathura or painted on a palace wall, it's etched into silver, commissioned by a Greek king in ancient Afghanistan.

What Does This Mean for Indian History?

This discovery challenges simplistic narratives of Indian religious history. It shows us:

1. Hindu deities had cross-cultural influence far earlier than previously believed.
2. Krishna and Balarama were not only revered as mythological figures but were seen as divine heroes worthy of worship and royal recognition, even beyond India.
3. Ancient India wasn't isolated, it was deeply connected to a broader, more global world, rich with exchange in ideas, beliefs, and iconography.

Why This Still Matters

In a world that often treats ancient India and its spiritual traditions as isolated or mystical, stories like this reclaim our place in global history. They show that Indian culture wasn't just regional, it was resonant, even in a time when globalism, as we know it, didn't exist. And perhaps, most importantly, it tells us that when you dig deeper, history hits different.

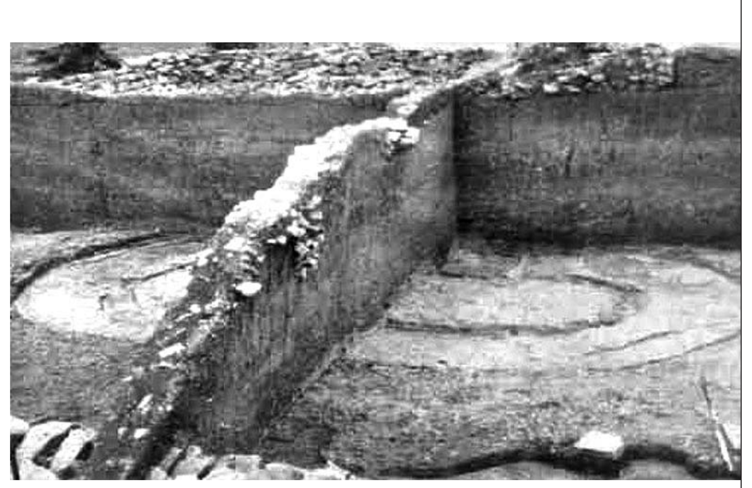

Believed to be the oldest Hindu temple ever found archaeologically.

Land Is A Major Factor In The Indo-Pacific

From a security perspective, some notions give rise to an impression that the Indo-Pacific is a maritime dimension and the prevailing security imperative dictates focussing on the maritime space and that the land dimension is less relevant. Landforms are important. The fact that, humans live on land, governments act from land, and wars are predominantly fought on and for land, suggests that the land factor is an important driver in the maritime dimension. The question then is, how does the land factor impact our thinking on the maritime dimension and a State's policy choices on security.

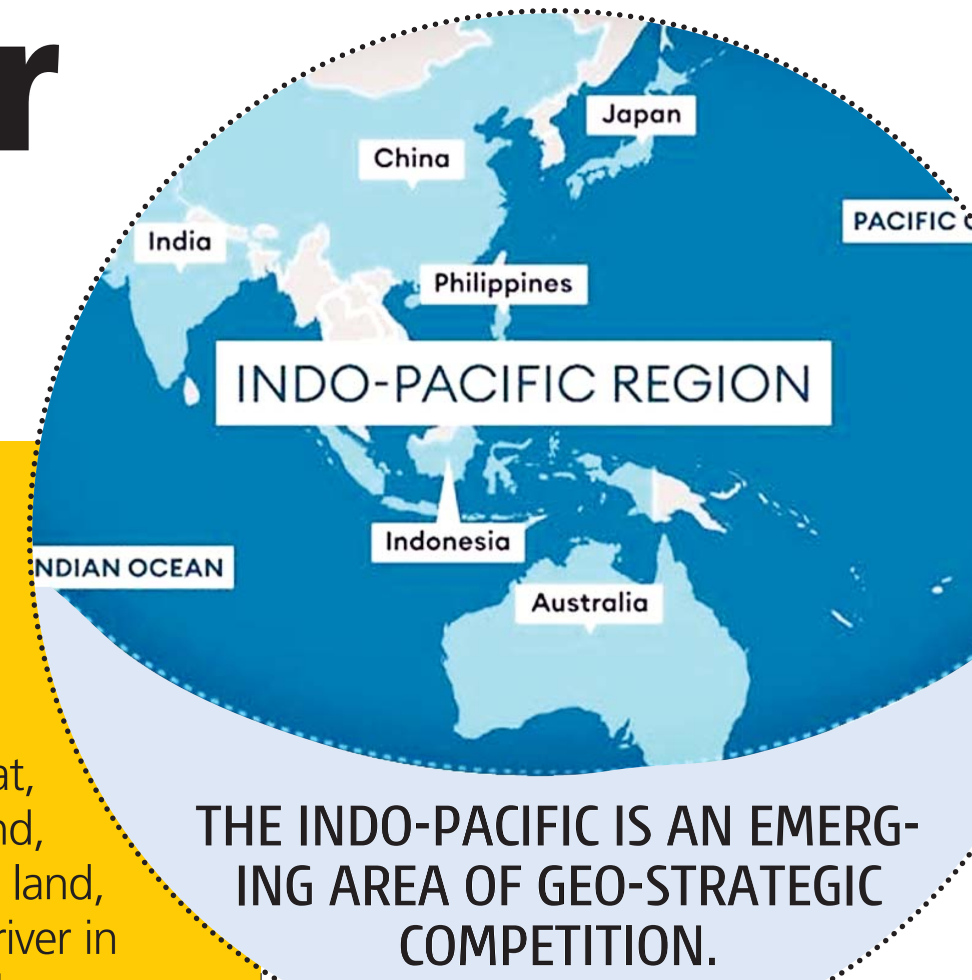

Lt Gen Harinder Singh
PVSM, AVSM, YSM, SM, VSM (Retd)

The Indo-Pacific is an emerging area of geo-strategic competition. Characterised by the rise of China, it is forcing countries in the region to choose sides. With a few States aligning with China, and a good number hedging their bets, there are others seeking to counter its rise in the region. This has given rise to competing impulses of rivalry in the Indo-Pacific, with each actor trying to maximize its position in the region.

Strategically speaking, what matters most in the region is the maritime space, spanning the West coast of the Americas to the East coast of Africa. Approximately, 8000×8000 km in geographic spread, this region is home to about 36 countries encompassing two-thirds of the world economy. With recurring skirmishes in the Western Pacific, a repeated show of force to capitulate Taiwan, and aggression in the high Himalayas, the region is witnessing a rapidly changing security environment with increased risks of escalation.

#WAR-N-STRIFE

Competing Notions

Two notions dominate the Indo-Pacific debate. First that the Indo-Pacific region is one geo-strategic space, where like-minded countries collaborate to deal with China's rise and its assertive behaviour. Led by the US, it calls for strong alliances and partnerships to build regional capacity, on matters of trade, technology and interoperability. This has led to strengthening of old and new frameworks, including the QUAD and the AUKUS. While these mechanisms have gained some traction, they do not evoke sufficient mutual trust to allow full acceptance of the idea of the Indo-Pacific region as a cogent and coherent security construct.

Consequentially, there are those who question this trans-oceanic identity. They argue that, the two oceans, while contiguous to each other, are distinct in their strategic orientation. Whether it is their maritime geographies, past histories of conflict, or security contexts, they are different. For instance, the Western Pacific is ridden with military competition, while the Indian Ocean is more pacific. The Pacific Ocean has developed a distinct identity, while the IOR is yet to find an enduring identity for itself. Therefore, the two oceans are distinct strategic spaces and should be dealt with as such.

From a security perspective, these notions give rise to an impression that the Indo-Pacific is a maritime dimension and the prevailing security imperative dictates focussing on the maritime space and that the land dimension is less relevant. Landforms are important. The fact that, humans live on land, governments act from land, and wars are predominantly fought on and for land, suggests that the land factor is an important driver in the maritime dimension. The question then is, how does the land factor impact our thinking on the maritime dimension and a State's policy choices on security.

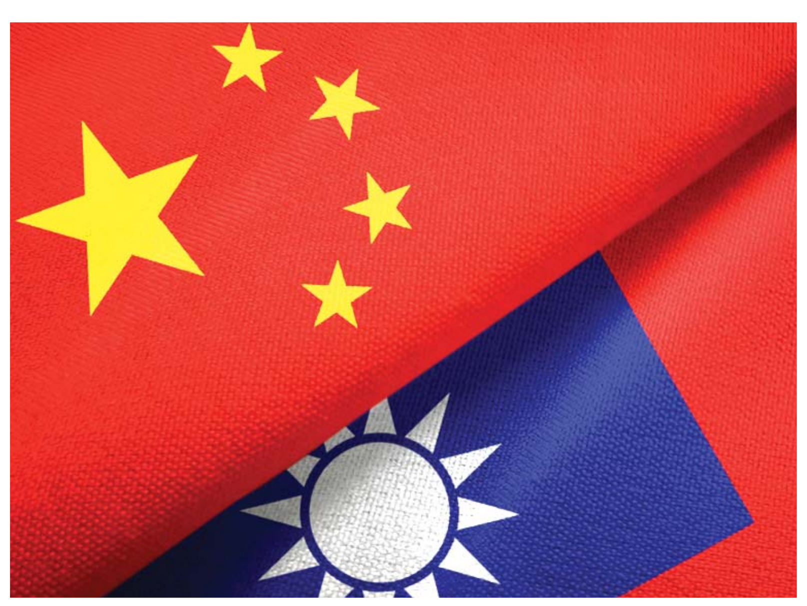

The Continental Context

While this debate is unending, it might be useful to analyse how the land contexts shape the maritime orientation of the States, their political leaders, policy-makers and military practitioners. As a case in point, the history of the maritime security is rooted in countering piracy, illicit fishing, migration, smuggling and blue crimes, whose origins are as a consequence to social dynamics on land. Breakdown in the rules of the sea, like the Nordstream attack, is an incisive example of land wars spilling over to the maritime domain.

Two factors explain this context. First, the shape and size of the countries dictate their strategic orientation. Whether these States are peninsular, coastal, or landlocked, these contexts demand a 360-degree orientation in terms of security of their land borders, festering internal security issues and the maritime dimension, in that order. The larger the land context, the stronger the propensity to de-prioritise its maritime concerns. For instance, India, Thailand, Vietnam and South Korea, with contested land borders, have little choice but to prioritise their land forces over building their naval capacity.

Secondly, in the case of island territories, while they also demand a 360-degree orientation, their priorities are somewhat different. For countries like Malaysia, Indonesia, Philippines, Australia and Japan faced with sea-based threats, securing their territorial waters, internal waterways, port and allied infrastructure and coastal defence are the key priorities. Such States are likely to prioritise maritime security over the land components. Taiwan is a peculiar case, where its proximity to the Chinese mainland, forces it to adopt a strong coastal and air defence posture over traditional platforms of maritime security.

There is yet another aspect. The land-based military components provide the foundational capabilities of scope and scale much larger than the air or maritime components. The sheer nature of their organising and operating principles enables conduct of large-scale operations to counter the aggression by a powerful adversary like China and be in a position to consolidate gains made by the naval and air forces. Suffice to say that land war-fighting components are central to a State's capability to deter and defend its vital interests on land and at sea.

It is therefore no surprise that land armies make up nearly 68 per cent of the military forces in the Indo-Pacific. For instance, 85 per cent of India's armed forces are committed towards its land borders. Indonesia is pegged at 75 per cent, Philippines at 70 per cent and Japan has committed approximately 65 per cent to land war-fighting requirements. Any continental drawdown of land forces can come at a huge cost. As a case in point, India cannot afford to be weak in the Himalayas at the cost of being strong at sea.

India's Balancing Act

In India's case, it can be argued that its maritime security is rooted in the continental context. Therefore, India's maritime security agenda will have to balance out the competing interests on land and at sea. Balancing the two is important and the policy challenge is that they should not come at the cost of each other. More so when, China's bellicosity towards India along its land borders and in the Indian ocean region is likely to manifest in different time windows.

As of now, India spends 14-17 per cent of its defence budget on its navy, while there is a strong case to build a capable navy, at least for the IOR, if not for the whole of the Indo-Pacific region. The question of patrolling the near or far seas, or our and their oceans, arises out of these policy and budgeting dilemmas. In any case, the Indo-Pacific is 'Pacific-heavy,' where the possibility of India being prodded into a confrontation with China is high and best avoided.

Three aspects are pertinent. First, it is important to ascertain as to how large and wide India's oceanic identity and interests are in the region. Do they weigh more westwards towards the Gulf region, or eastwards towards the Malacca, and to what extent into the Pacific Ocean? This will help us frame our maritime security agenda more precisely, rather than trying to be all over the Indo-Pacific region.

Next, how does the Indian State break away from its continental outlook to a maritime context? Would that be feasible in the near future? How can we create the policy environment to prioritise the maritime contexts in the future? This might well not be possible until China and India find a satisfactory mechanism to settle the border. And finally, India will have to tailor its strengths and vulnerabilities at sea, without over-polarising the oceanic space it aspires to secure. The acute congestion of military actors in the Western Pacific, resulting in frequent skirmishes at sea, is an instructive case in point.

Suffice to say that getting swayed by extra-regional partners is tempting but not prudent, given our tight military capacities and associated economics. With just consolidating what is our primary area of influence/interest in the Indian ocean region, it might make more sense.

Lieutenant General Harinder Singh, PVSM, AVSM, YSM, SM, VSM (Retd) commanded 14 Corps during the Galwan stand off and retired as the Commandant of the Indian Miliatry Academy. He has also been the Director General of Military Intelligence. He commanded a Division in North Kashmir and has led the UN Multi-National Brigade in Eastern Congo. He is a prolific and deeply respected writer on matters of defence and security strategy.

rajeshsharma1049@gmail.com

#RAGA BHAIRAV

The Roar of Divinity and Discipline

Bhairav is deeply Indian in origin, interestingly, its scale structure closely resembles that of certain *maqams* in Arabic and Persian music

In the sacred corridors of Indian classical music, there are ragas that soothe, others that celebrate, and a few that command reverence. Among them stands Raga Bhairav, stoic, commanding, and profoundly spiritual. It is not merely a melodic entity; it is an invocation, an act of surrender, and a mirror to the divine. Rooted deeply in both mythology and discipline, Raga Bhairav occupies a central place in the spiritual soundscape of India, and its echoes continue to travel through time, space, and even genre.

Born of Shiva, Forged in Silence

The origins of Raga Bhairav are as mythical as they are musical. Named after Bhairava, a fierce and ascetic form of Lord Shiva, this raga is believed by many to have originated from Shiva himself, the cosmic dancer, destroyer of ignorance, and guardian of sacred time. In Hindu tradition, Bhairava is the form of Shiva who annihilates ego and clears the path to truth. Fittingly, Raga Bhairav is imbued with that same energy, disciplined, intense, and piercingly introspective.

It is traditionally performed during the Brahma Muhurta, the hour and a half before sunrise, when the air is still, the mind is quiet, and the world is closest to the divine. In this moment, Raga Bhairav doesn't just fill the air, it transforms it. The listener, if attentive, doesn't merely hear Bhairav, they enter it.

From Temples to Tech: Bhairav in Modern Culture

In the late 20th century, something remarkable happened. As Indian classical musicians began collaborating globally, the unique soundscape of Raga Bhairav started creeping into genres like jazz, ambient, film scores, and even video games.

Moreover, Indian film composers like R.D. Burman, Ilaiyaraaja, and A.R. Rahman have subtly woven Bhairav into background scores and songs, blending classical gravity with cinematic emotion.

The Anatomy of Awe

Musically, Bhairav is built upon a scale that uses two flattened notes, komal Rishabh (Re) and komal Dhaivat (Dha), which give it a sense of solemnity and gravitas. Unlike romantic or playful ragas, Bhairav is austere. The way these notes are approached, with slow, deliberate oscillations, creates an atmosphere that feels both meditative and stern.

Yet, within that discipline lies majesty. When performed with mastery, Raga Bhairav is neither sad nor angry, it is wise. It doesn't pull at emotions but elevates consciousness. It is not a cry of the heart; it is the stillness of the soul.

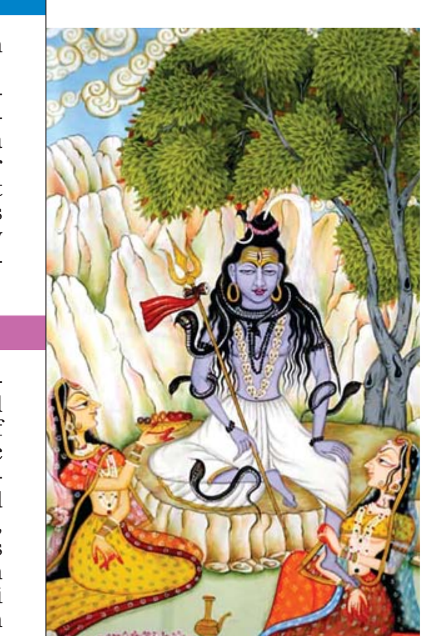

A Global Journey Through Sacred Sound

While Bhairav is deeply Indian in origin, its resonances have not remained confined to the subcontinent. Interestingly, its scale structure closely resembles that of certain maqams in Arabic and Persian music, such as Maqam Saba or Maqam Hijaz, which also employ similar flattened intervals to evoke solemn or devotional moods.

This overlap is not coincidence. It speaks to the shared emotional language of ancient cultures, how music is served as a spiritual conduit in temples, mosques, and courts alike. Over centuries, these cross-cultural echoes have kept Bhairav alive in unexpected places, from Sufi qawwalis to Middle Eastern oud improvisations.

A Test of the Artist

For the performer, Bhairav is not just a raga, it's a test. It demands more than technical skill; it requires spiritual depth and inner stillness. The artist must internalize the raga's weight and then channel it through voice or instrument with devotion. Many greats, from Pandit Bhimsen Joshi and Ustad Amir Khan to Ustad Vilayat Khan and Pandit Ravi Shankar, have explored Bhairav with reverence, each interpretation like a unique prayer.

THE WALL

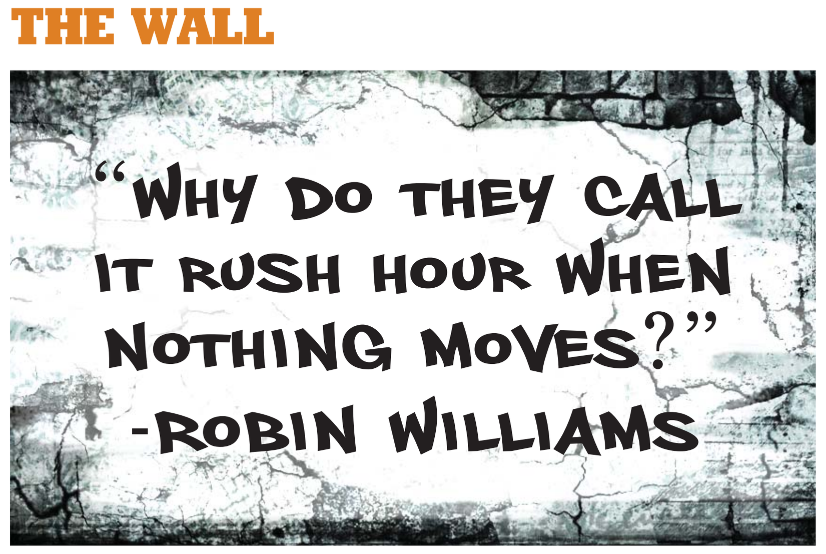

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

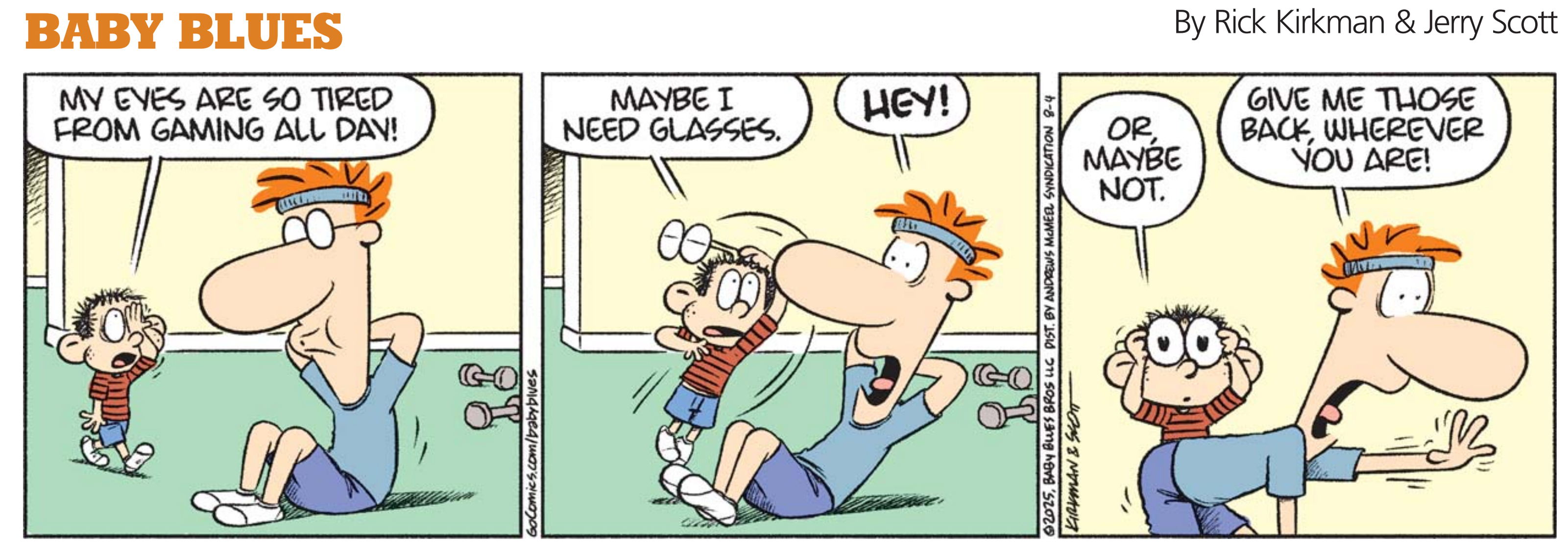

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

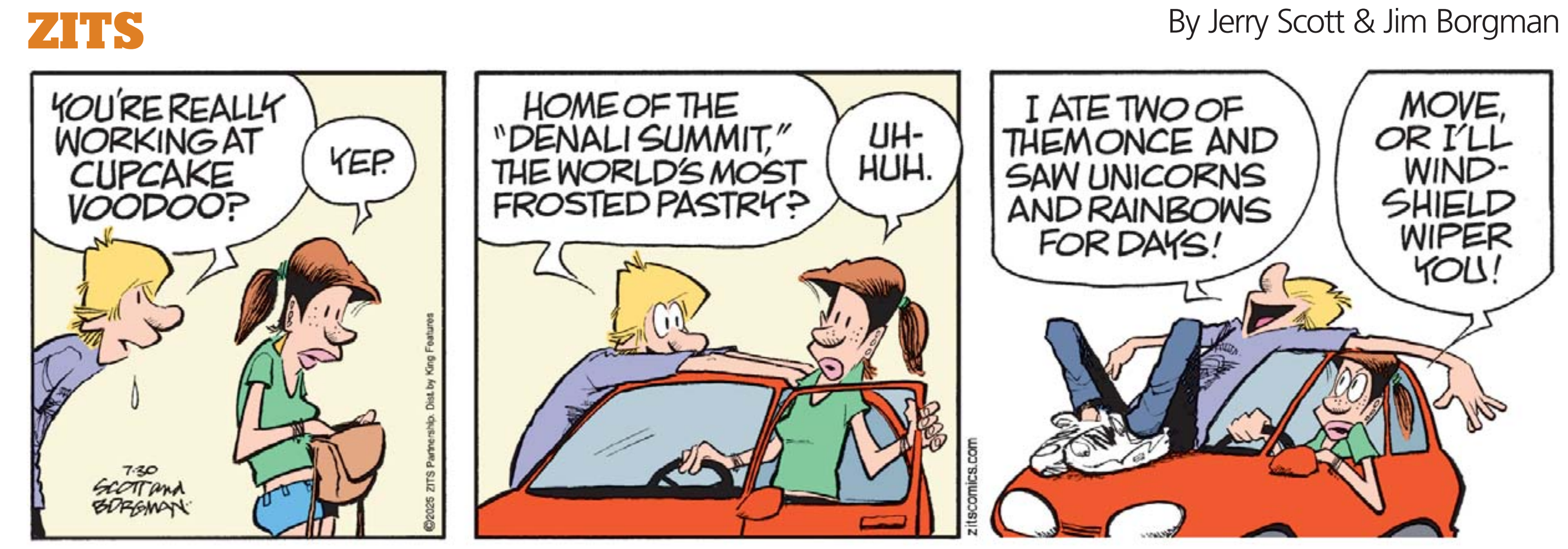

डी.जे. व मशीनों की चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, दो जने गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की हुई चार डीजे व मशीनें बरामद की

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा थाना पुलिस ने डीजे व मशीनों की चोरी करने वाले अंतर जिला गिरोह के मुख्य सरगना सहित दो लोगों को गिरफ्तार करने में किया है। साथ ही आरोपियों के कब्जे से चोरी की हुई चार डीजे मशीनें की बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने जानकारी देते हुए बताया है कि परिवादी प्रधानराम रैगर (45) निवासी प्रतापपुरा थाना फुलेरा जिला जयपुर ने विगत 19 जून को अज्ञात लोगों के खिलाफ डीजे की मशीन व सामान चुराने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी, जिस पर थाना फुलेरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। उक्त प्रकरण में अज्ञात चोरों को गिरफ्तार करने को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व पुलिस उप अधीक्षक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में फुलेरा थानाधिकारी चन्द्रप्रकाश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

फुलेरा थाना पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर चोरी की हुई चार डीजे मशीनें की बरामद की।

गठित टीम की ओर से आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से चोरी की वारदात करने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान कर डीजे मशीने चोरी करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना रोशन लाल जाट (24) निवासी राधाकिशनपुरा थाना हरमाड़ा जिला जयपुर व गिरोह के अन्य सदस्य कानाराम (22) निवासी महेशवास कलां थाना कालवाड़ जिला जयपुर को डिटेन कर पूछताछ की तो आरोपियों ने थाना सांभरलेक, सामोद, गोविन्दगढ़, हरमाड़ा, दौसा, रींगस में डीजे मशीनें व वाहन चोरी करने की एक दर्जन वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। गिरोह के मुख्य सरगना रोशन जाट के विरूद्ध थाना गोविन्द्रगढ़, कालाडेरा, फागी, रेनवाल मांजी व कालवाड में भी डीजे मशीन चोरी के छह मामले दर्ज हैं। आरोपियों को पीसी रिमाण्ड पर लिया जाकर

- आरोपी मौज-मस्ती व नशे का शौक पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे

अनुसंधान किया जा रहा है।

फुलेरा थानाधिकारी चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि आरोपी दिन में क्षेत्र में खड़े पिकअप डीजे की रैकी करते थे, फिर रात्रि में गिरोह के मुख्य सरगना रोशन जाट के साथ अन्य सदस्य प्राईवेट वाहन किराये पर लेकर चिन्हित स्थानों पर जाकर वहाँ खड़े पिकअप डीजे एवं डीजे मशीनों को चोरी कर ले जाते थे एवं उनको सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहक तलाश कर उनको डीजे मशीने बेच देते थे एवं उससे जो रूपये प्राप्त होते थे उसको गिराहे का मुख्य सरगना रोशन जाट गिरोह के अन्य सदस्यों को बांट देता था। आरोपी मौज-मस्ती व नशे का शौक पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे।

युवक की मौत को हत्या बताकर परिजनों ने हंगामा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में 31 अगस्त की रात्रि करीब ग्यारह बजे से रहस्यमय तरीके से गायब हुए एक युवक की ट्रेन की पटरी पर लाश मिली थी। आज पोस्टमार्टम के वक्त परिजनों के साथ ही समाज के लोगों ने युवक की मौत को हत्या बताते हुए हंगामा खड़ा कर दिया।

मृतक के भाई अभिषेक लखारा ने बताया कि 31 अगस्त को रात्रि ग्यारह बजे तक बाबू उर्फ यशराज लखारा घर नहीं आया तो उसने उसे फोन किया जिस पर उसने थोड़ी देर में घर आने की बात कही, जब रात्रि एक बजे तक भी वह घर नहीं आया तो उसने दोबारा उसे फोन लगाया तब उसका फोन स्विच ऑफ आ रहा था। बड़े भाई अभिषेक ने बताया

- रहस्यमय तरीके से गायब हुए युवक की ट्रेन की पटरी पर लाश मिली थी

कि अक्सर यशराज अपने किसी दोस्त के यहां सो जाया करता था यही सोच कर उसने वापस फोन नहीं लगाया, लेकिन अगले दिन सुबह भी जब यशराज का फोन बंद मिला तो उसने उसके दोस्त चिराग साहू और अर्पित आदि से जानकारी ली, लेकिन उन लोगों ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। काफी तलाश करने के बाद जब सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करने पहुंचा तो थाने के सामने ही यशराज का स्कूटर पड़ा मिला। यशराज नहीं मिला तो उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। इसी बीच सूचना मिली कि एक व्यक्ति की लाश एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखी है जो कि ट्रेन की चपेट में आ गया था। सूचना पर परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने मृतक की शिनाख्त यशराज लखारा के रूप में की। परिजनों ने आशंका जताई है कि यशराज के खिलाफ गत दोनों सुभाष नगर थाने में ही एक मुकदमा दर्ज किया गया था, मुकदमा दर्ज करने वाले लोग यशराज से रंजिश रखते थे और उसी रंजिश के चलते उन्होंने उसे मौत के घाट उतार कर हादसा बताने की नीयत से उसके शव को ट्रेन की पटरी पर फेंक दिया। ऐसे में परिजनों ने एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

घग्गर नदी में बच्चा बहा

अनूपगढ़, (निसं)। श्री विजयनगर के गांव 47 जीबी में घग्गर नदी में नहाते समय 12 साल का बच्चा पानी में बह गया। बच्चा रवि अपने तीन दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। रवि के दोस्तों ने बताया कि वह जिस जगह नहा रहा था, वह काफी गहरी थी। तेज बहाव में बहते देख दोस्तों ने तुरंत परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। खबर मिलते ही बड़ी संख्या

- पुलिस प्रशासन, एनडीआरएफ और ग्रामीणों की मदद से सर्च अभियान जारी

में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

रामसिंहपुर थाना प्रभारी सुभाष बरोला ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। बुधवार सुबह नौ बजे तक करीब 4 किलोमीटर का एरिया खंगाला जा चुका है। रवि कुमार गांव 47 जीबी का रहने वाला है। पुलिस प्रशासन, एनडीआरएफ और ग्रामीणों की मदद से लगातार सर्च अभियान जारी है। अभी तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला है।

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई

बीकानेर, (निसं)। यहां कोठारी अस्पताल के पास एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे वो 30 फीसदी झुलस गया। इसके बाद वो पानी के एक गड्ढे में कूद गया। युवक को गंभीर हालत में पहले कोठारी अस्पताल और बाद में पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद नयाशहर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से बीमार है। नंदकिशोर नामक इस युवक ने अपने शरीर पर पहले पेट्रोल डाला और फिर आग लगा ली। देखते ही देखते आग शरीर के कई हिस्सों तक पहुंच गई। आसपास के लोगों ने आग बुझाकर उसे तुरंत कोठारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल नंदकिशोर की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई

- पानी के गड्ढे में कूदा, आत्मदाह की कोशिश में 30 फीसदी झुलसा
- बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से बीमार है

जा रही है। उसने आत्मदाह का प्रयास क्यों किया इस बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।

नयाशहर थाना प्रभारी विक्रम तिवाड़ी ने बताया कि मानसिक रूप से बीमार चल रहे 45 साल के नंदकिशोर निवासी अंत्योदय नगर ने पेट्रोल खरीदा और खुद को आग लगा ली। इसके बाद वो पास ही पानी के एक गड्ढे में कूद गया। आसपास खड़े लोगों ने भी उसे बचाने की कोशिश की। नंदकिशोर करीब 30 फीसदी झुलस गया है। हालात खतरे से बाहर है।

मांगो को लेकर धरना शुरू

तारानगर, (निसं)। तारानगर शहर में सफाई, स्ट्रीट लाइट, बरसाती पानी निकासी, अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई, नियम के विरुद्ध निविदाओं की जांच करने, गौरव पथ की मरम्मत करने आदि समस्याओं को लेकर कस्बे के कांग्रेसजनों ने नगरपालिका परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। उपस्थितजनों ने पालिका प्रशासन व भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं विरोध प्रदर्शन किया।

पार्षद हरिसिंह बेनीवाल ने कहा कि वर्तमान में पालिका में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। कांग्रेस के लोगों ने पालिका प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि पालिका के कर्मचारी अपनी मनामानी चला रहे हैं। शहर में सफाई व्यवस्था ठप पड़ी है, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे पड़े हैं। पूरे शहर में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी है, ठेकेदार कभी आकर ही नहीं देखता है और पालिका द्वारा इनका भुगतान कर दिया जाता है। पालिका में टेंडरों में भी धांधली की जा रही है, धांधली कर अपने चहेते लोगों को काम दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के बिगड़े बोल

बीदासर, (निसं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमों एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल मंगलवार की दोपहर को हेलीकॉप्टर से बीदासर पहुंचने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण देर रात्रि को करीब दो बजे सड़क मार्ग से बीदासर के निकटवर्ती धीराणा तालाब स्थित सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज के मंदिर पहुंचे,। जहां बेनीवाल ने मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इससे पहले आधा दर्जन जेसीबी से पुष्प वर्षा कर सांसद का लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद सांसद ने मंदिर परिसर में आयोजित विशाल तेजा गायन और रात्रि जागरण में भाग लिया। इस अवसर पर सांसद बेनीवाल ने धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए कि आने वाले चुनावों में इस बार राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की सरकार बनानी है और प्रशासनिक व्यवस्था एसडीएम, थानेदार, तहसीलदार सब को ठीक

- आने वाले चुनावों में इस बार राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की सरकार बनानी है और एसडीएम, थानेदार, तहसीलदार सब को ठीक करना है : सांसद हनुमान बेनीवाल
- बेनीवाल ने मंच पर मौजूद थानाधिकारी कैलाशचंद यादव औरअन्य पुलिसकर्मियों को लताड़ लगाते हुये मंच से नीचे उतार दिया और कहा आधे से ज्यादा पुलिसकर्मी नशे में हैं, सब ने नशा कर रखा है

करना है। ये तभी संभव होगा जब सरकार हमारी बनेगी।

बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टी के लोग मिले हुए है। इन दोनों को सबक सिखाना है। जब तक हमारी सरकार नहीं आएगी तब तक सब कुछ ऐसा ही चलता रहेगा। हम बिना विधायकों के लड़ रहे हैं और सड़क पर संघर्ष कर रहे हैं। कार्यक्रम में सांसद बेनीवाल मंच पर आगे माइक लिए संबोधित कर रहे थे और मंच पर पीछे सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मी तैनात थे। इसी दौरान बेनीवाल ने मंच पर मौजूद बीदासर थानाधिकारी कैलाशचंद यादव और थाने के अन्य पुलिसकर्मीयों को भरी सभा के बीच जमकर लताड़ लगाते हुए मंच से नीचे उतार दिया और कहां आधे से ज्यादा पुलिसकर्मी नशे में है, सब ने नशा कर रखा है। पांच मिनट में यहां से चले जाओ वरना नीचे आ गया तो फिर एसपी और आईजी को मौके पर बुलाकर नीचे पटककर जांच करवाउंगा। मंच पर कौन खड़ा है आपको पता नहीं नशा करके आ जाते हो, आपको शर्म नहीं आती, बड़े बेशर्म हो।

वहीं फटकार लगाने के बाद पुलिसकर्मी एक-दूसरे को देखने लगे और मौके पर मौजूद लोगों ने भी पुलिसकर्मियों को बाहर जाने के लिए कहना शुरू कर दिया। बेनीवाल बोले किस तरह हालात कर रखे हैं बीदासर और सांडवा के अंदर व पूरा चूरू जिला बर्बादी की ओर है। यह राजस्थान का दुर्भाग्य है अभी राजस्थान में 600 के करीब एएसआई भर्ती का कचरा साफ किया है लेकिन पुराना कचरा कैसे साफ करोगे। इसका क्या इलाज है। वहीं इससे पहले सांसद बेनीवाल का तेजाजी मंदिर समिति की और से 21 किलो की माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रामनारायण पूनियां, गिरधारीलाल महला, चुन्नीलाल महला सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

पुलिस उपाधीक्षक ने किया खंडन : वहीं बीदासर उप पुलिस अधीक्षक प्रहलाद ने कहा कि सांसद हनुमान बेनीवाल तेजाजी मंदिर के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उनकी सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस जाब्ता और थानाधिकारी स्वयं तैनात थे। इस दौरान मंच पर अचानक भीड़ बढ़ने लग गई, जिसे कंट्रोल करने के लिए पुलिसकर्मी मंच पर तैनात थे। इसी दरमियान अचानक सांसद आवेश में आ गए तथा पुलिसकर्मियों पर नशे में होने का कहकर नीचे उतार दिया। हालांकि सुबह से दिनभर और रात्रि को भी थाने का स्टाफ मुस्तैदी से अपनी डयूटी कर रहा था। राय ने कहा कि पुलिसकर्मियों द्वारा नशे में होने की बात निराधार है।

बस की टक्कर से घायल हुई महिला गार्ड ने दम तोड़ा

उदयपुर, (कासं)। शहर के बलीचा बाइपास पर 29 अगस्त की शाम हुए सड़क हादसे में घायल एमबी हॉस्पिटल में तैनात महिला गार्ड की बुधवार को मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सामने आया, जिसमें एक तेज रफ्तार निजी बस बाइक को जोरदार टक्कर मारती नजर आ रही है। इस हादसे में घायल युवक का इलाज जारी है।

गोवर्धन विलास थाना अधिकारी दिलीप सिंह झाला ने बताया कि मृतका की पहचान ममता के रूप में हुई है। वह एमबी हॉस्पिटल में गार्ड के पद पर कार्यरत थी। हादसे के बाद बस को जब्त करने सहित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि फुटेज में दिख रहा है कि जैसे ही निजी बस ने बाइक को टक्कर मारी, बाइक पर बैठी ममता और युवक मोहम्मद आसिफ उछलकर करीब 20 फीट दूर जा गिरे। हादसे के बाद दोनों को गंभीर अवस्था में एमबी हॉस्पिटल लाया गया। उपचार के दौरान बुधवार सुबह ममता ने दम तोड़ दिया जबकि आसिफ का इलाज जारी है।

महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजन हॉस्पिटल पहुंचे और मोर्चरी के बाहर जमकर हंगामा किया। मृतका के भाई और पुलिस कांस्टेबल राम प्रसाद ने आरोप लगाया कि हादसे के कई दिन बाद भी बस को जब्त नहीं किया गया। उन्होंने कहा मैं गंगरार थाने में पोस्टेड हूंए लेकिन कई बार गुहार लगाने के बाद भी एफआईआर एक दिन पहले दर्ज की गई। मेरी मांग है कि मेरी बहन के दोनों बेटों को संविदा पर नौकरी दी जाए।

शेखावाटी विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह आज

सीकर, (निसं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में 4 सितंबर को दीक्षारंभ समारोह-2025 का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित मीडिया लैब और कम्युनिटी रेडियो रेडियो शेखावाटी 91.2 का लोकार्पण भी होगा। समारोह में 'नई शिक्षा... नए विचार... और विकसित भारत का संकल्प' विषय पर विद्वत वक्ताओं के उद्बोधन भी होंगे।

शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ओमदास महाराज, पीठाधीश्वर, अखिल भारतीय सांगलिया धूणी रहेंगे। सारस्वत अतिथि डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली तथा प्रो. (डॉ.) कैलाश सोडाणी, पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा शिरकत करेंगे।

148 ग्राम हेरोइन जब्त, पंजाब का तस्कर गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस ने नशे के खिलाफ विशेष अभियान के दौरान कार्रवाई की है। पुलिस ने पंजाब के जलालाबाद से आए तस्कर को 148 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम अंबेडकर सर्किल से रेलवे स्टेशन रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रूप सिंह (37) निवासी पंजाब के जलालाबाद जिले के बाहमनीवाला का बताया। पुलिस को शक होने पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसकी पैंट की जेब से 148 ग्राम हेरोइन मिली। एसएचओ जांगिड़ ने बताया कि आरोपी रूप सिंह ये हेरोइन पंजाब से लाया था। वो इसे अनूपगढ़ क्षेत्र में सप्लाई करने की योजना बना रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच रावला पुलिस थाने के एसएचओ नवदीप सिंह को सौंपी गई है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में और भी कई अहम जानकारियां सामने आ सकती है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी रूप सिंह ने बताया कि वो ये हेरोइन 2 सितंबर को पंजाब की लाधुका मंडी से एक युवक से खरीद कर लाया था और वो इसे अनूपगढ़ क्षेत्र में बेचना चाहता था। एसएचओ ने बताया कि अनूपगढ़ पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस मामले की जांच रावला एसएचओ नवनीत सिंह को सौंपी गई है, फिलहाल अनूपगढ़ पुलिस के द्वारा मामले की प्रारंभिक जांच की जा रही है।

संतों के सानिध्य में हाड़ौती के ख्यातनाम डोल मेले का आगाज़

बारां, (निसं)। जलझूलनी एकादशी के अवसर पर हाड़ौती के ख्यातनाम डोलमेले का विधिवत उद्घाटन संत समाज द्वारा किया गया। मेला कैम्प पर नगर परिषद सभापति, उपसभापति, मेलाअध्यक्ष, आयुक्त तथा परिषद के सभी पार्षदों की मौजूदगी में गणेश पूजन के उपरान्त ध्वजारोहण कर मेले का आगाज़ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद लक्ष्मण महाराज सीसवाली वालों ने कहा कि आत्मा से आत्मा का मिलन ही मेला होता है। नगर परिषद इसे बड़ी मेहनत से आयोजित करवाती है तो मेलार्थियों का भी इसे संजाने संवारने का दायित्व बनता है। वृन्दावन से पधारे कोकिल पुष्प् महाराज ने कहा कि या तो वृन्दावन में रस बरसता है या फिर बारां में। मेले में बिछड़े लोगों का मिलन होता है। उन्होंने ने कहा कि डोल ग्यारस के अवसर पर सभी सकारात्मक सोच बढ़ाने का संकल्प लें। महन्त परशावाले बाबा ने मेले का महत्व बताते हुए कहा कि वेदों के अनुसार सबसे पहला मेला मिथिला में आयोजित किया गया था तभी से हिन्दु समाज में यह परिपाटी चलती आ रही है। डोलमेला प्यारेराम मन्दिर के परिसर में आयोजित होता है जो तपस्वी भूमी है। ऐसे में पूरे मेले मे आते ही पवित्रता का अहसास होता है। इस अवसर पर मुरारी जी पुजारी बमोरीडाबर कोटा, रामदास महाराज

हाड़ौती के ख्यातनाम डोल मेले का विधिवत उद्घाटन संत समाज व अधिकारियों ने किया।

देवरी धाम और जूना अखाड़ा के मौनी बाबा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नगर परिषद सभापति ज्योति पारस ने कहा कि इस बार सभी पार्षदगणों ने कंधे से कंधा मिलाकर मेले को सफल बनाने का प्रयास किया है वा सराहनीय है। मेला जनभावनाओं से जुड़ा होता है सभी का दायित्व बनता है कि इस आयोजन को शिखर तक पहुंचाये। मेलाध्यक्ष ममता नागर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम भावना से किया गया कार्य हमेशा सफल होता है। इस बार मेंले में कई नवाचार किये गये जो सभी पार्षदगणों के टीम भावना से ही सम्भव हो सका। इस बार सांस्कृतिक विरासत डोल मेले को बड़े जतन से सजाया गया है। प्रभू कृपा से इस बार डोल तालाब भी भरा हुआ है जिससे मेलार्थियों को नौकायान करने का लुत्फ उठाने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने आमजनता से अपील की कि वे मेले की व्यवस्थाओं में सहयोग करें और अपने अमूल्य सुझाव दें। नेता प्रतिपक्ष दिलीप शाक्यवाल ने सभी पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए मेले की सफलता में दिय गये योगदान सराहा। सभापति ज्योति पारस मेलाध्यक्ष, उपसभापति नरेश गोयल पार्षद अन्तुरानी, सत्यनारायण शर्मा सीता सोन, यशवन्त अर्जुन यादव, राजेन्द्र जैन, ललित गुर्जर, मयंक माथोड़िया, पुरूषोत्तम नागर, रोहिताश्व सक्सेना, प्रदीप विजयवर्गीय समेत सभी पार्षदों ने सभी संतों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया और आशिर्वाद लिया। नगर परिषद के आयुक्त मोतीशंकर नागर ने कहा कि इस बार मेले में झूला प्रांगण को आधुनिक तरीके से सजाया गया है तो मेले के मध्य में डिवायडर का निर्माण हर वर्ष होने वाली यातायात परेशानी को दूर करने का प्रयास किया गया है। और तलाव की पाल पर विद्युत सज्जा कर मेले को आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है। मेला रंगमंच पर आज गुरूवार की रात्रि भजन संध्या का आयोजन होगा।

महावा में भारी बारिश से मकान गिरा

पाटन, (निसं)। मंगलवार रात को महावा गांव में भारी बारिश के कारण लालचंद मेहरा का मकान धराशायी हो गया। इस हादसे की चपेट में पास में बनी धर्मपाल मेहरा की झोपड़ी भी आ गई, जो मलबे के नीचे दब गई। गनीमत यह रही कि घटना के समय मकान और झोपड़ी में कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि यह हादसा दिन के समय होता, तो जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। लगातार हो रही मूसलधार बारिश के चलते मकान की नींव कमजोर हो गई थी, जिससे दीवारें और छत भरभरा कर गिर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने में सहयोग किया। स्थानीय प्रशासन से निवेदन किया गया है कि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत एवं सहायता प्रदान की जाए।

तारानगर : लगभग आठ साल पहले तारानगर शहर में बना गौरवपथ आमजन के लिए आफत बन चुका है। जिसे दो करोड़ रूपये की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 2017 में बनाया गया था। लगभग एक किलोमीटर लम्बा बना ये गौरवपथ की पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं इसकी दोनों तरफ की सड़कों में दो-दो फ़ीट गहरे गड्डे हो गए हैं जिसमें आये दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है। सैकड़ों वाहन प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरते है एवं स्कूल कॉलेज में अध्ययनरत हजारों बच्चों का इस रास्ते से आवागमन है, जिन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पांच लाख की लूट का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर/जयपुर। उदयपुर पुलिस ने 28 अगस्त को हुई पांच लाख रुपये की लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी अजहर खान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि पीड़ित ध्रुव जैन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्हें पैसों की जरूरत थी, जिसके लिए उनके मित्र कविश सिंह सोलंकी ने उन्हें 5 लाख रुपये दिए। ध्रुव अपनी महिला मित्र पूजा के साथ कार से जा रहे थे, तभी फतेह स्कूल के पास पल्सर बाइक पर आए दो व्यक्तियों, जिनमें से एक अजहर खान था ने उनकी महिला मित्र के साथ मिलकर उनसे मारपीट की और 5 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर मुख्य आरोपी अजहर खान को गुलाब बाग गेट के बाहर से हिरासत में लिया। पूछताछ में अजहर ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गई राशि में से तीन लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। आरोपी अजहर खान पुत्र इरशाद खान (36) निवासी सूरजपोल उदयपुर के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ट्रेलर-कार की भिड़ंत में एक युवक की मौत, परिवार के आठ जने घायल

हरिद्वार में पिता की अस्थियां विसर्जन कर वापस लौट रहा था पाली में रहने वाला परिवार

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। जयपुर हाइवे मार्ग पर बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र में ट्रेलर व तूफान गाड़ी के बीच हुई भिड़ंत में एक युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार की महिलाओं सहित 8 जने घायल हो गये। पाली में रहने वाला शर्मा परिवार हरिद्वार में पिता की अस्थिया विसर्जन कर तूफान गाड़ी से वापस लौट रहा था।

जानकारी के अनुसार बांदरसिंदरी पुलिया के पास ट्रेलर चालक द्वारा अकस्मात ब्रेक लगाने से तूफान गाड़ी पिछे से अंदर घुस गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी की गाड़ी चकनाचूर होकर कबाड़ में तब्दील हो गई, काफी मशकक्त के बाद राहगीरों की मदद से घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। महिला सहित दो की स्थिति चिंताजनक होने पर अजमेर रेफर कर दिया, जबकि अन्य को स्थानीय यज्ञनारायण अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतक राजेन्द्र नगर पाली निवासी रामलाल शर्मा है। इनके पिता हरिराम की अस्थियां हरिद्वार में विसर्जन कर वापस लौट रहे थे। थाना इंचार्ज अमरचंद ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 बजे पुलिया के पास ट्रेलर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिये, जिससे गाड़ी ट्रेलर में घुस गई। दुर्घटना में तूफान गाड़ी में सवार दीपक शर्मा पुत्र जयकुमार, पुरण शर्मा पुत्र कन्हैयालाल, इसकी पत्नी ज्योति, मंजू शर्मा पत्नी नवरतन, कविता शर्मा पत्नी विवेक, चंदा शर्मा पत्नी गजराज व चालक पवन पुत्र नारायण भील घायल हो गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बांदरसिंदरी पुलिया के पास हुये हादसे में तूफान गाड़ी चकनाचूर हो गई।

- बांदरसिंदरी पुलिया के पास ट्रेलर चालक द्वारा अकस्मात ब्रेक लगाने से तूफान गाड़ी पिछे से अंदर घुस गई

हादसे की इत्तला मिलते ही ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, संरक्षक चन्द्रशेखर शर्मा, मंत्री बालमुकुंद शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, महेन्द्र जोशी, पार्षद शंकर शर्मा, पार्षद पंकज पहाड़िया तत्काल अस्पताल पहुंचकर सहायता की। इसके अलावा अंराई रोड जोगियों के नाडे के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला सेंदरिया निवासी रिंकू भील की मौत हो गई। किशनगढ़ सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक अन्य हादसे में रेल्वे ट्रेक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मालियों की ढाणी निवासी गीता की मौत हो गई। मदनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार से 28 किलो अवैध गांजा जब्त, तस्कर फरार

कोटा, (निसं)। रानपुर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान संदेह होने पर एक कार का पीछा कर कार से अवैध मादक पदार्थ 28 किलो 10 ग्राम गांजा बरामद किया। मौके से तस्कर कार को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ व कार को जब्त कर लिया, तस्कर की तलाश जारी है।

- पुलिस टीम को पीछा आता देख कार चालक करीब चार किलोमीटर तक गलत साइड कार को चलाते हुए ले गया
- पुलिस टीम कार का पीछा करते हुए मौके पर पहुंची तो कार सड़क के किनारे खड़ी मिली, कार के पीछे का टायर फटा हुआ था

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि रानपुर थाने के थानाधिकारी रामविलास मीणा मय जाब्ता जगपुरा पुलिस चौकी के सामने झालावाड़ से कोटा आने वाली रोड़ पर नाकाबंदी कर झालावाड़ से कोटा आने वाले वाहनों की सघनता से चैकिंग कर रहे थे। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस की नाकाबंदी को देखकर एक सफेद रंग की कार नाकाबंदी पॉइंट से करीब 150 मीटर पहले एक ढाबे के पास रूककर अचानक से वापस मुड़कर कार तेज गति से झालावाड़ की तरफ रॉंग साइड से जाती हुई पुलिस टीम को दिखी। जिस पर संदेह होने पर रानपुर पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। पुलिस टीम को पीछा आता देख कार चालक करीब चार किलोमीटर तक गलत साइड कार को चलाते हुए ले गया। पुलिस टीम कार का पीछा करते हुए मौके पर पहुंची तो पुलिस टीम को कार सड़क के किनारे खड़ी हुई मिली, कार के पीछे चालक साईड का टायर फटा हुआ था।

शहर एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कार चालक को आस-पास काफी तलाश किया लेकिन कोई व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस टीम ने मौके पर खड़ी कार की तलाशी ली तो कार की डिग्गी में एक मटमेले भूरे रंग का कट्टा मिला, कट्टे के अंदर छोटे-छोटे पैकेट मिले। पुलिस टीम ने मौके पर पैकेट चेक किये तो पुलिस को अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ जिसका कुल वजन 28 किलो 10 ग्राम होना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके से कार व अवैध मादक पदार्थ गांजा को जब्त कर लिया एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत् अज्ञात मादक पदार्थ तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ऋषभदेव में जमकर बरसे बादल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में बुधवार सुबह से मौसम रंग बदल रहा था और बुधवार दोपहर में जाकर जिले में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। वहीं ऋषभदेव में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। जिलेभर में दोपहर करीब दो बजे बाद कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। उदयपुर शहर में दोपहर में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई तो कुछ जगह तेज धूप निकली हुई थी। शहर में सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे लेकिन बाद में तेज धूप निकली। इसके बाद लगातार मौसम रंग बदलता रहा और दोपहर बाद जाकर हल्की बारिश शुरू हुई। उदयपुर के ऋषभदेव में तेज बारिश से पानी भर गया। दोपहर पौने तीन बजे ऋषभदेव कस्बे में तेज बारिश शुरू हुई। इस दौरान कस्बे में तेज बारिश से कुछ जगह पर सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने उदयपुर संभाग के प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

- उदयपुर शहर में दोपहर में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई तो कुछ जगह तेज धूप निकली हुई थी

नशीली दवा से भरी कार जब्त, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। खेरवाड़ा पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान अवैध नशीली दवा से भरी कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गठित दल ने पोगरा से मौथली रोड़ पर कार को रोक उसमें रखी 288 ग्राम 480 नग मादक पदार्थ दवा केप्सूल बरामद कर सुनील ननोमा निवासी पेगरा कला खेरवाड़ा, अशोक डामोर निवासी मौथली महुड़ा फला खेरवाड़ा को गिरफ्तार किया।

जोधपुर में संघ प्रमुख से मुलाकात के बाद वसुंधरा राजे पुष्कर रवाना

जोधपुर/जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने दो दिवसीय प्रवास के बाद बुधवार को पुष्कर के लिए रवाना हो गई। रवाना होने से पहले वसुंधरा राजे ने सुबह आठ बजे संघ प्रमुख मोहन भागवत से लालसागर में मुलाकात की।

यह मुलाकात करीब 20 मिनट चली। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का कोई आधिकारिक ब्यौरा सामने नहीं आया है, लेकिन इसे समन्वय बैठक से पहले एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। राजे की इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि यह मुलाकात भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन और आगामी रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण हो सकती है। गौरतलब है कि समन्वय बैठक में भाजपा के कई प्रमुख प्रतिनिधियों की मौजूदगी तय मानी जा रही है।

- दोनों के बीच हुई बातचीत का कोई आधिकारिक ब्यौरा सामने नहीं आया, लेकिन इसे समन्वय बैठक से पहले एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है
- राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज, माना जा रहा है कि यह मुलाकात भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन और आगामी रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण हो सकती है

मुलाकात के बाद राजे जुगल जोड़ी मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने यज्ञ में आहुतियां दीं। इसके बाद अजीत भवन में एसआई भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों से मुलाकात करते हुए उन्होंने कहा, जो बेगुनाह हैं, उन्हें इंसाफ मिलना चाहिए और जो दोषी हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राजे के इस दौरे के दौरान राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, राजसिको के पूर्व अध्यक्ष मेघराज लोहिया, जेडीए के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह, भोपालसिंह बडला, जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवार सहित कई नेता उनके साथ नजर आए। इस मुलाकात और दौरे को आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

डोडा-चूरा जब्त

उदयपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र जैन के सुपरविजन में भींडर थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर मय टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रकाश पुत्र लालुराम मीणा निवासी पोमावतों की भागल बोरतलाई भीण्डर के मकान के पीछे झोपडी में से 55 किलो 60 ग्राम अफीम डोडा-चूरा बरामद कर प्रकरण दर्ज किया। मामले की जांच खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई को सौंपी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD PROJECT DIVISION (BUILDING) KOTA

No:- 382 Date: 26.08.2025

Notice Inviting Bid (NIT No 05/2025-26)

Bids for Building work & Maintenance work at Kota are invited from interested bidders upto 06.00 PM of 08.09.2025 (Monday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in,http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 290.30 Lac.

UBN PWD2526WSOB10901, UBN PWD2526WSOB10905, UBN PWD2526WSOB10908
UBN PWD2526WSOB10910, UBN PWD2526WSOB10912, UBN PWD2526WSOB10914
UBN PWD2526WSOB10915, UBN PWD2526WSOB10922, UBN PWD2526WSOB10924
UBN PWD2526WSOB10927, UBN PWD2526WSOB10930

Executive Engineer
PWD Project Div. (Build.) Kota

DIPR/C/12671/2025

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 17507628 दिनांक :- 09/01/2025

ई-बिड सूचना संख्याः- जोन विद्युत-प्रथम/09/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से विद्युत के कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से जोन विधुत कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2526A0131
UBN No. :- JOD2526WSOB00267, JOD2526WSOB00268

राज.संवाद/सी/25/9243 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-I)

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण

क्रमांक :- ननिको द0/सा.स्टोर/2025/87 - 98 दिनांक :- 28/08/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा दक्षिण/उत्तर द्वारा कोटा राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 हेतु अपेक्षित अल्पाहार, भोजन व्यवस्था की आपूर्ति कार्य मेला अवधि लिये 2 BID 2 STAGE (पद्धति) के अनुसार ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा दिनांक 29.08.2025 से 08.09.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ऐजेन्सी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते नगर निगम की वेब साईट **www.kotamc.org, www.sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajashthan.gov.in** से देख एवं डाउनलोड कर सकते है।

NIB No. : DLB2526A5272
UBN No. : DLB2526WSRC16167

मेला अधिकारी
नगर निगम कोटा-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9260

रपटे के तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली बही, चालक ने कूदकर बचाई जान

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र के गोवर्धनपुरा-चौगाई सड़क मार्ग स्थित रपटे पर पानी के तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई, जिसे ग्रामीणों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। वहीं चालक ने ट्रैक्टर से कूदकर पानी से निकलकर जान बचाई।

- दूसरे हादसे में उरसेवा जाने वाले रास्ते पर बहने वाली मासी नदी में तेज बहाव में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल पार करते समय बह गई

जानकारी के अनुसार चौगाई गांव निवासी चालक कमलेश चौधरी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को लावा से टाइल्स भरकर वहां स्थित रपटे को पार कर रहा था, तभी नियत्रंण बिगड़ जाने से तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर पानी में पलटकर बह गये, इस दौरान चालक कमलेश चौधरी ने ट्रैक्टर से कूद कर पानी में बहकर बाद में संभलकर अपनी जान बचाई।

ग्राम पंचायत चौगाई व झिराना थाना पुलिस ने सोमवार को सड़क मार्ग पर आए पानी के तेज बहाव को लेकर अलर्ट जारी किया था, इसके बावजूद लोग जान जोखिम डालकर इस रपट को पार कर रहे हैं। इसी क्रम में चालक कमलेश ने जोखित लेते हुए अपनी जान बचाई, गनीमत रही कि वह तैरना जानता था, इसलिए जैसे-तैसे निकल कर बाहर आ गया। बाद में ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को क्रेन की मदद से बाहर निकाला। इसी प्रकार मालपुरा उपखण्ड के डोरिया से उरसेवा जाने वाले रास्ते पर बहने वाली मासी नदी में तेज बहाव में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल पार करते समय बह गई, हादसे में ट्रैक्टर चालक लाला माली को ग्रामीणों ने समय रहते बचा लिया, लेकिन ट्रॉली में भरा लाखों रुपए का राशन नदी के पानी में बह गया तथा तेज बहाव के कारण ट्रैक्टर का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है।

तलाई में डूबने से एक बालक की मौत

निवाई, (निसं)। गांव बरथल में बुधवार को नौ वर्षीय एक बालक की तलाई में डूबने से मौत हो गई। इससे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और मृतक के घर में कोहराम मच गया।

बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि बुधवार की दोपहर में आयुष पुत्र मुकेश मीणा निवासी बरथल अपने खेत पर मवेशी चरा रही अपनी मां को चाय देने के लिए गया था। चाय देकर वह खेत के पास तलाई की ओर चर रहे मवेशियों को लेने चला गया। इसी दौरान तलाई पर उसका पैर फिसल गया, जिससे वह पानी में गिर गया और डूब गया। सूचना पर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग दौड़कर तलाई पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी तथा बालक को पानी से बाहर निकाला। परिवारजन व ग्रामीण उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ऑटो चालक के साथ मारपीट कर नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। ऑटो चालक के साथ मारपीट कर नकदी व जेवरात लूटने वाले के खिलाफ डबोक थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित मांगीलाल पुत्र मोडाजी निवासी सुन्दरवास प्रतापनगर ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 1 सितंबर शाम अज्ञात आरोपी बीमार को ले जाने के लिए प्रतापनगर से ऑटो किराए लेकर चिकित्सालय ले जाने के लिए रवाना हुआ, जहां बीच रास्ते भैसडाखुर्द पहुंचने पर मौके पर एक अन्य व्यक्ति के मिलने पर आरोपी ने टेम्पो रोक कर दोनों ने मेरे साथ मारपीट की तथा मेरा मोबाइल, सोने की चेन, पूर्वाज बावजी, सोने की बाली, चांदी का कड़ा, दस्तावेज सहित पर्स से 10 हजार रूपये नकदी तथा मेरे साथ प्रहलाद की जेब से 70 रूपये नकदी लूट ले गए। इस मामले में डबोक थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

तीन साल से फरार दो इनामी तस्कर गिरफ्तार

803 किलो डोडा-चूरा और 20 किलो अफीम मामले में फरार थे

छोटीसादड़ी/जयपुर। एसपी बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए गए ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत छोटीसादड़ी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के दो कुख्यात और तीन साल से फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों तस्करों गजेंद्र उर्फ गज्जू और मगाराम जाट पर 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित था। ये दोनों कमल राणा गिरोह के अहम सदस्य माने जाते हैं।

एसपी आदित्य ने बताया कि इन दोनों अभियुक्तों की तलाश लंबे समय से की जा रही थी। ये आरोपी 25 मार्च 2023 को कारुंडा चौराहे पर नाकाबंदी तोड़कर भाग निकले थे। उस समय उनकी दो स्कॉर्पियो गाड़ियों से 803 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा और 20 किलोग्राम अफीम बरामद की गई थी। उस घटना के बाद से ही दोनों फरार चल रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये दोनों आरोपी बालोतरा की उप जेल में बंद हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने प्रोडक्शन वारंट के माध्यम से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गजेंद्र उर्फ गज्जू उर्फ गजनी पुत्र लुंबा राम जाट निवासी नगोणी थाना बायतु बालोतरा व मगाराम पुत्र खेताराम जाट निवासी शिवपुरा नेहरा का बास थाना आरजीटी बालोतरा के रूप में हुई है। अभियान में छोटीसादड़ी पुलिस टीम में एसएचओ प्रवीण टांक, उपनिरीक्षक नारायण लाल, कांस्टेबल तेजपाल और हरेंद्र सिंह शामिल थे।

- पुलिस को सूचना मिली थी कि ये दोनों आरोपी बालोतरा की उप जेल में बंद हैं, इस पर प्रोडक्शन वारंट से दोनों को गिरफ्तार किया

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण
पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर, टेलीफोन नम्बर - 0141-2600032
ई-मेल आई.डी. :- adma.jaipur@gmail.com

क्रमांक :- कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2025-26/1105 दिनांक :- 01/09/2025

ई-बिड़ संख्या-12/2025-26

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में कम्प्यूटर मय ऑपरेटर की सेवायें उपलब्ध करवाने, रेडियो मोबाईल ट्रंकिंग सेवाओं की आपूर्ति करने एवं सिविल एवं विद्युत कार्यों हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है।
(ई-बिड संख्या-12/2025-26 की कुल लागत राशि रूपये 58.84 लाख)

NIB Code ADA2526A0014 & बिड यू.बी.एन. नम्बर :-
ADA2526SLOB00045, 00046 & ADA2526WSOB00047, 00048

राज.संवाद/सी/25/9246 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

खदान दरकने से दो लोगों की मौत, मांगों को लेकर परिजनों ने धरना दिया

पाटन, (निसं)। डोकन में हरिओम क्रशर के पास कृष्णा माइंस पर मंगलवार शाम को हुए दर्दनाक खनन हादसे में दो लोगों की मौत के बाद परिजनों ने बुधवार सुबह आठ बजे से पाटन अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे लोगों की दोपहर तक मांगें नहीं सुनी गई। इस पर गुस्साए परिजनों एवं ग्रामीणों ने डाबला रोड पर अस्पताल के सामने जाम लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं जाम लगने के कारण सड़क के दोनों साइडों में वाहनों की लम्बी लाइनें लग गई।

परिजनों का आरोप था कि खदान मालिकों ने कल शाम की हुई घटना से लेकर अब तक कोई बातचीत नहीं की। इस दौरान राजपूत समाज के लोग भी धरना प्रदर्शन में बैठकर न्याय की मांग करने लगे। ग्रामीण एवं मृतकों के परिजन 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंचे विभिन्न दलों के नेताओं ने भी परिजनों को समर्थन देते हुए खदान मालिकों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की बात कही। आखिरकार पुलिस और प्रशासन की ओर से उपखंड अधिकारी राजवीर यादव, पाटन तहसीलदार सुभाष चन्द व पुलिस उप अधीक्षक उमेश गुप्ता, पाटन थाना अधिकारी विक्रम सिंह डाबला थाना अधिकारी राजवीर सिंह मय पुलिस जाप्ता तैनात रहे। माइनिंग अधिकारी ने परिजनों से लंबी बैठक कर समझाइश की।

मांगों को लेकर परिजनों व ग्रामीणों ने धरना देकर नारेबाजी की।

- जाम लगने के कारण सड़क के दोनों साइडों में वाहनों की लम्बी लाइनें लग गई
- परिजनों का आरोप था कि खदान मालिकों ने घटना से लेकर अब तक कोई बातचीत नहीं की

मिली जानकारी के अनुसार खदान मालिकों व परिजनों के बीच वार्तालाप के बाद मृतकों के शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए। धरना स्थल पर भाजपा नेता प्रमोद सिंह बाजोर, पाटन प्रधान सुवालाल सैनी, भूपेंद्र सिंह, जयराम सिंह, महेंद्र खटाना, राजपाल डोई, कामरेड रोशन लाल गुर्जर, दशरथ सिंह, ओमवीर सिंह, लक्ष्यराज सिंह सहित सैकड़ों लोग धरना प्रदर्शन में शामिल रहे। प्रदर्शन करने वाले राजपाल डोई ने कहा कि मांगें मनवाई जाएंगी और मुकदमा भी दर्ज होगा, लेकिन देर शाम तक तक न तो मुकदमा दर्ज हुआ और न ही मुआवजे की रकम का आधिकारिक ऐलान हुआ। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा भराला ने बताया कि क्षेत्र में सरकार एवं प्रशासन पर खदान माफिया हावी है तथा मौत के बाद भी सौदे तय होते हैं। ऐसा एक नहीं दर्जनों उदाहरण है, परंतु प्रशासन द्वारा खदान माफियाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, जिस कारण खदान माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। निजी बस की चपेट में आने से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन विलास चुंगीनाका के समीप निजी ट्रॉवेल्स बस की चपेट में आने से घायल धोईन्दा राजसमन्द निवासी ममता भांड पत्नी कैलाश चन्द्र की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई।

एएसआई देवेन्द्र पुरी ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। एक सितंबर सवेरे आलू फैक्ट्री निवासी आशिक मोहम्मद पुत्र मोहम्मद हारून व ममता दोनों बाइक पर गोवर्धन विलास से शहर की तरफ आ रहे थे। इस दौरान निजी ट्रॉवेल्स बस की चपेट में आ गए। जिससे गंभीर घायल होने पर दोनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था। वहीं शहर के हाथीपोल थाना क्षैत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अरूण पुत्र मांगीलाल हरिजन निवासी एमबीजीएच सरकारी क्वार्टर की2 सितंबर को अचानक तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।जहां उसकी मौत हो गई।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार)
सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रथम तल, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489

क्रमांक :- F. 01(18) RYB/2025-26-00023-8010583 जयपुर, दिनांक :- 31/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26

बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के बिन्दु संख्या 51 के अन्तर्गत राज्य के चयनित 20 युवक एवं युवतियों को Exposure Visits के अवसर उपलब्ध करवाये जाने के लिए राजस्थान युवा बोर्ड, जयपुर की ओर से "अन्तर्राष्ट्रीय युवा भ्रमण कार्यक्रम – जापान" (International Exposure Visit Programme) हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्मों/संस्था/कंम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26, दिनांक 11.09.2025 को शाम 5.00 बजे तक आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट **www.youthboard.rajasthan.gov.in** लोक उपापन पार्टल **http://sppp.rajasthan.gov.in** एवं eprocurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/9247 सदस्य सचिव

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

Advertisement No. :- MBMU/DFOEA/ADVT/2025/23 Dated :- 29/08/2025

Admission Notice - 2025-2026

DIRECT ADMISSION NOTICE (BTECH / BARCH / B. PLAN. / BE LATERAL ENTRY/MCA/ADCGCC)

As per direction of REAP-2025/RMCAAP-2025/LEEP-2025/ B. Arch-2025, and University rules, applications are invited from candidates desiring admission in MBM University through special round.

Course Name	Start date of Registration	Last Date of Registration	Spot Round Reporting Date (Physical)
B.Tech.	30/08/2025	08/09/2025	13/09/2025
BE Lateral Entry	30/08/2025	08/09/2025	13/09/2025
MCA	30/08/2025	08/09/2025	13/09/2025
B. Plan.	30/08/2025	08/09/2025	13/09/2025
B. Arch.	10/09/2025	12/09/2025	14/09/2025
ADCGC	30/08/2025	08/09/2025	14/09/2025

The application forms are required to be filled on **www.mbm.ac.in** or **admission.mbmiums.in** with online registration fee of Rs. 1000/-. Candidates who have already submitted the Spot Round form earlier need not apply again.

Admission Process will be strictly as per REAP-2025/RMCAAP-2025/LEEP-2025/ B. Arch-2025, and University guidelines and eligibility criteria. Candidates are advised to visit website regularly for updated information regarding this advertisement and be present as per schedule along with all original documents and fee receipt (paid in online mode), failing which the seat will be allotted to the next eligible candidate as per merit.

Registrar
MBM University, Jodhpur

Raj.Samwad/C/25/9244

संक्षिप्त

तबादला आदेश पर अधिकरण ने लगाई रोक

शाहपुरा । आयुर्वेद विभाग (सीकर) उप निदेशक के पद पर कार्यरत डॉ राजेश कुमार जोशी के तबादला आदेश पर राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण(रेट) ने रोक लगा दी है साथ ही आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव, उप शासन सचिव सहित दो अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। आयुर्वेद विभाग के उप शासन सचिव ने 15 जुलाई को आदेश जारी कर प्रार्थी का तबादला राजकीय आयुर्वेद औषधालय नृसिंहपुरी में किया गया है और प्रार्थी के स्थान पर अन्य कार्मिक को उप निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अधिवक्ता कलवानिया ने बताया कि विभाग ने प्रार्थी का बिना प्रशासनिक आवश्यकता के तबादला किया गया है। जो अनुचित एवं विधि विरुद्ध है लिहाजा तबादला आदेश पर रोक लगाई जाए। इस पर अधिकरण की बेंच ने प्रार्थी के तबादला आदेश पर रोक लगाकर राहत दी है तथा प्रार्थी को वर्तमान पदस्थापित स्थान पर ही कार्यरत रखने के आदेश दिए है।

भजन संध्या का आयोजन

अलवर । राजसमंद में एक शाम ठाकुर जी के नाम जल झूलनी एकादशी पर ओड समाज की भव्य भजन संध्या व सम्मेलन का आयोजन किया गयाकार्यक्रम में राष्ट्रीय ओड महासभा के प्रदेशाध्यक्ष निर्मल सुरा ओड महामंत्री आनंद मालक अशोक मोयल जितेंद्र ओड जसमानगर बाबुलाल उदयपुर सांपा सरपंच धर्माराम ओड ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अर्जूनराम ओड राजमथाई पाबुराम भागचंद ओड सहित समाज के कई लोग उपस्थित हुए । कार्यक्रम में आयें सभी लोगों का चारभुजा नाथ मंदिर ट्रस्ट राजसमंद व मांगीलालज ओड मोहनलाल उंकारराम धर्मराज कमलेश कानड़ अंबालाल कालूराम तेजाराम लक्ष्मण अबांलाल दुर्गालाल भेरूलाल भगवती लाल समस्त राजसमंद ओड समाज द्वारा सभी अतिथियों का पगड़ी व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया ।

एकादशी पर निकाली डोल यात्रा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में जलझूलनी एकादशी का त्यौहार उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर भगवान की डोल यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म लाभ कमाया। डोल एकादशी महापर्व को लेकर दोपहर 4 बजे भगवान चारभुजानाथ मंदिर, नृसिंह मंदिर, सुनारों का मंदिर, दर्जियों का मंदिर, भगवान सत्यनारायण मंदिर, भट्ट जी का मंदिर, श्री राम लक्ष्मण मंदिर व लक्ष्मीनाथ मंदिर सहित शहर के कई मंदिरों से बैंड बाजे के साथ भगवान के विमान भव्य शोभा यात्रा के साथ रवाना हुए। डोल यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान की विमानों के नीचे से निकलकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया और फल व मुद्रा चढ़ाई। शोभायात्रा का जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके एवं आरती करके स्वागत किया गया। डोल यात्रा में महिलाएं भजन गाती हुई चल रही थी।

श्रीमद् भागवत कथा 9 सितंबर से

नारायणपुर। कस्बा स्थित शम्भू आश्रम में 9 सितंबर से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा। कथा से पूर्व सुबह 8.15 बजे पुरुषोत्तमदास आश्रम से कथा स्थल शम्भू आश्रम तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु महिलाएं एवं भक्तजन शामिल होंगे। भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक गोवर्धन धाम मथुरा से पधारे परम पूज्य पंडित गोविन्दाचार्य वशिष्ठ द्वारा सुनाई जाएगी। कथा का समापन 15 सितंबर को हवन एवं पूर्णाहुति के साथ होगा।

उत्तम तप धर्म की पूजा अर्चना की

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में दसलक्षण पर्व के अन्तर्गत दशलक्षण धर्म के चलते सभी जैन मंदिरों में उत्तम तप धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई।रिंकी मोटूका ने दशलक्षण धर्म पर उत्तम तप धर्म की पूजा अर्चना की।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आक्रोशित भाजपाइयों ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी दिवंगत मां पर की गई अभद्र टिप्पणी व गाली को लेकर आक्रोशित भाजपाइयों ने कलेक्ट्रेट के सामने की नारेबाजी
- कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका और राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, लालू यादव के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया

खैरथल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को लेकर कि गई अमर्यादित भाषा के प्रयोग व अभद्र टिप्पणी, गाली देने को लेकर आक्रोशित भाजपाइयों ने जिला कलेक्ट्रेट के सामने राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत यादव, जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चित्रा शर्मा, खैरथल मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, किशनगढ़ बास अध्यक्ष मनोज मित्तल, के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका और राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, लालू यादव के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

जिला कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंकने पहुंचे राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कहा राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को लेकर कि गई अमर्यादित भाषा का प्रयोग एवं अभद्र टिप्पणी व गाली के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

खैरथल में कलेक्ट्रेट के सामने पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में राहुल गांधी का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन करते भाजपाई।

भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान उम्मेदसिंह भाया, अशोक डाटा, सुषास जांगिड़, संजय जाटव, बलबीर सिंह, वरुण डाटा, प्रकाश यादव, तरुण दुलानी, रामबाबू जाटव, रामसिंह शर्मा, ध्रुव उपाध्याय, बलविंदर सिंह राजकुमार जाटव सुरेश जाटव पार्षद विक्रम यादव मोहनलाल पोपटानी मयंक सेठी किशनलाल जाटव सुरेश गुर्जर, बलवीर सैनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाड़ा, महामंत्री जगदीश यादव, उपाध्यक्ष संतोष गोयल, बलराम गुर्जर, जसवंत यादव, तेजसिंह सैनी, रहमत खां मेवाती, पूर्व भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष विश्वास यादव, पूर्व सरपंच कृष्ण यादव, कैलाश गौड़, अनिल शर्मा, राजकुमार चावड़ा, कालू यादव, रमेश जंगिड़, संदीप वलेचा, संजय लाम्बा, सतपाल चौधरी, प्रकाश प्रजापत, दलिप सिंह, झिरण्डीया सरपंच अशोक, बस्ती राम यादव, निहाल सिंह, बाबूलाल, लालचंद यादव, भवानी सिंह, रिंकेश गुप्ता, सौदान सैनी, मोहित बसवाल, अजय योगी, सुगन गुर्जर, परिक्षत यादव, श्यामलाल, कृष्ण कुमार, देवेन्द्र यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होद की पाल मोहल्ले में 3 माह से गंदे पानी का डेरा, ग्रामीण बेहाल

मनोहरपुर । कस्बे के पंचमुखी मंदिर स्थित होद की पाल मोहल्ले में पिछले तीन माह से जमा गंदे पानी ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है।जानकारी अनुसार इस मार्ग पर कई लोगों ने नालियों को बंद कर रखा है तो कई नाली अटी पड़ी है और क्षितग्रस्त हो चुकी है। इस रास्ते पर भरे इस गंदे पानी से गुजरना ग्रामीणों की मजबूरी बन गया है। मकान के पानी जमा होने के कारण लोगों में आपस में झगड़ा हो चुका है।

कई लोगों ने नालियों से पानी निकासी करने पर अड़े हुए है।

इस दौरान नाराज शमीम बानो, बरकत हलीमा, सायरा हनीशा, किस्मत बेगम, बानो शबनम, छीतर शाह, सवाब शाहिद, मुमताज शाह, लतीफ शाह, शाहरुख लियाकत सहित कई लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। उनका कहना है कि शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।वही ग्रामीणों का आरोप है कि वे कई बार नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत और अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव को लिखित शिकायत दे चुके हैं, मगर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिला। वही पूजा-पाठ हो या शव यात्रा, हर जगह मुश्किल,स्थानीय निवासी शमीम बानो ने बताया कि इस रास्ते से हनुमान मंदिर, गणेश मंदिर, स्कूल और अक्सा मस्जिद तक लोग आते-जाते हैं। पूजा हो या नमाज, लोगों को गंदे पानी से होकर ही गुजरना पड़ता है। यहां तक कि शव यात्रा तक निकालना मुश्किल हो जाता है। बच्चे कई बार पानी में फिसलकर घायल हो चुके हैं।

हाल ही में गणेश चतुर्थी पर कार्यक्रम भी इसी गंदे पानी के बीच आयोजित हुआ। पालिका ने केवल मंदिर तक मिट्टी डलवाई, जिससे बाकी मोहल्ले में पानी की समस्या और गंभीर हो गई।

8 से 12 सितंबर तक लगेगा प्री शिविर

किशनगढ़ बास। नगर पालिका की ओर से 15 से 2 अक्टूबर तक शहर चलो अभियान शुरू किया जाएगा है। इसके तहत 8 से 12 सितंबर तक नगर पालिका सभागार में प्री शविरों का आयोजन रखा गया है। अभियान का मूल उद्देश्य है आम नागरिक को रोजाना की समस्याओं से राहत प्रदान कराना तथा लंबित पत्रावलियों का अभियान अवधि में निस्तारण कर राहत देना, सरकार की विभिन्न राजकीय योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त कर उन्हें स्वीकृति प्रदान कराना आदि है।

नगर पालिका ईओ मुकेश शर्मा ने बताया कि किशनगढ़ बास में 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले शहर चलो अभियान के तहत 8 से 12 सितंबर तक नगर पालिका परिसर में प्री शिविर लगाएं जाएंगे। जिसमें दैनिक कार्यों एवं विभागीय योजनाओं संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

देवनारायण गुरुकुल आवासीय विद्यालय की समीक्षा बैठक हुई

सचिव आशीष मोदी ने अम्बेडकर भवन में बैठक ली।

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि देवनारायण गुरुकुल योजना का उद्देश्य अति पिछड़ा वर्ग के गरीब बच्चों को गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार्य नहीं होगी।

निदेशक ने अंबेडकर भवन में आयोजित बैठक में देवनारायण गुरुकुल योजना के अंतर्गत प्रदेश की चयनित निजी आवासीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों और प्रतिनिधियों से योजना से जुड़ी समस्या या सुझावों के लिए खुले संवाद (ओपन डिस्कशन) के दौरान यह बात कही। उन्होंने आवासीय विद्यालयों के संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निस्तारण और सुझावों को अमल में लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत आवासीय विद्यालयों का सुचारु संचालन योजना के सफल होने का आधार है।

गौ सेवार्थ सुन्दरकाण्ड समिति का पंचम वार्षिकोत्सव मनाया

कोटपूतली। गौ सेवार्थ सुन्दरकाण्ड समिति का पंचम वार्षिकोत्सव बुधवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर भव्य सुंदरकांड पाठ व भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें भगवान श्रीराम का भव्य दरबार लगाया गया। बिहारी जी मंदिर महंत विनोद जोशी द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना करवा कर अध्यक्ष रजत जिंदल द्वारा द्वीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। समिति संयोजक जितेन्द्र जोशी व अन्य सदस्यों द्वारा सुंदरकांड पाठ का वाचन किया गया। विष्वनाथ सोनी द्वारा बाबा आ जाओ बालाजी आ जाओ, अभिषेक चतुर्वेदी द्वारा छम - छम नाचे देखो वीर हनुमाना, नरेश शर्मा द्वारा सियाराम जानकी बैठे है मेरे सीने में, जितेन्द्र जोशी द्वारा वृंदावन में हुकुम चले बरसाने वारी का मेरा श्याम दिवाना है उस राधे रानी का सुनाकर पूरे पांडाल को नाचने पर मजबूर कर दिया। समिति की ओर से महामंत्री मनोज अग्रवाल द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा गया और अग्रसेन भवन में विशेष साज सजा की गई एवं आरती करके प्रांगण में भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में भक्तां ने पंगत प्रसादी ग्रहण की।

- भव्य सुंदरकांड पाठ व भक्ति संध्या का हुआ आयोजन

अध्यक्ष रजत जिंदल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस दौरान समिति संरक्षक सीताराम अग्रवाल, रमेश सवाईका, अध्यक्ष रजत जिन्दल, संयोजक जितेन्द्र जोशी, सह संयोजक विनोद जोशी, उपाध्यक्ष विष्वनाथ सोनी, गिरीश गुप्ता, मनोज अग्रवाल, प्रदीप जिंदल, करण सवाईका, अभिषेक चतुर्वेदी, रजनीश गोयल, कमल शर्मा, नितिन जोशी, भाजपा नेता मुकेश गोयल, जिला महामंत्री सुरेंद्र चौधरी, भाजपा नगर अध्यक्ष अरूण सैनी, कमल सैनी, विकाश डोई, ब्राह्मण समाज नगर अध्यक्ष बजरंग शर्मा, तहसील अध्यक्ष नवरत्न शर्मा, सैनी समाज अध्यक्ष रामसिंह सैनी,डॉ. अष्वनी गोयल, लॉयंस क्लब के कमल गुप्ता, प्रवीण बंसल, महेश मीणा, रघुवीर गोयल, रामचंद्र सैनी, रघुवीर सैनी, रूपसिंह शेखावत, अभिषेक बंसल, सोनू अग्रवाल, सुरेंद्र बालास्या, अशोक जिंदल, राहुल गुप्ता, सज्जन यादव, विनोद बर्तन वाला, दयाराम कुमावत, नवीन शर्मा, दीपक मित्तल ,रेणु जिन्दल, पुष्पा सैन,सोनिया जोशी, पूजा जोशी, अनीता शर्मा, नीले के सारथी, राघव मंडल, श्री श्याम शक्ति मंडल रजिस्टर्ड समेत गणमान्य नागरिक व सैकड़ों महिलायें मौजूद रही।

जिला कलक्टर ने किया शहर व सागर जलाशय का निरीक्षण

- चेतावनी बोर्ड लगाने,सुरक्षा गार्डो को मुस्तैद रखने व वर्षा जल निकासी के पुख्ता प्रबंध के संबंध में दिए दिशा -निर्देश

अलवर। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज नगर विकास न्यास एवं नगर निगम की टीम के साथ अलवर शहर व सागर जलाशय का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर ने सागर जलाशय का निरीक्षण कर यूआईटी व नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जलाशय पर लगाए गए सुरक्षा गार्ड तीन पारियों में मुश्तैदी से तैनात रहे। उन्होंने निर्देश दिये कि जलाशय पर अतिरिक्त चेतावनी बोर्ड लगाए जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि जलाशय की जल निकासी की व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित करें कि पानी शहर में नहीं प्रवेश नहीं करें। उन्होंने निर्देश दिये कि सुनिश्चित करें कि आमजन जलाशय के पास ना जावे, सेल्फी आदि न लेवे तथा लोगों से समझाइश करें कि जलाशय से दूर रहकर जलाशय को देखें।

इसके उपरान्त जिला कलक्टर ने शहर के विवेकानन्द सर्किल, त्रिपोलिया, होप सर्कस, कम्पनी बाग, बस स्टैण्ड रोड का निरीक्षण कर वर्षा जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्षा जल निकासी हेतु नालियों व नालों की नियमित रूप से साफ-सफाई करावे। उन्होंने ईटराना पुलिया पर कराई गई पेंटिंग का निरीक्षण कर नगर निगम के कार्य की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिये कि इस प्रकार की पेंटिंग शहर की पुलियाओं पर भी कराई जावे।

जिला कलक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि जिले में हो रही वर्षा के कारण नदी, बांध, तालाब, जलाशय आदि में पानी की तेजी से आवक होने से उफान पर है। अतः आमजन इनके पास नहीं जावे तथा ना ही वहां जाकर सेल्फी आदि लेवे।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया है कि अपने बच्चों को वर्षा के दौरान इन स्थानों पर नहीं जाने देवे तथा लोगों से भी इस संबंध में समझाइश करें। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा बाढ राहत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जिसके दूरभाष नंबर 0144-2700466 व 8949477947 है। जर्जर, जीर्ण-शीर्ण भवन व अन्य किसी भी सूचना हेतु इन दूरभाष नंबरों पर सम्पर्क कर सूचना देवे।

'केंद्र व राज्य सरकार बहज गांव सभ्यता और डीग जल महल संरक्षण के लिए कटिबद्ध'

भरतपुर । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बुधवार को भरतपुर में एक दिवसीय दौरे पर रहे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सर्किट हाउस में मीडिया कर्मियों, आमजन, सदस्यों से रूबरू भी हुए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों, धरोहर, विरासत के संरक्षण और पुरातात्विक स्थलों का रखरखाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में खुदाई के दौरान लगभग 4 हजार 500 साल पुरानी एक प्राचीन सभ्यता के प्रमाण पाए गए हैं, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इसके संरक्षण के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीग जिले में जल महलों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देश पर डीपीआर तैयार की जा रही है, जिससे भरतपुर व डीग जिले को पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा पर्यटन मंत्री शेखावत ने जिला कलक्टर कमर चौधरी से भरतपुर जिले के पर्यटन विकास को लेकर फीडबैक भी लिया। उन्होंने बयाना फोर्ट संरक्षण के लिए कार्य योजना बनाकर शीघ्र प्रस्ताव भेजने निर्देश दिए। उन्होंने भरतपुर जिले से एनसीआर क्षेत्र को लेकर जानकारी ली। उन्होंने भरतपुर शहर में बरसात में जल भराव निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम प्लानिंग करने के निर्देश दिए।

- पर्यटन मंत्री शेखावत ने जिला कलक्टर कमर चौधरी से भरतपुर जिले के पर्यटन विकास को लेकर फीडबैक लिया

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया कर्मियों, आमजन, सदस्यों से रूबरू हुए।

इस दौरान जिला कलक्टर कमर चौधरी, पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व सांसद रंजीता कोली, शैलेश कौशिक, गिरधारी तिवारी, मनोज भारद्वाज, गिरधारी लाल गुप्ता, सतेंद्र गोयल, भानु प्रताप सिंह राजावत, ओम प्रकाश सिंघल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

महंत स्वामी श्याम भारती की पुण्यतिथि मनाई

राजगढ़। गुरु पूजा के क्षेत्र में चिर परिचित एवं ख्याति नाम अवधूत दत्ता आश्रम के महंत स्वामी श्याम भारती की प्रथम पुण्यतिथि बुधवार को श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाई। सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष शिष्यों अपने गुरु चरणों में शीश झुका कर मनौती मांगी।

राजगढ़ के स्टेशन मार्ग स्थित अवधूत दत्त आश्रम के महंत स्वामी श्याम भारती की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ बुधवार को अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत स्वामी अमन भारती महाराज ने गुरु शिष्य परंपरा के महत्व प्रकाश डालते स्वामी श्याम भारती के बताए गए मार्ग पर चलने का सभी से आ ान किया। उन्होंने उपस्थित महिला पुरुषों से कहा जीवन में गुरु एक बार ही बनता है, गुरु की ओर से दी गई गुरु दीक्षा एवं मंत्र मैं जीवन की भलाई छिपी रहती है। उन्होंने गुरु की निंदा करने वाले को पाप का भागी बताया। इस दौरान उपस्थित महिला पुरुष शिष्यों ने गुरु के चरणों में शीश झुकाकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सार-समाचार

सांभर के मंदिरों से निकली रेवाड़ी

सांभरझील। यहां जल झूलनी एकादशी के अवसर पर सांभर स्थित अनेक मंदिरों से परंपरागत तरीके से ठाकुर जी की रेवाड़ी निकाली गई। मंदिर की पुजारी और अनेक भक्तों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया। ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार और झांकी को देखने के लिए सड़कों पर लोग डटे रहे। रेवाड़ी देवानी रोड से होते हुए तीर्थ स्थल के अंतिम छोर पर पहुंची जहां पर सभी आई हुई रेवड़ियों को एक जगह ठाकुर जी को विराजमान किया गया। ठाकुर जी को जलविहार करवाने के पश्चात सभी मंदिर के पुजारियों ने सामूहिक रूप से आरती की तो माहौल पूरी तरह से भक्तिमय नजर आया। कानून व्यवस्था के मद्देनजर थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव पुलिस जाप्ते के साथ अंत तक डटे रहे।

जलझूलनी एकादशी मनाई

टोंक। जलझूलनी एकादशी के अवसर पर जिलेभर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखा गया, जहां ढोल यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। इस दौरान ठाकुर महाराज की डोलयात्रा में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी, शामिल हुए, जिनका जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इसी क्रम में डिग्गी स्थित भगवान कल्याण महाराज का भव्य जल विहार करवाया गया, जिसके अनुसार प्रतिवर्ष शहर के मंदिरों में विराजित भगवान के डोल (विमान) की शोभायात्रा छप्पन तालाब तक जाती है, जहां जलारती के बाद भगवान को पुनः मंदिरों में विराजित किया जाता है। इस दौरान लगातार हो रही तेज वर्षा के चलते छप्पन तालाब के बजाय, पास से बह रही गलवा नदी में जल विहार करवाया गया तथा खातोली गेट के पास बगीची में स्थित कल्याण महाराज का मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक कर आरती उतारी गई। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे पांडाल भगवान की जय-जयकार" गूंजता रहा।

ठाकुर जी ने किया जल विहार

मानपुरा माचेड़ी। जलझूलनी एकादशी के अवसर पर बुधवार को क्षेत्र के मंदिरों से पालकियां निकली।पालकियों में ठाकुर जी ने सवार होकर जल विहार किया।मानपुरा माचेड़ी के चोपड़ स्थित लक्ष्मी नरसिंह जी मंदिर,स्वामी मोहल्ला स्थित प्राचीन नरसिंह जी मंदिर,कल्याण जी मंदिर,गोविंद जी मंदिर,गोपाल जी मंदिर,सीताराम जी मंदिर से पालकियां निकली।पालकियां गाजे बाजे व हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की आदि भगवान के जयकारों के साथ टोडी बावड़ी पहुची जहाँ ठाकुर जी ने जल विहार किया।पुजारी नरेंद्र शर्मा,रामगोपाल शर्मा,पुनर्वसु शर्मा,राधेश्याम शर्मा,गोपाल शर्मा ने ठाकुर जी को जल विहार करवाकर महाआरती की।आरती के बाद पालकियां पुनः मन्दिरो में पहुची।

सिरस में निकाली भगवान की डोल यात्रा

सिरस। सिरस कस्बे सहित आसपास के गांवों में बुधवार को जलझूलनी एकादशी पर्व पर मंदिरों से ठाकुर जी की गाजे-बाजे के साथ डोल यात्राएं निकाली गई। कस्बे में श्री केशवराय मंदिर से डोल यात्रा प्रारंभ होकर गढ़ के सामने होती हुई बड़े तालाब पर पहुंची। जहां ठाकुरजी की आरती करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। इसी प्रकार खलीलाबाद मौजा गांव में भी श्री राधा कृष्ण मंदिर से ठाकुर जी की डोल यात्रा निकाली। इस दौरान बड़े एनीकट पर भगवान की आरती में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

क्रमांक: एफ6()/उपायुक्त लैण्ड/नगनि (हैरिटेज)/2025/558 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 25.08.2025

श्री हितेश कुमावत पुत्र श्री ब्रजमोहन कुमावत द्वारा आवेदन पेश कर भूखण्ड संख्या सी-3 (उत्तरी भाग) सुभाष कॉलोनी, नाहरी का नाका जयपुर का उपविभाजन चाहा गया है। भूखण्ड का पट्टा श्री लालचन्द पुत्र श्री घासीराम के नाम दिनांक 31.08.74 को 266.66 वर्गगज जारी किया गया था। श्री लालचन्द द्वारा दिनांक 05.07.2022 के जरिये उपहार पत्र आधा भाग क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज श्री हितेश कुमावत पुत्र श्री ब्रजमोहन कुमावत के नाम किया गया था। इस हेतु आवेदक ने अण्डरटेकिंग (शपथ-पत्र) व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए है इन्हें भूखण्ड का उपविभाजन जारी किया जाना है। इस बाबत् किसी व्यक्ति, संस्था, फर्म/कम्पनी को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के कार्यालय में अपनी आपत्ति मय कारणों सहित पेश करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उपविभाजन कर पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जायेगी।

तनुजा सोलंकी उपायुक्त (लैण्ड), नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

व्यापार बंद करने की सूचना

मैं, वीरेन्द्र कुमार जैन, ओसवाल पाउडर एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज़ का प्रोपराइटर, यह सूचित करता हूं कि मैंनें दिसम्बर 2024 से ओसवाल पाउडर एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज़ के नाम से संचालित अपने व्यापारिक गतिविधियों को बंद करने का निर्णय लिया है। मैं आगे यह घोषणा करता हूं कि मेरी कोई बकाया राशि शेष नहीं है।फिर भी, यदि किसी व्यक्ति को मुझसे कोई दावा या बकाया वसूल करना हो, तो कृप्या इस सूचना की तिथी से 7 (सात) दिनों के भीतर मुझसे संपर्क कर उसे स्पष्ट करवा लें। निर्धारित समयावधि के बाद कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह सूचना मैंने पूर्ण सद्भावना के साथ, अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार जारी की है।

स्थान : जयपुर

तिथि : 04/09/2025

नाम परिवर्तन

मै किशन चंद नागवानी पुत्र भगवान दास नागवानी, निवासी स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान, मैंने मेरा नाम किशन नागवानी से किशन चंद नागवानी में बदल दिया है। भविष्य में मुझे इस नाम से जाना और पहचाना जाना चाहिए।

मै भंवर लाल पुत्र किशोरी लाल निवासी 23 पिचानी नारेडा मेरे पुत्र आशू कुमार के स्कूल दस्तावेजों में मेरा नाम भंवर सिंह दर्ज है जो गलत है। सही नाम आशू कुमार पुत्र भंवर लाल है जो सही है।

मै हरि सिंह पुत्र श्री छंगाराम जाट निवासी सांगटेडा तहसील-कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड, जो की आर्मी में कार्यरत हूं मेरे आर्मी दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम व जन्मतिथि गलती से पिस्ता देवी जन्मतिथि 01.07.1984 दर्ज हो गई। जबकि मेरी पत्नी के समस्त दस्तावेजों में नाम पिस्ता व जन्मतिथि 10.05. 1983 है जो सही है

I, QURESHI FIRDOUS ABDUL MAJID D/o. ABDUL MAJID QURESHI, have changed my name to FIRDOUS for all future purposes

I Pappuram S/o Rekha Ram R/o 01, Likhma Desar, PO Likhmadesar, Dist Bikaner, Rajasthan-331803, have changed my name to Parbhu Ram

I have changed my name Sarvesharest Mathur to Sarvashrestha Mathur for all legal & future purpose. Address 426, Sachivalaya Vihar, RIICO Kanta, Mansarovar, Jaipur-302020

खोया पाया

आवास संख्या 118/103 का मूल आवंटन क्रमांक नं. 131 दिनांक 24/04/92 पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। भगवान दास, मो.-9660002793

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट न. ए-64, स्कीम नं. 13 सिंह भूमि, सैक्टर-ए, खातीपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर क्षेत्रफल 191.66 वर्ग गज को शिल्पाचार्य विश्वकर्मा गृह निर्माण समिति लि., जयपुर द्वारा सुशीला देवी को जरिये आवंटन पत्र दिनांक 04.07.1992 को आवंटित किया गया था। तत्पश्चात् सुशीला देवी ने उक्त प्लॉट का विभाजन करके दक्षिणी-पूर्वी हिस्सा (प्लॉट न. ए-64/बी), एरिया 47.66 वर्ग गज संतोष पत्नी जुगल किशोर को जरिये विक्रय-पत्र दिनांक 02.05.2011 को बेचान कर दिया था। तत्पश्चात् सुशीला देवी का स्वर्गवास दिनांक 06.10.2020 को, उनके पति श्री हरिनारायण का स्वर्गवास दिनांक 27.02.2012 को, उनके पुत्रगण श्री बजरंग लाल का स्वर्गवास दिनांक 07.12.2020, बाबूलाल का स्वर्गवास दिनांक 22.02.2013, गोविन्द नारायण का स्वर्गवास दिनांक 30.05.2022 को एवं पुत्री प्रेमलता का स्वर्गवास दिनांक 20.01.2016 को हो गया। उपरोक्त वर्णित मृतकगणो के स्वर्गवास पश्चात् इनके वारिस/उत्तराधिकारी क्रमशः स्नेहलता, राम रतन, विमल, प्रमोद, सावित्री, पवन, संजय, सुमित्रा, रवि कान्ता, कृष्ण कान्ता, शशिकान्त, राजकुमारी, मनमोहन, गोपाल एवं सुनीता ने उक्त प्लॉट के विभाजित उत्तरी-पश्चिमी हिस्सा (प्लॉट नं. ए-64/सी), एरिया 48.16 वर्ग गज में निहित अपना-अपना हिस्सा जुगल किशोर पुत्र हरिनारायण को जरिये पंजीकृत हक-त्याग पत्र दिनांक 17.02.2023 को त्याग कर दिया। तत्पश्चात् जुगल किशोर ने अपने उक्त हिस्से को अपनी पत्नी संतोष को जरिये उपहार-पत्र दिनांक 22.02.2023 को उपहार कर दिया। इस प्रकार संतोष प्लॉट न. ए-64/बी, एरिया 47.66 वर्ग एवं प्लॉट नं. ए-64/सी, एरिया 48.16 वर्ग गज सम्पूर्ण की मालकिन काबिज हुई। अब सम्पति की मालकिन संतोष ने उक्त सम्पति पर ऋण हेतु JIO Credit Ltd. में आवेदन किया है। उक्त सम्पति के बाबत् एवं उपरोक्त वर्णित मृतकगणों के उत्तराधिकारी की हैसियत से किसी भी व्यक्ति, जनसाधारण, संस्था आदि को कोई भी आपत्ति हो तो उक्त सम्पति के सम्बन्ध में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना हक या आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे, अन्यथा JIO Credit Ltd. द्वारा उक्त सम्पति को रहन कर लिया जावेगा एवम् उसके पश्चात् किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।

पीयूष भार्गव एडवोकेट, 6, रघुकमल निवास, गणपति प्लाजा के सामने, एम.आई.रोड, जयपुर, मो. 9828300154

दिनांक 01.09.2025

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/595

चूंकि प्रार्थी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता, 21 चम्पा नगर गुर्जर की थडी न्यू सांगानेर रोड जयपुर 302019 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान ह्यूमन केयर फाउंडेशन, 21 चम्पा नगर गुर्जर की थड़ी न्यू सांगानेर रोड जयपुर 302019 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत् दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 10/11/2025

(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रमांक-2 हिण्डौन सिटी

नोटिस हर खास व आम

श्रीमती सीमादेवी आदि बनाम हरखास आम D.No. 535/ 01.9.25

याचिका अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम बावत जारी फरमाये जाने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सीमा देवी श्री सुशीला मित्तल, निवासी एसआईडी वाली गली रामगढ, रामगढ मोड, महवा, जिला दौसा आदि ने इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपने स्व. पति श्री सुशील मित्तल के बीमा बावत भारतीय जीवन बीमा निगम के मृतक सुशील मित्तल की मिलने वाली राशि, लाभ-परिलाभ के लिए उत्तराधिकार प्रमाण पत्र पेश किया है। लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के स्वीकार करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 12.9-2025 को समय ..... बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने म्याद उक्त दिनांक के बाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना-पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा।

आज्ञा से - रीडर

(मुहर) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रमांक-2 हिण्डौन सिटी

खेल जगत

अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का बीबीएल में आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट सीजन में बहुत कुछ लेकर आएंगे।
- आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, अपने गेंदबाजी को लेकर।

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

विराट कोहली ने आखिरकार 4 जून की त्रासदी पर एक भावुक बयान जारी करके अपनी चुप्पी तोड़ी है, जिसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विजय उत्सव को धूमिल कर दिया था। कोहली ने आरसीबी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक नोट में कहा, ज़िंदगी में कोई भी चीज आपको 4 जून जैसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करती। जो हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था... वह एक दुखद घटना में बदल गया। मैं उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूँ और उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ जिन्हें हमने खो दिया।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन जड़ दिए थे।

भारतीय मुक्केबाज पहली विश्व मुक्केबाजी चैंम्पियनशिप में दिखाएंगे अपना दमखम

नई दिल्ली, 3 सितंबर। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन जैसी दिग्गज मुक्केबाजों के नेतृत्व में, 20 भारतीय मुक्केबाज लिवरपूल में 4 से 14 सितंबर तक एम एंड एस बैंक एरिना में आयोजित होने वाली पहली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में दुनिया के कुछ शीर्ष मुक्केबाजों के साथ कई श्रेणियों में मुकाबला करेंगे। यह द्विवार्षिक चैंपियनशिप दुनिया भर के बेहतरीन शौकिया मुक्केबाजों को एक साथ लाएगी, जहां भारत इस साल की शुरुआत में ब्राजील और कजाकिस्तान में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में 17 पदक जीतने के बाद शीर्ष फॉर्म में है।

भारत हाल ही में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन के आधार पर, मजबूत लय के साथ इस टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहा है। ब्राजील में हुए विश्व मुक्केबाजी कप में, भारतीय दल ने छह पदक जीते, जिनमें हितेश ने एक स्वर्ण और अभिनाश जामवाल ने एक रजत पदक जीता, साथ ही चार कांस्य पदक भी जीते। यह अंतरराष्ट्रीय सफलता कजाकिस्तान में हुए विश्व मुक्केबाजी कप में भी जारी रही, जहां भारत की निरंतरता और गहराई दोनों ही निखर कर सामने आईं और दल ने तीन स्वर्ण सहित 11 और पदक जीते। सभी वर्गों में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने की देश की क्षमता का भी प्रदर्शन हुआ, जब नूपुर श्योराण ने हैवीवेट वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पुरुष टीम के कोच धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा, "शेफील्ड में हमारी तैयारी असाधारण रही है। यह टीम अनुभवी खिलाड़ियों का एक शक्तिशाली मिश्रण है, जो पहले भी पोडियम पर पहुंच चुके हैं, और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली युवा मुक्केबाजों की एक नई लहर है जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। हमें इस समूह पर पूरा विश्वास है, और हम विश्व चैंपियनशिप में आने वाली हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।" महिला टीम के कोच डॉ. चंद्रलाल ने कहा, "इस टीम का समर्पण और कड़ी मेहनत वाकई प्रेरणादायक है। हमने मेहनत की है, हमने नींव रखी है, और अब हम भारतीय महिला मुक्केबाजी का असली जुझारूपन दिखाने के लिए तैयार हैं।"

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) की मौजूदगी से मजबूत हुई है, जो अनुभव, तकनीकी निपुणता और वैश्विक अनुभव का एक अद्भुत मिश्रण लेकर आई हैं। इस टीम में कुशल पदक विजेता एथलीट हितेश (70 किग्रा), अभिनाश (65 किग्रा), नुपुर (80 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), मीनाक्षी (48 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), नीरज फोगट (65 किग्रा) और टी. सनमाचा चानू (70 किग्रा) शामिल हैं। टीम में उभरते हुए पुरुष खिलाड़ियों जदुमणि सिंह मंदेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) शामिल हैं, जो सभी भार वर्गों में भारत की मजबूत उपस्थिति और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हैं। सभी एथलीटों ने 18 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक शेफील्ड में एक उच्च-तीव्रता प्रशिक्षण शिविर पूरा किया। इस प्रशिक्षण शिविर में मुख्य प्रशिक्षकों, ओइनम गीता चानू, लीशांगथेम राडिया देवी, मोहम्मद ऐतेसामुद्दीन, अभिषेक साह, तोरक खरप्रान और जयसिंह ज्ञानदेव पाटिल के मार्गदर्शन में फिजियोथेरेपिस्ट सुम्या ज्योति हलदर और आलोक कुमार, और डॉक्टर यशा विजयकुमार पटेल ने सर्वोत्तम फिटनेस और स्वास्थ्य सुनिश्चित किया। शिविर में तकनीकों को बेहतर बनाने, रणनीतियों को बेहतर बनाने और मुक्केबाजों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों का सामना करने के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। हर भार वर्ग में चैंपियन और पदक के दावेदारों के साथ, भारत शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और अपनी प्रतिभा की गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को उजागर करने के लिए तैयार, शीर्ष फॉर्म में चैंपियनशिप में प्रवेश करता है।

हुक्का कांड पर इरफान ने धोनी को लेकर दिया फैंस को जवाब

नई दिल्ली, 3 सितंबर। इरफान पठान पांच साल पहले महेंद्र सिंह धोनी पर दिए अपने बयान को लेकर फिर एक बार चर्चा में आ गए हैं। इरफान पठान ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर पांच साल पहले दिए एक इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि टीम इंडिया में सेलेक्शन के लिए आपको हुक्का पीना आना चाहिए।

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान पांच साल पहले महेंद्र सिंह धोनी पर दिए अपने बयान को लेकर फिर एक बार चर्चा में आ गए हैं। इरफान पठान ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर पांच साल पहले दिए एक इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि टीम इंडिया में सेलेक्शन के लिए आपको हुक्का पीना आना चाहिए। इरफान का ये इंटरव्यू फिर एक बार वायरल हो रहा है जिस पर पूर्व क्रिकेटर ने एक फैन को जवाब दिया है। इरफान पठान ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक्स पर पोस्ट करके बर्थडे विश किया है।

राजस्थान रणजी टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर नाथद्वारा में

जयपुर, 3 सितम्बर। राजस्थान में राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की रणजी प्रतियोगिता के लिये चुने जाने वाली टीम के लिये संभावित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर पांच सितम्बर को नाथद्वारा के मदन पालीवाल स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। तदर्थ समिति के संयोजक डी डी कुमावत ने बुधवार को बताया कि राजस्थान की पुरुष सीनियर चयन समिति ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य सीनियर कॉल्विन शील्ड एवं सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी (मल्टी डेज) क्रिकेट प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर राज्य सीनियर क्रिकेट टीम के संभावितों के प्रशिक्षण शिविर के लिये 30 संभावित खिलाडियों का चयन किया है। इनमें से राजस्थान की रणजी टीम चुनी जायेगी।

उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान की क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी की पूर्व तैयारियों के लिये उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं एवं खेल मैदान मुहैया कराया जायेगा। नाथद्वारा के मदन पालीवाल (मिराज) स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल मैदान एवं खेल सुविधाएं मौजूद हैं। खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी की तैयारियों के लिए स्टेडियम में सभी उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। संभावितों के प्रशिक्षण शिविर के लिये चयनित खिलाडी इस प्रकार हैं,- अभिजीत तोमर, महिपाल लोमरोर, दीपक चाहर, मानव सुथार, दीपक हुड्डा, कार्तिक शर्मा, समर्पित जोशी, कुणाल सिंह राठौड़, खलील अहमद, प्रद्युमन पारेख, आकाश सिंह, अनिकेत चौधरी, तनवीर उल ह, अजय सिंह कुकना, राहुल चाहर, करण लाम्बा, अशोक शर्मा, दीपक चौधरी, धनंजय तिवारी, रोहित खीचड़, अनिरुद्ध सिंह चौहान, जयदीप सिंह, सलमान खान, मुकुल चौधरी, कमलेश पटेल, सौरभ गोदारा, अव्यांश सिंह, सुमित गोदारा, जय गोयल और मोहित जैन।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश : राजस्थान के 10 खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 3 सितम्बर। राजस्थान के दस खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर खेली जा रही गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीत अपने- अपने आयु वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंडर-19 गर्ल्स में राजस्थान की रित्विका सिंह बुन्देला ने सानवी बाटर के खिलाफ वॉकओवर से अंतिम आठ में जगह बनाई। अंडर-17 बॉयज में सुभाष चौधरी ने अर्नव खंडेलवाल को 3-0 से हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अंडर-15 बॉयज में राजस्थान के फरीद अन्द्रावी ने मलेशियाई खिलाड़ी जोवेन जिया चेन चोंग को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में 6-11, 11-6, 7-11, 11-2, 11-6 से हरा अंतिम आठ में प्रवेश किया वहीं गर्ल्स में गौरी जायसवाल ने प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की अरोमा के खिलाफ कड़ा मुकाबला करते हुए 11-3, 8-11, 9-11, 11-7, 11-8 से जीत दर्ज की।

अंडर-13 गर्ल्स में राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने स्वरा त्रेहान को 8-11, 11-4, 11-5, 11-1 से हरा अंतिम आठ में जगह बनाई वहीं बॉयज में ओम ठाकुर ने विहान खेमानी को 11-6, 11-8, 11-5 से और प्रभव बाजोरिया ने रिदान गुप्ता को 11-4, 11-9, 11-8 से हरा क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। अंडर-11 गर्ल्स में राजस्थान की गौरवी अजमेरा ने अंशिका कुमारी को कड़े मुकाबले में 10-12, 11-4, 6-11, 11-7, 11-7 से और इनाया अन्द्रावी ने संध्या यादव को चार सेटों तक चले मुकाबले में 9-11, 11-9, 11-5, 11-6 से हरा अंतिम आठ में प्रवेश किया। वहीं अंडर-11 बॉयज में युवान वर्मा ने मलेशिया के केशव प्रेम कुमार को पांच सेटों में 8-11, 11-8, 11-3, 5-11, 11-9 से शिकस्त दे क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा के अनुसार गुरुवार को सभी एज कैटेगरी के बॉयज और गर्ल्स के क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे।

वीनस का सपना यूएस ओपन के अंतिम 8 में टूटा

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार लेयला फर्नांडीज का महिला युगल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा से हारने के बाद यूएस ओपन के अंतिम चार में पहुंचने का सपना टूट गया।कनाडा की लेयला फर्नांडीज के साथ जोड़ी बनाकर खेल रही विलियम्स को 57 मिनट तक चले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी से 6-1, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा दोनों ने विलियम्स को सम्मान देते हुए उन्हें 'प्रेरणादायक' और 'लीजेंड' बताते हुए कहा कि मैं और मेरी बहन वीनस और सेरेना को देखते हुए बड़े होते हुए, हम उनके जैसे बनना चाहते थे। टाउनसेंड ने कहा कि उनके साथ कोर्ट साझा करना सम्मान की बात है। सिनियाकोवा ने कहा कि उनके साथ खेलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

सिकंदर रजा बने एकदिवसीय क्रिकेट के शीर्ष ऑलराउंडर

दुबई, 3 सितंबर। हरारे में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन वाले जिम्बाब्वे के स्टार खिलाड़ी सिकंदर रजा अपने करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष एकदिवसीय खिलाड़ी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर वन पर है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग की ताजा अपडेट के अनुसार 39 वर्षीय रजा ने दोनों मैचों में 92 और नाबाद 59 रन बनाए और श्रृंखला में एक विकेट लेकर अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई और मोहम्मद नबी को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओमरजई दूसरे और नबी तीसरे स्थान पर हैं। रजा का पिछला सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान था जो उन्होंने दिसंबर 2023 में हासिल किया था।

रजा के कुल 151 रन ने उन्हें बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गये है जो कि जून 2023 में उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान से दो पायदान नीचे है। गेंदबाजों में भी वह एक पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका सात स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, श्रीलंका के ही जनिथ लियानागे (13 स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर) और जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) श्रृंखला के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में ऊपर आने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। स्कॉटलैंड के बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 में कनाडा के खिलाफ मैच विजयी 84 रनों की नाबाद पारी के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के टोनी डी जोंजी 67वें से 64वें स्थान पर आ गए हैं।

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने श्रीलंका के स्पिनर महेश तीक्षाना को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 22 रन देकर चार विकेट लिए थे।

झुंझुनूं एकेडमी की छात्राओं का वुमेन राजस्थान अंडर-19 चैलेंजर में सिलेक्शन

झुंझुनूं, 3 सितंबर। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई स्कूल के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूल की तीन छात्राओं ने क्रिकेट में शानदार उपलब्धि प्राप्त की है। जानकारी देते हुए क्रिकेट कोच कमलेश सैनी ने बताया कि झुंझुनूं एकेडमी की छात्रा अर्चना सांगवान, निशा तथा कृतिश्री व्यास का सिलेक्शन वुमेन राजस्थान अंडर-19 चैलेंजर में हुआ है। जो जिले के लिए गर्व की बात है। इन तीनों होनहार छात्राओं ने स्कूल, माता-पिता, परिवार एवं जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह तीनों छात्राएं राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। यह प्रतियोगिता चार सितम्बर से छह सितम्बर 2025 तक जयपुर में आयोजित होगी।

राजधानी

कोचिंग बिल पर कांग्रेस विधायक राजेन्द्र पारीक ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर किया समर्थन

वरिष्ठ विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष 16 साल उम्र की पैरवी कर रहे, यह गलत है; बाकी राज्यों में 14 साल की उम्र तय है।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में कोचिंग रेगुलेशन बिल पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने पार्टी लाइन से अलग जाकर इसका समर्थन किया। सरकार के बिल का समर्थन करने को बीजेपी ने कांग्रेस विधायक दल की फूट बताकर पलटवार किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई कांग्रेस विधायकों ने बिल का विरोध करते हुए केंद्र की गाइडलाइन के बावजूद 16 साल से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग में पढ़ने से रोकने का प्रावधान नहीं करने पर सवाल उठाए थे।

नेता प्रतिपक्ष की राय का विरोध करते हुए राजेंद्र पारीक ने कहा कि "हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोचिंग के लिए बच्चे की 16 साल की उम्र होनी चाहिए थी।

भारत की गाइडलाइन कुछ भी हो सकती है लेकिन आप 14 साल के बच्चे को यह कहकर हतोत्साहित कर देंगे कि वह बच्चा कोचिंग में नहीं पढ़ सकता, तो गलत होगा। बाकी राज्यों में भी 14 साल ही है, इसलिए जहां 14 साल है तो वह वहां जाकर कोचिंग कर लेगा।"

- **पारीक द्वारा बिल का समर्थन करने को बीजेपी ने कांग्रेस विधायक दल की फूट बताकर पलटवार किया**

पारीक ने कहा कि मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि गरीब परिवार के बच्चे अच्छे इंस्टीट्यूट में नहीं पढ़ पाते थे वो अच्छे कोचिंग में पढ़कर आने वालों से पीछे रह जाते थे, क्योंकि उन्हें माहौल नहीं मिल पाता था। आज सीकर में ग्रामीण अंचल से बच्चे आईपीएस, आईएएस सहित बड़ी-बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सिलेक्ट हो रहे हैं। कुछ साल पहले आईआईटी करके आए हुए चंद बच्चों ने सीकर में कोचिंग इंस्टीट्ययूट की स्थापना की। उस बीज को पेड़ बनते मैंने आंखों से देखा।

पारीक ने कहा कि सीकर की रेवेन्यू 35 परसेंट कोचिंग इंस्टीट्यूट से चलती है। मैं कोचिंग संस्थाओं का नहीं, मैं उन गरीब परिवार के बच्चों को सपोर्ट कर रहा हूं। जो पैसे के अभाव में दिल्ली-जयपुर नहीं जा सकते वो बच्चे सीकर की कोचिंग में पढ़ा रहे हैं। यह कहना कि कोचिंग में माहौल नहीं है, जगह नहीं है, गलत है, वे एक बार सीकर आकर देख लें।

पारीक ने कहा कि कोचिंग इंस्टीट्यूट के आने के बाद सीकर की जो ग्रोथ हुई है, वह कल्पना से परे है। कोचिंग इंस्टीट्यूट ही सुसाइड की वजह नहीं है, कोचिंग को जिम्मेदार ठहराने को मैं कतई निराधार मानता हूं। यह प्रचार का माध्यम बना दिया कि कोचिंग इंस्टीट्यूट की वजह से राजस्थान बर्बाद हो रहा है, यह गलत है।

इस बिल पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बहस के दौरान कहा था भारत सरकार की गाइडलाइन के बावजूद कोचिंग स्टूडेंट की उम्र 16 साल नहीं की, आप भारत सरकार की नहीं नहीं मान रहे। चाहे कितने हजार करोड़ की इंडस्ट्री हो, बच्चों की सुसाइड करने के लिए नहीं है। इस बिल को प्रवर समिति को भेजकर क्या सुधार किया? आपने जुर्माना कम करके कोचिंग को फायदा दिया, जुर्माना कम क्यों किया? कोचिंग के दायरे में लाने वाले संस्थानों की छात्र संख्या को बढ़ा दिया। इसके नए प्रावधान कोचिंग वालों को फायदा पहुंचाने वाले हैं। बच्चों की सुसाइड रोकने के लिए जितना फोकस होना चाहिए था, वह नहीं किया।

राजेंद्र पारीक के सदन में कांग्रेस से अलग स्टैंड लेने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पारीक साहब ने केवल 16 साल की उम्र पर अपनी राय रखी थी, ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं, हो सकता है कि सीकर का मामला अलग हो।

आठ बड़े संस्थानों ने शोध के बाद भारत सरकार ने 16 साल की उम्र तय की है। कांग्रेस के सभी विधायकों ने अपनी राय इसी लाइन पर रखी है। बीजेपी चाहती है कि पारीक साहब की व्यक्तिगत राय को फूट के रूप में दिखाए लेकिन ऐसा नहीं है।

कानून और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कोचिंग रेगुलेशन बिल पर कांग्रेस विधायक दल की फूट सामने आई है। राजेंद्र पारीक ने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस से अलग जाकर बिल का समर्थन किया है, यह फूट को दर्शाता है।

राजस्थान कोचिंग सेन्टर नियंत्रण-विनियमन विधेयक ध्वनिमत से पारित

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा ''इस कानून का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिणक जीवन में रोशनी लाना है, न कि कोचिंग सेंटरों को डराना।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में बुधवार को बहुप्रतीक्षित राजस्थान कोचिंग सेन्टर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित हो गया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने इसे सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिणक जीवन में रोशनी लाना है, न कि कोचिंग सेंटरों को डराना।

विधेयक के तहत अब कोई भी कोचिंग सेंटर बिना राजकीय पंजीकरण के संचालित नहीं हो सकेगा। पंजीकरण की शर्तों में संशोधन करते हुए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या को 50 से बढ़ाकर 100 कर दिया गया है, ताकि असंगठित संस्थानों को अधिक उत्तरदायित्व के साथ काम करने का अवसर मिल सके।

इसके अलावा अनियमितताओं पर लगने वाले जुर्माने को भी संशोधित किया गया है। अब पहली बार उल्लंघन पर 50 हजार और दूसरी बार पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर कोचिंग संस्थान लगातार नियमों की अवहेलना करता है तो उसका पंजीकरण रद्द करने और उसकी संपत्ति कुर्क करने तक की कार्रवाई संभव होगी। विधेयक में विद्यार्थियों की मानसिक सेहत पर भी खास ध्यान दिया गया है। प्रत्येक कोचिंग संस्थान में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। साथ ही तनाव प्रबंधन के सत्र और परिजनों से संवाद की नियमित व्यवस्था की जाएगी। हर जिले में हेल्पलाइन और कॉल सेंटर संचालित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों की शिकायतों का समय पर समाधान हो सके। इस विधेयक के अंतर्गत राज्य स्तर पर राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी, जिसकी निगरानी में कोचिंग संस्थान संचालित होंगे। इसके अलावा जिला स्तर पर भी समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संबंधित जिले के कलेक्टर करेंगे।

डॉ. बैरवा ने स्पष्ट किया कि सरकार इस विधेयक के माध्यम से कोचिंग संस्थानों को बंद करने नहीं बल्कि उन्हें अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और छात्र हितैषी बनाने के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान रैंकिंग मशीन नहीं, बल्कि संस्कार केंद्र बनें, यही राज्य सरकार की भावना है।

- **विधेयक के तहत अब कोई भी कोचिंग सेंटर बिना राजकीय पंजीकरण के संचालित नहीं हो सकेगा। हालांकि पंजीकरण की शर्तों में संशोधन करते हुए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या को 50 से बढ़ाकर 100 किया गया है।"**
- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत पूरे विपक्ष ने इस विधेयक को अफसरशाही बढ़ाने तथा कोचिंग इंडस्ट्री को अप्रत्यक्ष संरक्षण देने वाला बताया**

एम्स की तर्ज पर जयपुर में बनेगा सुपर स्पेशियलिटी रिम्स

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । नई दिल्ली के एम्स की तर्ज पर राजधानी जयपुर में भी रिम्स बनाया जायेगा। बुधवार को राजस्थान विधानसभा में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

इस विधेयक के जरिए जयपुर स्थित आरयूएचएस (राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज) का उन्नयन कर सुपर स्पेशियलिटी संस्थान राजस्थान इंस्टीट्ययूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना की जाएगी।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह ने बताया कि यह संस्थान एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रिम्स को 40 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा और इसके निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा समुचित बजट प्रावधान भी किया गया है। मंत्री ने जानकारी दी कि यह संस्थान अगले दो वर्षों में तैयार हो जाएगा और यह स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करेगा। इसमें राज्य सरकार की योजनाओं के तहत पात्र मरीजों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी, जिससे अन्य सरकारी अस्पतालों पर भार भी कम होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों, इसकी दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। रिम्स की स्थापना से न सिर्फ उन्नत चिकित्सा सेवाएं सुलभ होंगी बल्कि मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधानसभा में पारित संशोधन विधेयक के अनुसार, राज्य सरकार अब आरयूएचएस के किसी घटक या उसके द्वारा स्थापित महाविद्यालय को सरकारी महाविद्यालय घोषित कर सकेगी। इसके साथ ही ऐसे महाविद्यालयों की सम्पूर्ण संपत्तियां, भवन, प्रयोगशालाएं आदि का प्रशासनिक नियंत्रण राज्य सरकार के अधीन होगा।

- **आरयूएचएस का होगा उन्नयन, 40 एकड़ में बनेगा राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान : चिकित्सा मंत्री**

फलौदी की बाप नगरपालिका में नए उच्च जलाशयों का निर्माण होगा

जयपुर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए गांवों में जल जीवन मिशन और शहरों के लिए अमृत 2.0 योजना प्रारंभ की है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया की फलोदी की बाप नगरपालिका में भी पेयजल की सुचारू आपूर्ति के लिए सर्वे करवाकर आवश्यकतानुसार नए उच्च जलाशयों का निर्माण कराया जायेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र फलोदी में 95 नलकूप सूख गए थे जिनमें 63 नलकूपों को सही कराने के लिए कार्यवाही की जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट के साथ कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को विधानसभा परिसर में झालावाड़ स्कूल हादसे में दिवंगत बच्चों को श्रद्धांललि अर्पित की। कांग्रेस विधायकों ने हादसे में मृत बच्चों को सदन में श्रद्धांजलि नहीं दिए जाने को बड़ा मुद्दा बनाते हुए शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। विपक्षी विधायक विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे थे।

किसानों को खेत से फसल बेचने के लिये ई-मंडी प्लेटफॉर्म बनेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कृषि, पशुपालन, डेयरी पर बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक की

जयपुर, 3 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई योजनाएं उन्हें 'विकसित राजस्थान-2047' की यात्रा में भागीदार भी बना रही हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक में शर्मा ने कहा कि कृषि को रोजगारोन्मुखी व्यवसाय बनाने की दिशा में राज्य सरकार दूरगामी निर्णय ले रही है।

लघु एवं सीमांत किसानों को सस्ती दर पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 1,000 कस्टम हायरिंग सेंटर्स स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को खेत से ही फसल बेचने की सुविधा देने के लिए ई-मंडी प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर फसलों के भंडारण के लिए आधारभूत ढांचे के निर्माण के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी और गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा की।

ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम)-2026 के सफल आयोजन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने ग्लोबल राजस्थान एग्री टैक मीट (ग्राम) -2026 के सफल आयोजन के लिये प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप, राज्य में 'श्री अन्न प्रमोशन एजेंसी' की स्थापना की जा रही है, जो मिलेट्स को बढ़ावा देगी। इसके अलावा दूध संकलन के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने, और मिलावट करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की अनुपलब्धता की स्थिति में नए प्रोजेक्ट्स के लिए अनुपयोगी सरकारी इमारतों का उपयोग किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने राजस्थान किसान आयोग के वर्ष 2025 के अंतरिम प्रतिवेदन का विमोचन भी किया।

बिहार चुनाव की रणनीति पर भाजपा की अहम् बैठक

नयी दिल्ली, 03 सितबंर। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति एवं तैयारी को लेकर बुधवार को यहां व्यापक चर्चा की।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर इस संबंध में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में शाह के अलावा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार में पार्टी के प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सांसद संजय

- **मीटिंग में बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के आवंटन पर चर्चा की गई**

जायसवाल, बिहार के सह प्रभारी दीपक प्रकाश तथा कुछ अन्य नेता मौजूद थे।

बैठक में हुए विचार-विमर्श के बारे में अधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस अहम बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य दलों के साथ सीटों के आवंटन तथा पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया गया। माना जा रहा है कि भाजपा अन्य मुद्दों के साथ-साथ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान बिहार में एक मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को अपशब्द कहे जाने को भी एक बड़ा मुद्दा बनाएगी।

जीएसटी काउन्सिल की समस्त सिफारिशें स्वीकार कीं, सभी राज्यों ने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर बताया कि सभी राज्यों ने जीएसटी की दरों को तर्क संगत बनाने पर मंजूरी दी है

- **निर्मला सीतारमण ने बताया कि जीएसटी में अब 5 व 18 प्रतिशत के दो ही स्लैब होंगे।**
- **नई दरें नवरात्रि के पहले दिन, यानि 22 सितम्बर से लागू हो जाएंगी। इससे आम आदमी की जरुरत का सामान सस्ता हो जाएगा।**

नई दिल्ली, 03 सितंबर। जीएसटी काउंसिल की बैठक में मंत्री समूह के सभी प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया गया है। इसके साथ ही, अब जीएसटी में 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के सिर्फ दो ही स्लैब होंगे। खास बात है कि जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने पर सभी राज्यों ने सहमति दी है। रोजमर्रा की ज्यादातर चीजों पर जीएसटी की दरों को कम किया गया है।

इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की, वहीं इस बैठक में परिषद के तमाम सदस्य भी शामिल हुए। बता दें कि इस बैठक में 33 सदस्यीय समिति, आठ साल पुराने जीएसटी कर-ढांचे में बड़े बदलावों पर चर्चा की है।

इस बैठक के बाद वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अब देश में जीएसटी की दरें सरल होंगी। फिलहाल अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं पर कई तरह की टैक्स दरें लागू हैं, लेकिन अब इसे दो स्लैब में समेटा गया है। इस बदलाव का मकसद टैक्स प्रणाली को आसान और पारदर्शी बनाना है, जिससे कारोबारियों और आम जनता दोनों को राहत मिलेगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पिज्जा ब्रेड, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी।

लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। ये स्लैब नवरात्रि के पहले दिन यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे।

इन बदलावों का मकसद आम आदमी की जरूरतों के सामान को सस्ता करना और तंबाकू जैसे हानिकारक उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को हतोत्साहित करना है।

जीएसटी परिषद की बैठक के बाद हुए ऐलानों पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र के सभी जीएसटी प्रस्तावों को परिषद द्वारा मंजूरी मिलने पर खुशी है।

एसी और टीवी जैसे इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट्स 18 फीसदी जीएसटी के दायरे में आएंगे। ड्राई फ्रूट्स, अचार, कॉर्न फ्लेक्स, चीनी और शुगर क्यूबस जैसे कई सामानों पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अलावा, सीमेंट पर 28 फीसदी के बजाय 18 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। 1200 सीसी के अंदर आने वाली कारें और 350 सीसी के अंदर आने वाली बाइक पर जीएसटी की दर 18 फीसदी होगी, जबकि मिड साइज कारों पर जीएसटी की दर 40 फीसदी होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हेयर ऑयल, साबुन, बार, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबल वियर पर अब 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि यूएचटी दूध और ब्रेड पर जीएसटी की दर जीरो होगी।

सरकार ने कहा कि पान, मसाला, सिगरेट समेत अन्य शिन प्रोडक्ट्स पर 40 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अलावा, लग्जरी प्रोडक्ट्स पर भी 40 फीसदी जीएसटी होगा तथा कैफीनयुक्त पेय पदार्थ और कार्बोनेटेड ड्रिंक भी 40 प्रतिशत के दायरे में आएंगे।

'विचलित मत हों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किरणें दाग सकती है-चाहे वह जहाज़ पर लगी हों या ज़मीनी ट्रकों पर। निर्माण किया जा सके।

भारत के लिए इस चीनी प्रदर्शन से सबसे बड़ी सीख सिर्फ़ रक्षा क्षमता की

- **अमेरिका के साथ-साथ चीन की यह सामरिक ताकत भारत के लिये भी नींद उड़ाने वाला मुद्दा है। भारत की ऐतिहासिक भूल थी, प्राइवेट सेक्टर को, सेना के लिये हथियार व अन्य सामरिक महत्व के सामान बनाने की प्रक्रिया से दूर रखना।**
- **अतः अभी भारत का हथियार बनाने का ''आधारभूत औद्योगिक ढांचा'' अविकसित या अर्द्ध विकसित सा ही है, तथा चीन इस दौड़ में भारत से मीलों आगे हो गया है, और यह भारत के लिये वाकई में गहन चिन्ता का विषय है।**

भारत के लिए यह हथियार और सैन्य प्रणालियाँ कोई अनजान बात नहीं होंगी। हमारा सैन्य शीर्ष नेतृत्व और राजनीतिक नेतृत्व चीन की क्षमताओं से परिचित होगा। सवाल यह है कि हम क्या कर रहे हैं ताकि चीन की बराबरी कर सकें या कम से कम उसके क़रीब पहुँच सकें। भारतीय सैन्य योजनाकारों और राजनीतिक नेतृत्व को आगे बढ़ना होगा। और आपातकालीन आधार पर रक्षा-औद्योगिक ढांचा तैयार करना होगा ताकि देश की सुरक्षा के लिए सबसे आधुनिक और सक्षम हथियारों का चिंता नहीं है, बल्कि अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता के विकास की चिंता है। रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र को शामिल न करना और विदेश से हथियार ख़रीदने का विकल्प चुनना अब साफ़ तौर पर एक भारी गलती साबित हो रहा है, जिसने भारत और चीन के बीच रक्षा उत्पादन क्षमता में वर्षों का फ़ासला बना दिया है। अब समय आ गया है कि तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ। इसके लिए मज़बूत घरेलू अर्थव्यवस्था और औद्योगिक क्षेत्र की ज़रूरत है। नीतियाँ उसी लक्ष्य को पाने के लिए बनानी होंगी।

एस. आई. पेपर लीक में एक और प्रोबेशनर गिरफ्तार

एस. ओ. जी. ने प्रोबेशनर एस. आई. अशोक सिंह को पुलिस लाइन अजमेर से गिरफ्तार किया

जयपुर, 3 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए पेपर पढ़कर परीक्षा पास करने पर प्रोबेशनर एसआई को गिरफ्तार किया है। आरोपित प्रोबेशनर एसआई अजमेर पुलिस लाइन में ट्रेनिंग कर रहा था।

एसओजी की जांच में सामने आया कि प्रोबेशनर एसआई ने आठ लाख रुपए देकर एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर लिया, जिस के कारण लिखित परीक्षा में उसके 310.39 अंक आए। फिलहाल आरोपित प्रोबेशनर एसआई से एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए,

- **एस. ओ. जी. की जांच के अनुसार प्रोबेशनर एस. आई. ने आठ लाख रुपये में पेपर लिया था और इस कारण उसके लिखित परीक्षा में 310.39 नम्बर आए थे।**

पेपर पढ़कर परीक्षा पास करने वाले प्रोबेशनर एसआई अशोक सिंह (30) निवासी खींवसर जिला नागौर हाल प्रशिक्षु पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) पुलिस लाईन अजमेर को गिरफ्तार किया है।

एसओजी की जांच में पता चला कि अशोक सिंह ने पूर्व में गिरफ्तार विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेवाड निवासी रेनवाल जिला जयपुर से पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा से पहले आठ लाख रुपये में सौदा कर उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 का 14 सितम्बर को आयोजित होने वाला दोनों पारियों का पेपर लिया था। उसने दोनों पारियों की लिखित परीक्षा, परीक्षा से पूर्व लीक सॉल्वड पेपर विनोद रेवाड के मार्फत वाट्सअप पर प्राप्त कर पढ़कर परीक्षा दी । जिसके कारण आरोपित अशोक सिंह ने लिखित परीक्षा में कुल 310.39 अंक प्राप्त कर लिखित परीक्षा पास की। आरोपित अशोक सिंह का उपनिरीक्षक के पद पर अंतिम रूप से मेरिट क्रमांक 396 पर चयन हुआ था। एसओजी अब तक की जांच के बाद 55 प्रशिक्षु उप निरीक्षक सहित, 124 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं।

चंद्रशेखर की बेटी कविता ने पार्टी से इस्तीफा दिया

हैदराबाद/नयी दिल्ली, 03 सितम्बर। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पुत्री तथा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के कविता ने पार्टी से निलम्बित होने के एक दिन बाद बुधवार को पार्टी तथा परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

बीआरएस के सहयोगी संगठन तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष, के कविता ने विधान परिषद की सदस्यता से अपना इस्तीफा अध्यक्ष को सौंप दिया। इससे एक दिन पहले उन्हें उनके पिता और बीआरएस प्रमुख, के चंद्रशेखर राव ने पार्टी से निलंबित कर दिया था। कविता ने अपने चचेरे भाई एवं पूर्व मंत्री टी हरीश राव तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, जिसके बाद पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। पूर्व लोकसभा सदस्य, के कविता ने पार्टी तथा विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा सौंपने के बाद यहां पत्रकारों से कहा, मैंने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

चयनित एसआई अभ्यर्थियों ने डबल बैंच में अपील की

जयपुर, 3 सितंबर। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ की ओर से दिए आदेश के खिलाफ चयनित अभ्यर्थियों ने खंडपीठ में अपील पेश कर दी है। अपीलार्थी विक्रम पंवार व अन्य की ओर से दायर इस अपील याचिका पर खंडपीठ 8 सितंबर को सुनवाई करेगी।

अपील में अधिवक्ता अलंकृता शर्मा ने बताया कि एकलपीठ ने अपने आदेश में एक ओर राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आरपीएससी को भेजने को कहा है, वहीं दूसरी ओर भर्ती रद्द करने की बात भी कही है। यह आपस में विरोधाभासी है। इसके अलावा एकलपीठ ने अपना संपूर्ण निर्णय एसओजी, महाधिवक्ता और राज्य सरकार की पहली रिपोर्ट पर ही आधारित रखा है। राज्य सरकार ने बाद में दूसरी रिपोर्ट में अपना रुख स्पष्ट करते हुए फिलहाल भर्ती रद्द नहीं करने की बात कही है, लेकिन एकलपीठ ने इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया। अपील

- **एकलपीठ के आदेश के खिलाफ अपील की सुनवाई 8 सितम्बर को होगी।**

में कहा गया है कि एक विषय पर जब राज्य सरकार की पुरानी सिफारिश या रिपोर्ट पर नवीन सिफारिश या रिपोर्ट आ जाती है तो पुरानी एक तरह से प्रभावहीन हो जाती है। राज्य सरकार ने अपनी नवीन सिफारिश में माना है कि भर्ती में शामिल दोषियों की पहचान कर उनकी छंटनी संभव है। वहीं, भर्ती होने के बाद अपीलार्थियों का प्रशिक्षण हो गया और वे परिवीक्षा काल में चल रहे हैं। एसओजी ने उनके खिलाफ भी जांच की थी, लेकिन उनके खिलाफ पेपर लीक से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला। ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द किया जाए। गौरतलब है कि एकलपीठ ने गत 14 अगस्त को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद 28 अगस्त को आदेश देते हुए भर्ती को रद्द करने के लिए राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट बनाकर आरपीएससी में देने को कहा था। वहीं, एकलपीठ ने इस भर्ती के पदों को साल 2025 की भर्ती में जोड़ते हुए दूसरी सरकारी सेवा छोड़कर आए चयनितों को पूर्व की सेवा में लेने को कहा था। एकलपीठ ने आरपीएससी की कार्यप्रणाली पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए उसे जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में लगाने को कहा था। इस स्वप्रेरित प्रसंज्ञान याचिका पर खंडपीठ 10 सितंबर को सुनवाई करेगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव एकल हस्तांतरणीय मतदान प्रणाली से होता है। इसमें सांसद उम्मीदवारों के नाम के आगे प्राथमिकता अंकित करते हैं। पहली प्राथमिकता अनिवार्य है, जबकि बाकी प्राथमिकताएं वैकल्पिक हैं। पहली प्राथमिकता यदि नहीं दी गयी है तो वोट अमान्य हो जाता है। मतदान के समय चुनाव आयोग विशेष पैन देगा और किसी अन्य पैन से डाला गया वोट मान्य नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन के बीच है।

'एक राज्य में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्व केन्द्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जिन्होंने वकील के रुप में वापसी की है, ने हिमाचल प्रदेश की ओर से कहा कि राष्ट्रपति या राज्यपाल संसद या विधानसभाओं को बुलाते तक नहीं हैं। यह प्रक्रिया संसदीय कार्य मंत्री से शुरू होती है। कर्नाटक की ओर से एडवोकेट गोपाल सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि किसी राज्य में दोहरी सत्ता (राज्यपाल और राज्य सरकार दोनों) नहीं हो सकती।

'बाढ़ग्रस्त राज्यों के लिए पैकेज दे केन्द्र सरकार'

नयी दिल्ली, 03 सितंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में भारी बारिश से मची तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इन राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की मांग की है। गांधी ने कहा कि इन राज्यों की स्थिति आपदाओं के कारण अत्यंत वीभत्स हो गई है और वहां जन जीवन संकट में आ गया है, इसलिए सरकार को प्रभावित राज्यों के लिए और विशेषकर किसानों के हित में विशेष राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को एक पोस्ट में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा ''मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है।

रूपवास थाने में हैड कॉन्स्टेबल ने आत्महत्या की

परिजनों के अनुसार वह लम्बे समय से बीमार था और अवसाद से जूझ रहा था

रूपवास/भरतपुर, 3 सितम्बर (निसं)। भरतपुर के रूपवास थाने में एक हेड कॉन्स्टेबल ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे पर लटके देखा तो सीनियर अफसरों को सूचना दी। मामला भरतपुर के रूपवास थाना इलाके का बुधवार शाम पांच बजे का है। परिजनों ने रिपोर्ट में बताया कि वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अवसाद से जूझ रहे थे।

पुलिस के अनुसार, रूपवास थाने में बदन सिंह जाट हेड कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थे। उन्होंने बुधवार शाम करीब पांच बजे थाना परिसर में स्थित अपने कमरे (क्वार्टर) के बाथरूम में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जैसे ही

- **हैड कॉन्स्टेबल बदन सिंह ने थाना परिसर में अपने आवास के बाथरूम में फांसी लगा कर आत्महत्या की, वह डेढ़ माह पहले ही प्रमोट होकर हैड कॉन्स्टेबल बना था।**

पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे पर लटके देखा तो अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अभी तक पुलिसकर्मी के सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है।

एडिशनल एसपी (बयाना) हरिराम कुमावत ने बताया कि रूपवास थाना परिसर में जो आवास बने हैं, उसके कमरे के बाथरूम में बदन सिंह लटके हुए मिले। इसके बारे में परिजनों ने रिपोर्ट पेश की है। बदन सिंह दौलतपुर थाना चिकसाना के रहने वाले थे। जिस कमरे में फंदा लगाया गया, उसे सील कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, बदन सिंह डेढ़ महीने पहले ही कॉन्स्टेबल से प्रमोट होकर हेड कॉन्स्टेबल बने थे।

घटना की सूचना पर एएसपी एडीएफ बयाना हरीराम कुमावत, सीओ नीरज भारद्वाज, रुदावल थानाधिकारी बालकृष्ण फौजदार, थानाधिकारी चंद्रमोहन, खेरिया मोड़ चौकी इंचार्ज घनश्याम पोषवाल, बंध बारैठा चौकी इंचार्ज भरतलाल व विनोद शर्मा मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। एफएसएल और क्यूआरटी टीम की मौजूदगी में शव को फंदे से उतारकर एम्बुलेंस के जरिये उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। चिकित्सकों ने देर शाम होने के कारण पोस्टमार्टम गुरुवार सुबह करने की बात कही।

एन. डी. ए. का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की महिलाएं नहीं सहेंगी और इसीलिए बंद के साथ सड़कों उतरने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि अपने खिलाफ अपशब्द की वेदना से एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री भावुक हो गये थे। उन्होंने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से उनकी मां को गालियां दी गईं, जो न केवल उनकी मां का अपमान है, बल्कि देश की सभी मां, बहनों और बेटियों का भी अपमान है।

द्वितीय विश्व युद्ध में, जापान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

70 मिनट तक चला यह कार्यक्रम चीन की सैन्य शक्ति और कूटनीतिक प्रभाव को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था।

माओत्से तुंग स्टाइल का ट्यूनिक सूट पहने राष्ट्रपति शी ने खुली छत वाली लिमोज़िन से सैन्य परेड और सैन्य उपकरणों का निरीक्षण किया।

परेड में अत्याधुनिक हथियारों की झलक देखने को मिली, जिनमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, पानी के भीतर चलने वाले ड्रोन और एक हथियारबंद रोबोट भेड़िया शामिल थे।

समारोह का समापन हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों की एक साथ उड़ान हुई और इसके बाद 80,000 पीस बर्ड्स को उड़ाने के साथ हुआ।

पश्चिमी देशों द्वारा अलग-थलग किए गए पुतिन और किम की मौजूदगी इस परेड की एक खास विशेषता रही, जो क्रमशः यूक्रेन युद्ध और उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के चलते आलोचना में रहे हैं।

इस कार्यक्रम के बाद घनिष्ठ बीजिंग, मॉस्को और प्योंगयांग के बीच रक्षा संबंध की अटकलें तेज हो गई हैं, खासकर रूस और उत्तर कोरिया के बीच जून 2024 में हुए समझौते के बाद।

विशेषज्ञ यह भी देख रहे हैं कि क्या चीन और उत्तर कोरिया के बीच भी इसी तरह का गठबंधन बनता है – ऐसा होने पर यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य संतुलन बदल सकता है।

चीन के इस शक्ति-प्रदर्शनी पर अमेरिका की प्रतिक्रिया सतर्क और कूटनीतिक रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इस कार्यक्रम की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति शी पर ''अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचने'' का आरोप लगाया, जिसमें पुतिन और किम भी शामिल हैं।

ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या चीन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद करेगा, जिन्होंने चीन की आजादी में मदद की थी।

उन्होंने लिखा, ''सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति शी अमेरिका द्वारा चीन की स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदानों को स्वीकार करेंगे। बहुत से अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। मुझे आशा है कि उन्हें उनके साहस और बलिदान के लिए उचित सम्मान और स्मरण मिलेगा!''

उन्होंने आगे जोड़ा, ''मैं राष्ट्रपति शी और चीन के महान लोगों को इस जश्न के लिए शुभकामनाएं देता हूं। कृपया मेरी ओर से व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को भी गर्मजोशी से नमस्कार दें, जब आप अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रचें!''

हालांकि, ट्रंप ने पहले पत्रकारों से कहा था कि वह इस परेड को अमेरिका के लिए सीधी चुनौती के रूप में नहीं देखते। जापान के शीर्ष सरकारी प्रवक्ता ने परेड पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ''रचनात्मक संबंध'' बना रही हैं।

राष्ट्रपति शी ने द्वितीय विश्व युद्ध को ''चीनी राष्ट्र के महान पुनरुत्थान'' का एक मोड़ बताया है, जहां जापान के आक्रमण से मिली अपमानजनक हार के बाद चीन एक वैश्विक महाशक्ति बना।

इस सप्ताह की शुरुआत में, शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के शिखर सम्मेलन में, शी ने नई विश्व व्यवस्था की अपनी कल्पना पेश की और ''हठधर्मी शक्ति राजनीति'' का विरोध करते हुए एकजुटता की अपील की यह अमेरिका की आलोचना के रूप में देखा गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान वैश्विक अस्थिरता का मुख्य कारण चीन नहीं बल्कि ट्रंप की एकतरफा नीतियाँ हैं।

परेड के बाद आयोजित एक स्वागत समारोह में शी ने कहा कि मानवता को ''जंगल के कानून'' की ओर लौटने से बचना चाहिए।

ताइवान, जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है, ने अपने नागरिकों से परेड में भाग न लेने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इससे बीजिंग के क्षेत्रीय दावों को बल मिल सकता है।

ताइवान की राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि उनका देश बंदूक की नोक पर शांति का जश्न नहीं मनाता।

विश्लेषकों का कहना है कि यह परेड देश में राष्ट्रवादी भावना को बढ़ावा देने और आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के उद्देश्य से की गई थी।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चला रहा है। एक दर्जन से अधिक जनरलों को हटा दिया गया है, जिनमें से कई शी के करीबी माने जाते थे।

दूसरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति उस वक्त और बिगड़ गई, जब वन मंत्री संजय शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की तरफ आक्रामक अंदाज में बढ़ने लगे। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बीच में आकर उन्हें रोका। अगर समय रहते हस्तक्षेप नहीं होता, तो सदन में टकराव की स्थिति बन सकती थी। बढ़ते हंगामे को देखते हुए स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के बीच इस तीखे टकराव से सत्र का माहौल पूरी तरह गरमा गया है। झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर कांग्रेस की मांग है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। दूसरी तरफ भाजपा कांग्रेस पर इस हादसे के राजनीतिकरण का आरोप लगा रही है।

ब्यावर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाया था। अब विभाग 40 प्रतिशत या उससे ऊपर बधिर है या नहीं, इसकी जांच करेगा।

कैंसर की दवाएं, पनीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और आइसक्रीम आदि पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत पर आ सकते हैं या पूरी तरह से हट सकता है।

कृषि और उर्वरकः सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और अमोनिया जैसे इनपुट्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव है।

वस्त्रः सिंथेटिक यार्न, मैन-मेड स्टेपल फाइबर यार्न, कालीन और हस्तशिल्प पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर लाया जा सकता है।

टॉयलेटरीज़ः टूथपाउडर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और टूथपेस्ट को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया जा सकता है। शैम्पू, तेल और साबुन को भी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत श्रेणी में लाने पर विचार हो रहा है।

छाताः इसकी दर घटाकर 5 प्रतिशत की जा सकती है।

होटल बुकिंगः 7,500 रुपये तक किराए वाले होटल कमरों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है।

सरकार की योजना है कि 28 प्रतिशत श्रेणी में आने वाले 90 प्रतिशत सामान को 18 प्रतिशत श्रेणी में लाया जाए और 12 प्रतिशत श्रेणी से काफी सामान 5 प्रतिशत श्रेणी में कर दिया जाए। इससे घरेलू खपत बढ़ने की उम्मीद है और अनुमानित 50,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की भरपाई भी हो जाएगी।

कुछ सामान या सेवाओं, जैसे जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, जिन पर फिलहाल 18 प्रतिशत टैक्स लगता है, को जीएसटी ढांचे से बाहर करने के प्रस्ताव भी हैं।

तथापि कुछ ''लग्ज़री'' वस्तुएं, जैसे तंबाकू और महंगी गाड़ियां, साथ ही शराब, अब भी ''शिन गुड्स'' (स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं) की श्रेणी में रहेंगी और इस बार उन पर स्वास्थ्य उपकर (हैल्थ सैंस) या ग्रीन एनर्जी उपकर लगाया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इसका फायदा मध्यम वर्ग को मिलेगा, क्योंकि ''दैनिक उपयोग की वस्तुएं'' (अभी स्पष्ट नहीं है कि इनमें कौन-कौन सी चीजें शामिल होंगी) और ''आकांक्षी वस्तुएं'' (लालकर वाली वस्तुएं) सस्ती होनी चाहिए। कर में कटौती से निर्माताओं को कीमतें घटाने की प्रेरणा मिलेगी। हालांकि, कमी उतनी बड़ी नहीं होगी जितनी दर घटाई जाएगी, क्योंकि निर्माता अक्सर पूरी कटौती का लाभ नहीं देते। इसके बावजूद, इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, 28 प्रतिशत की उच्चतम श्रेणी से 18 प्रतिशत की मध्यम श्रेणी में सामान लाने से सैद्धांतिक तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं को बड़ी बचत होगी, जो कीमत के प्रति अत्यधिक संवेदनशील माने जाते हैं। और बढ़ी हुई बिक्री निर्माताओं की चिंता, जैसे घटे हुए लाभ मार्जिन, को संतुलित कर सकती है।

परिणामस्वरूप, ऐसे निर्माता, जो आम तौर पर श्रम-प्रधान क्षेत्रों, जैसे ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में काम करते हैं, अधिक कामगारों को नौकरी देने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

जीएसटी स्लैब्स में बदलाव से मांग बढ़ेगी, और उम्मीद की जा रही है कि इसका असर उस 50 प्रतिशत टैरिफ पर भी कम होगा, जो डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले महीने अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908